राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 यूएन में हमास के कब्जे से बंधक छुड़ाने की...

सिराज को वह श्रेय नहीं मिला जिसके ... 11

वर्ष : 16 ■ अंक : 94 ■ नई दिल्ली, गुरुवार, 07 अगस्त, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

धराली में आई तबाही के बाद सेना का बचाव व राहत कार्य जारी

पीएम मोदी ने की सीएम धामी से बात, हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में बादल फटने के बाद, भारतीय सेना ने बचाव और राहत कार्य तेज कर दिए हैं और प्रभावित लोगों की मदद के लिए जमीनी और हवाई स्तरों से राहत पहुंचाई जा रही है। उत्तराखंड में मौसम विभाग ने पांच जनपदों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें देहरादून, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंहनगर एवं बागेश्वर में भारी बारिश हो सकती है, जिसके मद्देनजर नौ जनपदों में छुट्टी का आदेश दिया गया है। सेना के सेंट्रल कमांड ने अपने 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि कर्नल हर्षवर्धन, जो 14 राजराइफल्स के कमांडिंग ऑफिसर हैं, 5 अगस्त की सुबह से ही 150 जवानों की टीम के साथ राहत कार्य की अगुवाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के प्रयास जारी हैं। मीडिया रिपोर्ट में सेना ने पुष्टि की कि हर्षिल में संसाधनों की पूर्ति के लिए सेना के ट्रैकर डॉग, ड्रोन, लॉजिस्टिक ड्रोन, अर्थमूविंग उपकरण आदि के साथ अतिरिक्त सैन्य टुकड़ियां आगे बढ़ाई गई हैं ताकि प्रयासों में तेजी लाई जा सके। जरुरी आपूर्ति पहुंचाने चिकित्सा सहायता और फंसे हुए निवासियों को निकालने के लिए सेना और वायु सेना के हेलीकॉप्टरों को तैनात किया गया है। सेना की पोस्ट में कहा है कि इस बीच लगातार बारिश से बढ़ते जलस्तर को देखते हुए निवासियों को ऊंचे इलाकों में ले जाया गया है।

पीएम मोदी ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी से उत्तरकाशी के मौजूदा हालातों की जानकारी ली। बता दें देवभूमि उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में मंगलवार को प्राकृतिक आपदा से भारी तबाही

हुई। इस गंभीर स्थिति में पीएम मोदी ने उत्तराखंड सरकार को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया है। पीएम मोदी ने बुधवार सुबह उत्तराखंड के सीएम धामी से फोन पर बात की। इस दौरान धामी ने पीएम मोदी को लगातार हो रही भारी बारिश के कारण आ रहीं कठिनाइयों के बारे में बताया। सीएम ने बताया कि राज्य सरकार राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी है। सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं, ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके लगातार बारिश के कारण उत्तरकाशी जिले में अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन के चलते प्रशासन हाई अलर्ट पर है।

मौसम विभाग ने बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसी कारण सभी सरकारी व निजी स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद कर दिया है। प्रशासन की ओर से लाउडस्पीकरों से लोगों को चेतावनी दी जा रही है कि जो लोग नदी किनारे या निचले इलाकों में रह रहे हैं, वे तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं। मंगलवार को बादल फटने की घटना में कम से कम चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और कई लोग अभी भी लापता हैं। बता दें धराली गांव में आई तबाही ने सबकुछ खत्म कर दिया है। यह तबाही बादल फटने की वजह से आई है। इसमें अभी तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 130 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। मलबे में अभी भी कई लोग दबे हुए हैं, जिनकी खोजबीन चल रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन में 2 चिनूक, 2 सग-17 हेलिकॉप्टर, 2 चीता हेलिकॉप्टर, 1 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर को उतारा गया है।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.0°C

न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,03,130
चांदी	1,15,000
सेंसेक्स	80,543
निफ्टी	24,574

पीएम मोदी ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

■ कर्तव्य भवन-3 सेंट्रल विस्टा परियोजना का एक हिस्सा है। यह कई 'कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट' भवनों में से पहला है

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत यहां केन्द्रीय सचिवालय भवनों में से एक कर्तव्य भवन-3 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उनके साथ केन्द्रीय आवास एवं शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल भी थे। इस दौरान श्री मोदी ने कर्तव्य भवन का दौरा किया और यहां बनायी गयी सभी सुविधाओं का निरीक्षण भी किया। यह भवन आधुनिक, कुशल और नागरिक-केंद्रित शासन के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कर्तव्य भवन-3 सेंट्ल विस्टा परियोजना का एक हिस्सा है। यह कई 'कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट' भवनों में से पहला है जिसका उद्देश्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और चुस्त शासन को सक्षम बनाना है।

यह परियोजना सरकार के व्यापक प्रशासनिक सुधार एजेंडे का प्रतीक है। यह भवन मंत्रालयों को एक साथ लाकर और अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचे को अपनाकर, कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट अंतर-मंत्रालयी समन्वय में सुधार करेगा, नीति कार्यान्वयन में तेजी लाएगा और एक जवाबदेह प्रशासनिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा। अभी कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम कर रहे हैं जो अब संरचनात्मक रूप से पुरानी और अक्षम हो चुकी हैं।

नई इमारतों में मरम्मत और रखरखाव की लागत कम होगी, उत्पादकता बढ़ेगी, कर्मचारियों की सुविधाओं में सुधार होगा। कर्तव्य भवन-3 को दिल्ली भर में फैले विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। यह लगभग एक लाख 50 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला एक अत्याधुनिक कार्यालय परिसर है जिसमें दो बेसमेंट और सात तल (भूतल + 6 तल) हैं। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय विभाग और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। कर्तव्य भवन में पानी की जरूरतों के एक बड़े हिस्से को पूरा करने के लिए अपशिष्ट जल के उपचार और पुनः उपयोग की व्यवस्था की गयी है। यह भवन 30 प्रतिशत कम ऊर्जा का उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें इमारत को ठंडा रखने और बाहरी शोर को कम करने के लिए विशेष कांच की खिड़कियाँ हैं। ऊर्जा-बचत करने वाली एलईडी लाइटें, जरूरत न होने पर लाइटें बंद करने वाले सेंसर, बिजली बचाने वाली स्मार्ट लिफ्टें और बिजली के उपयोग को प्रबंधित करने की एक उन्नत प्रणाली, ये सभी ऊर्जा बचाने में मददगार साबित होंगी। कर्तव्य भवन-3 की छत पर लगे सौर पैनल हर साल 5 लाख 34 हजार यूनिट से ज्यादा बिजली पैदा करेंगे। सौर वॉटर हीटर गर्म पानी की दैनिक जरूरत का एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा पूरा करेंगे। इसके अलावा इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन भी उपलब्ध कराए गए हैं।

भारत की एक्ट ईस्ट नीति में फिलीपींस प्रमुख साझेदार : मुर्मु

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि भारत अपनी एक्ट ईस्ट नीति, विजन महासागर और हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में फिलीपींस को प्रमुख साझेदार मानता है। सुश्री मुर्मु ने भारत यात्रा पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड रोमुअलडेज मार्कोस जूनियर का स्वागत किया। उन्होंने उनके सम्मान में भोज का भी आयोजन किया। राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर का भारत की पहली राजकीय यात्रा पर स्वागत करते हुए सुश्री मुर्मु ने कहा कि भारत और फिलीपींस के बीच दीर्घकालिक मित्रता है जो सभ्यतागत संपर्कों, ऐतिहासिक संबंधों और साझा मूल्यों पर आधारित है।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि दोनों देशों के व्यापक सहयोग में निरंतर उच्च-स्तरीय संपर्क, फलता-फूलता व्यापार और वाणिज्य, समुद्री क्षेत्र सहित मजबूत रक्षा और सुरक्षा सहयोग, विकास साझेदारी, स्वास्थ्य सेवा और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्र में सहयोग, कृषि, डिजिटल और वित्तीय प्रौद्योगिकी, संस्कृति, पर्यटन और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान शामिल हैं। उन्होंने कहा , 'आज द्विपक्षीय संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के रूप में उन्नत करने से हमारे बहुआयामी सहयोग को और बल मिलेगा।' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत-फिलीपींस साझेदारी न केवल दोनों देशों के लोगों के लिए लाभकारी है, बल्कि यह क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि का आधार भी है। फिलीपींस भारत की एक्ट ईस्ट नीति, महासागर विजन और हिंद-प्रशांत के प्रति हमारे दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। उन्होंने अगले वर्ष आसियान अध्यक्ष के रूप में फिलीपींस के कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता और समर्थन के लिए फिलीपींस सरकार को धन्यवाद दिया।

उन्होंने फिलीपींस के साथ विकास सहयोग के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई, जिसमें त्वरित प्रभाव परियोजनाओं का कार्यान्वयन भी शामिल है, जिनका उद्देश्य स्थानीय समुदायों के दैनिक जीवन को सीधे लाभ पहुँचाना है। राष्ट्रपति ने कहा कि समुद्री क्षेत्र में, विशेष रूप से मानवीय सहायता और आपदा राहत, तथा खोज एवं बचाव के क्षेत्र में, दोनों देशों के समान हित और चिंताएँ हैं - साझेदारों के रूप में, हम इन क्षेत्रों में एक-दूसरे से बहुत कुछ सीख सकते हैं। दोनों नेताओं ने सहमति व्यक्त की कि यह यात्रा, जो राजनयिक संबंधों की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हो रही है, भारत और फिलीपींस के बीच एक मजबूत साझेदारी बनाने में मदद करेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अनाथ बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा का आदेश दिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनाथ बच्चों को राइट टू एजुकेशन के तहत निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा के लिए शामिल करने का आदेश दिया है. सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 फीसदी कोटे में अनाथ बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा प्राप्त करने की अनुमति देने के लिए अधिसूचना जारी करने के लिए कहा है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने निर्देश दिया कि सभी राज्य चार हफ्ते में ये अधिसूचना जारी करें। इसके बाद इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट को सूचित करें. सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा, ₹मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात और दिल्ली जैसे राज्यों ने इस संबंध में पहले ही अधिसूचना जारी कर दी है। इसलिए, उसने बाकी राज्यों को भी चार सप्ताह में ऐसा ही करने का आदेश दिया। अदालत ने आदेश दिया कि दिल्ली, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, गुजरात ने पहले ही शिक्षा का अधिकार यानी आरटीई अधिनियम की धारा 12(1)(सी) की परिभाषा के अंतर्गत अनाथों को शामिल करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. अन्य राज्य भी यही अधिसूचना जारी करेंगे।

ट्रम्प की 'धमकी' का पीएम मोदी खुलकर जवाब क्यों नहीं दे रहे: राहुल

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को पीएम मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत को धमका रहे हैं, लेकिन पीएम मोदी उनके सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पीएम मोदी ट्रम्प के खिलाफ सख्त रुख नहीं अपना पा रहे क्योंकि अडानी के खिलाफ अमेरिका में जांच चल रही है और मोदी-अडानी-अंबानी (एए) के संबंध अब जगजाहिर हैं।

राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रम्प ने हाल ही में भारत पर व्यापार संबंधी आरोप लगाते हुए टैरिफ बढ़ाने की बात कही है। राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों की पृष्ठभूमि में पिछले साल अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस द्वारा अडानी ग्रुप समेत आठ लोगों पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे। आरोप पत्र में कहा गया था कि भारत में रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स हासिल करने के लिए सरकारी अधिकारियों को कथित तौर पर रिश्वत दी गई थी। इन आरोपों की अमेरिका में जांच चल रही है।

राहुल गांधी ने यह भी पूछा कि यदि पीएम मोदी सही में मजबूत नेतृत्व कर रहे हैं, तो वे ट्रम्प के ह्यटैरिफ की धमकीह्न का खुलकर जवाब क्यों नहीं दे रहे हैं। राहुल गांधी के इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है। बीजेपी की ओर से इस पर अभी तक प्रतिक्रिया नहीं आई है। वहीं कांग्रेस इस मुद्दे को विदेशी दबाव और ह्यक्रोनी कैपिटलिज्मह्न से जोड़कर आगामी सत्रों में और धार देने की तैयारी कर रही है।

संसद शुरू होने से पहले टीएमसी का प्रदर्शन

■ स्टॉप इंसल्टिंग बंगाल के पोस्टर लेकर सांसदों ने जताया विरोध

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के चालू मानसून सत्र के तीसरे सप्ताह के तीसरे दिन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसदों ने संसद परिसर में हाथों में स्टॉप इंसल्टिंग बंगाल लिखे पोस्टर और प्लेकार्ड लेकर प्रदर्शन किया। टीएमसी सांसदों ने केंद्र सरकार पर बंगाल को बार-बार अपमानित करने का आरोप लगाते हुए यह विरोध दर्ज कराया। सांसदों का कहना था कि राज्य के प्रति केंद्र की नीतियां और वक्तव्य भेदभावपूर्ण हैं और इससे बंगाल की छवि को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इससे पहले भी टीएमसी कई मुद्दों पर संसद और बाहर विरोध दर्ज कराती रही है, लेकिन आज का प्रदर्शन विशेष रूप से बंगाल की अस्मिता से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहा।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। देश में बढ़ते साइबर फ्रॉड के मामलों को लेकर ईडी ने बड़ा एक्शन लिया है। दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू हुई है। ईडी की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की। इस राशि को बाद में यूएई में कई हवाला ऑपरेटरों और व्यक्तियों के जरिए यूएसडीटी में बदलकर नकदी में परिवर्तित किया गया।

एसआईआर पर संसद में चर्चा बेहद जरूरी : खरगे

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के वोट काटने का आरोप लगाया है। प्रवासी मजदूरों के वोट भी सूची से हटाए जा रहे हैं, जो उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने यहां के विजय चौक पर इंडी गठबंधन की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विपक्ष दल एसआईआर पर लगातार संसद में चर्चा की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार इसे नजरअंदाज कर रही है। अगर सरकार इस गंभीर विषय पर भी चर्चा से बचती है तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि वह संविधान और लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखती। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एसआईआर पर चर्चा बेहद जरूरी है क्योंकि यह सीधे नागरिकों के अधिकारों से जुड़ा हुआ मामला है। सभी विपक्षी पार्टियां एकजुट होकर लोकसभा के स्पीकर, राज्यसभा के सभापति और सरकार से इस विषय पर बहस की मांग कर रही हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। खरगे ने कहा कि 21 जुलाई 2023 को राज्यसभा के तत्कालीन सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा था कि सदन में धरती पर हो रही हर बात पर चर्चा हो सकती है, लेकिन अब कहा जा रहा है कि एसआईआर और चुनाव आयोग से जुड़े विषयों पर चर्चा नहीं हो सकती, जो चिंताजनक है।

देवनानी ने की मेघवाल से मुलाकात

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को केंद्रीय कानून एवं संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से मुलाकात की। श्री देवनानी ने श्री मेघवाल से नई दिल्ली स्थित उनके कार्यालय में यह मुलाकात की जो उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान दोनों के बीच राजस्थान के विकास, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विधायी कार्यप्रणाली में नवाचार के संबंध में विचार-विमर्श हुआ। श्री देवनानी ने राजस्थान विधानसभा में चल रहे नवाचारों, डिजिटलीकरण तथा युवा पीढ़ी को लोकतंत्र से जोड़ने के प्रयासों की जानकारी भी दी।

अलर्ट: असम, बिहार, उत्तराखंड, व अन्य राज्यों में बाढ़ की स्थिति गंभीर

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। असम के हैलाकांडी जिले में धलेश्वरी नदी(घारमुरा) सुबह 6:00 बजे 29.74 मीटर पर थी, जो खतरे के निशान (28.05 मीटर) से 1.69 मीटर ऊपर है। इसी जिले में कटखल नदी (मतिजुरी) 20.73 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान (20.27 मीटर) से 0.46 मीटर ऊपर है। तिनसुकिया जिले में बुरिदेहिंग नदी (मार्गेरिटा) 134.55 मीटर पर है, जो खतरे के निशान (134.42 मीटर) से थोड़ा ऊपर है। इन नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने देश के कई राज्यों में नदियों के जलस्तर में खतरनाक वृद्धि के कारण बुलेटिन किया। 6 अगस्त को सुबह 6:39 बजे जारी बुलेटिन के अनुसार, असम, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, और पश्चिम बंगाल में कई नदियां खतरे के

निशान से ऊपर बह रही हैं, जिससे बाढ़ का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। बिहार के कई जिलों में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

बक्सर में गंगा 60.85 मीटर, पटना के दानापुर में 51.92 मीटर, दीघाघाट में 51.1 मीटर, गांधीघाट में 49.87 मीटर, और हथिदह में 42.74 मीटर पर है, जो सभी खतरे के निशान से ऊपर हैं। भोजपुर, भागलपुर और खगड़िया में भी गंगा का जलस्तर गंभीर स्थिति में है। इसके अलावा, बाया, बूढ़ी गंडक, कोसी, बागमती, पुनपुन, और धरधा जैसी सहायक नदियां भी खतरे के निशान को पार कर चुकी हैं। खगड़िया में कोसी नदी (बलतारा) 34.81 मीटर और कटिहार में 30.73 मीटर पर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां गंभीर स्थिति में हैं। अलकनंदा (रुद्रप्रयाग) 627.6 मीटर और मंदाकिनी (गौरीकुंड) 1976.8 मीटर पर है। हरिद्वार में बाणगंगा और टिहरी गढ़वाल में भागीरथी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर हैं। झारखंड के साहेबगंज में गंगा 27.74 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 0.49 मीटर ऊपर है।

आदेश अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अपना जवाब रिकॉर्ड पर रखें।

बिहार मतदाता सूची से गायब 65 लाख लोगों के विवरण शनिवार तक दें चुनाव आयोग: सुप्रीम कोर्ट

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह विशेष पुनरीक्षण के दौरान बिहार मतदाता सूची से हटाये गए 65 लाख लोगों (मृत और स्थायी पलायन करने वाले) का विवरण शनिवार तक दे। न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुयान और न्यायमूर्ति एन के सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण की गुहार पर यह निर्देश दिया।

पीठ ने निर्वाचन आयोग के वकील से कहा, 'शनिवार तक जवाब दाखिल करें और श्री भूषण को इसे देखने दें। फिर हम देख पाएंगे कि क्या खुलासा हुआ है और क्या नहीं।'

पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा अपनाई गई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार हर राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी जाएगी। इस पर चुनाव आयोग के अधिवक्ता ने कहा कि वह प्रस्तुत करेगा कि यह जानकारी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ जानकारी साझा की गई है।

अदालत ने चुनाव आयोग से कहा कि वह अपना जवाब रिकॉर्ड पर रखें।

पीठ ने निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता से कहा, 'उन राजनीतिक दलों की सूची दीजिए जिन्हें यह जानकारी दी गई है। हम 12 अगस्त को मामले की सुनवाई करेंगे। तब तक अपना (निर्वाचन आयोग का) जवाब दाखिल करें।'

शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता की चिंताओं पर कहा, 'हम यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभावित होने वाले प्रत्येक मतदाता को आवश्यक जानकारी मिले।' एडीआर ने अपने आवेदन में कहा कि 25 जुलाई को निर्वाचन आयोग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की जिसमें कहा गया था कि लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। श्री भूषण ने पीठ के समक्ष गुहार लगाते हुए कहा, 'ड्राफ्ट मतदाता सूची में 65 लाख नामों के छूटने की बात कही गई है, लेकिन इन नामों की कोई सूची नहीं दी गई। इसमें 32 लाख लोगों के पलायन की बात कही गई, लेकिन कोई अन्य विवरण नहीं दिया गया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें (चुनाव आयोग) यह बताना चाहिए कि 65 लाख लोग कौन हैं? कौन पलायन कर गए हैं। कौन मर गए हैं? जाहिर है, बीएलओ ने उस व्यक्ति को हटाने या न हटाने की सिफारिश की है।'

श्री भूषण ने दलील दी थी कि चुनाव आयोग ने दो निर्वाचन क्षेत्रों सूची प्रकाशित की है। अन्य क्षेत्रों का क्या हुआ?

संक्षिप्त समाचार

पंतनगर में किसान मेला 10 से 13 अक्तूबर तक

पंतनगर, एजेंसी। विवि में किसान मेला सलाहकार समिति की बैठक कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में सोमवार को हुई। इसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 118वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 10 से 13 अक्तूबर तक विवि परिसर में किया जाएगा। मेले की थीम 'स्मार्ट कृषि एवं डिजिटल क्रांति द्वारा समृद्ध किसान' होगी। बैठक में किसान मेले से संबंधित कई बिंदुओं जैसे किसान मेले में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए समितियों का निर्धारण, मेले में किसान गोष्ठी के दौरान दिए जाने वाले वैज्ञानिकों के व्याख्यान,विभिन्न शोध केंद्रों पर किसानों का भ्रमण पर बात हुई। इसके साथ ही प्रगतिशील कृषकों का सम्मान, स्टाल धारकों को पुरस्कार वितरण, मेले के सफल आयोजन के लिए प्रस्तावित बजट आदि पर भी चर्चा की गई। कुलपति ने मेले में प्रगतिशील कृषकों को आमंत्रित करने की बात कही ताकि उनके अनुभवों का लाभ मेले में आने वाले कृषकों को प्राप्त हो सके। बैठक में किसान मेला के सलाहकार समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में विवि के अधिष्ठाता, निदेशक, संयुक्त निदेशक,निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. जितेंद्र क्वात्रा व अन्य अधिकारियों सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। जिन्होंने विभिन्न विषयों पर अपने सुझाव दिए।

मृदुल बने दुर्गा पूजा महोत्सव कमेटी अध्यक्ष

दिनेशपुर, एजेंसी। कालीनगर में सोमवार को शारदीय दुर्गा पूजा महोत्सव के लिए कमेटी का गठन हुआ। सर्वसम्मति से मृदुल सरकार को इसका अध्यक्ष चुना गया। ग्रामसभा विजयनगर क्षेत्र के लोगों के बीच हुई बैठक में कमेटी के पदाधिकारियों ने आयव्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया। कमेटी में अशोक विश्वास को उपाध्यक्ष, सत्यम साह को सचिव, रंजन सरकार को कोषाध्यक्ष और दिलीप हालदार को ऑडिटर चुना गया। महेंद्र सरकार, प्रकाश दफादार, नारायण सरकार और गोवर्धन सरकार को मेला बाजार को संचालित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।

चुनावी रंजिश में दो पक्षों में मारपीट

दिनेशपुर, एजेंसी। चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। मामले में दोनों पक्ष ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सुंदरपुर गांव में सोमवार की देर सांय को पंचायत चुनाव की रंजिश को लेकर सुरेश बाछाड़ और निमाई ढाली पक्ष के लोग आपस में भिड़ गए। इस दौरान लाठी डंडे चले।ग्रामीणों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया।घटना के बाद सुरेश बाछाड़ ने ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी। जिसमें उसने चुनावी रंजिश को लेकर निमाई ढाली पक्ष के लोगों पर जान से मारने की नियत से पीटकर गंभीर घायल कर करने का आरोप लगाया। देर रात को निमाई पक्ष ने भी थाने में तहरीर देकर सुरेश बाछाड़ और अन्य लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया। पुलिस ने मामला दर्ज नही किया।पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाटर कूलर के बगल में लगाया हैडपंप, नहीं आ रहा पानी

महुआखेड़ा गंज, एजेंसी। नगर पालिका परिषद महुआखेड़ा गंज ने दस मीटर की दूरी पर ही एक वाटर कूलर और हैंडपंप लगे होने के बावजूद एक और हैंडपंप लगवा दिया। जबकि पूर्व में लगा वाटर कूलर सही से काम कर रहा है। लोगों का कहना है कि इससे क्षेत्र में पैसों की बर्बाद हो रही है। महुआखेड़ा गंज के मोहल्ला गंज वार्ड नंबर तीन में करीब 22 दिन पहले पीने के पानी के लिए एक हैंडपंप लगाया है। यहां पर पहले से ही राज्य वित्त योजना के तहत वर्ष 2023-24 में एक वाटर कूलर लगाया था। जो चालू है। नजदीक में ही एक हैंडपंप भी लगा है। इसके बावजूद यहीं पर एक और नल लगा दिया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि नल से पानी भी नहीं आ रहा है। नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार ने बताया कि वार्ड तीन में सभासद के कहने पर नल लगवाया था। वहां पर वाटर कूलर पहले से लगा है, इसकी उन्हें जानकारी नहीं थी।

बाइक सवार के ऊपर गिरा मलबा और बोल्डर, मुश्किल से बची जान

हरिद्वार, एजेंसी। राखे साइयां, मार सके ना कोए कहते हैं भगवान जब तक ना चाहे कोई आपका कोई भी बाल बांका नहीं कर सकता है. कुछ ऐसा ही धर्मनगरी हरिद्वार में देखने को सामने आया है. जहां एक बाइक सवार के ऊपर पहाड़ी दरक कर गिरती है, लेकिन बाइक सवार बच जाता है.

हरिद्वार में मनसा देवी के पहाड़ से मलबा गिरने से बाइक सवार की जान बाल-बाल बची है. जिसका सीसीटीवी वीडियो जमकर वायरल भी हो रहा है. हरिद्वार में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश जनजीवन प्रभावित हो गया है. काली मंदिर के पास पहाड़ी दरकने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया. पहाड़ी से टूटकर गिरे पत्थरों को रेलवे ट्रैक के किनारे लगी लोहे की जालियों ने रोक लिया, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया. हालांकि, मलबा गिरने से रेल रूट प्रभावित हो गया है और कई ट्रेनें घंटों देरी

से चल रही हैं. मंगलवार शाम को हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे और एहतियातन काली मंदिर व आसपास की सभी दुकानों को बंद करा दिया गया है. जेसीबी मशीनों की मदद से मलबा हटाने का कार्य जारी है. एसएसपी जीआरपी तृप्ति भट्ट ने बताया कि यदि जालियां नहीं लगी होती तो पत्थर सीधे ट्रैक पर गिरकर बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते थे. प्रभावित ट्रैक पर फिलहाल ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है. राहत बचाव का कार्य जारी है.

एसएसपी जीआरपी तृप्ति भट्ट मलबा आने से काली मंदिर पर रेल ट्रैक पर जो जाल बनाया गया था, वह भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है और रेलवे ट्रैक भी पूरी तरह से बाधित हो गया है. रेलवे ट्रैक हरिद्वार से मोतीचूर के बीच पूरी तरह से बाधित हुआ है, जिसके चलते देहरादून से आने वाली और देहरादून की ओर जाने वाली करीब 10 ट्रेन का आवागमन प्रभावित हुआ है. वहीं हादसे का सीसीटीवी वीडियो भी जमकर वायरल हो रहा है. जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह से बाइक सवार की जान बच गई. बारिश का दौर थमने के आसार फिलहाल नहीं दिख रहे हैं. मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए भारी से बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है. भारी बारिश को देखते हुए हरिद्वार जिलाधिकारी ने आज सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है और सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा हुआ है.

सीमेंट लदा ट्रक खराब, एक घंटे राजमार्ग रहा बाधित

लालकुआं (नैनीताल), एजेंसी। लालकुआं में ओवरब्रिज के निकट सीमेंट से लदे ट्रक में तकनीकी खराबी आ जाने से अतिव्यस्त माने जाने वाले राजमार्ग पर सैकड़ों वाहनों के पहिए थम गए। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई जिसे खुलवाने में पुलिस के हाथ पांव फूल गए और पर्यटकों समेत आम लोगों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सोमवार की शाम सीमेंट से लदा ट्रक अवंतिका कुंज देवी मंदिर के पास फ्लाइओवर पर चढ़ते वक्त खराब हो गया। इसके चलते फ्लाइओवर के बीचों बीच से निकलने की होड़ में दोनों ओर हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन मंगवाकर ट्रक हटवाया और बमुश्किल जाम खुलवाया। लालकुआं कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक दिनेश फर्त्याल ने बताया कि ओवरब्रिज पर ट्रक खराब होने की सूचना के बाद मौके पर पुलिस को भेजा गया और क्रेन की मदद से खराब ट्रक को हटवाकर जाम खुलवाया गया।

स्कूलों के विलय प्रस्ताव का विरोध

रुद्रपुर, एजेंसी।
त्रिस्तरीय शिक्षक व्यवस्था के तहत जूनियर हाईस्कूल संवर्ग के विलय संबंधी प्रस्ताव का राजकीय जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ ने विरोध किया है। राजकीय जूनियर हाईस्कूल (पूमा) शिक्षक संघ की बैठक सोमवार को एएनझा इंटर कॉलेज में हुई।

शिक्षकों ने शिक्षा निदेशालय की तरफ से प्रदेश में त्रिस्तरीय शिक्षक व्यवस्था लागू किए जाने का विरोध किया गया। इसके बाद शिक्षक कलक्ट्रेट पहुंचे। यहां शिक्षा मंत्री को संबोधित पत्रक डीएम कार्यालय में रिसीव कराया। जिलाध्यक्ष कुंवर सिंह पाल ने कहा कि जूनियर हाईस्कूल सहायक अध्यापक व प्रधानाध्यापक को क्रमशः प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय व वरिष्ठ प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय में समायोजित कर पीआरटी संवर्ग के तहत रखा जाना हास्यास्पद है। वहां पर जिलामंत्री गिरीवर सिंह सैनी, प्रमोद कुमार चौहान, धर्मवीर सिंह चौहान, नीरज कुमार, संदीप कुमार, मनोज कुमार, राजेंद्र सिंह बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली के गायकों के भजनों पर जमकर झूमे शिवभक्त

सितारगंज, एजेंसी। खटीमा रोड स्थित प्रसिद्ध मोनी बाबा मंदिर में रविवार रात विशाल जागरण का आयोजन किया गया। दिल्ली से आए भजन गायक पी मेहरा, महाकाल अघोरी फ्रेंड, चांदनी गुप्ता और सचिन श्रीवास्तव की प्रस्तुति पर शिवभक्त जमकर झूमे। प्रेम मेहरा की भगवान शिव के गीतों पर प्रस्तुति भी आकर्षण का केंद्र रही। पंडाल में देर तक यह अघोरियों का टोला मेरा नाचे शंकर भोला, शंकर त्रिपुरारी नमो नमः आदि गूंजते रहे। काशीपुर ने कार्यक्रम में भव्य झांकियां पेश की। हर साल सितारगंज से हजारों कांवड़िये हरिद्वार और गंगोत्री से गंगाजल लेकर मोनी बाबा मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। इस उपलक्ष्य में जागरण का आयोजन किया जाता है। वहां पर नागा बाबा रणधीर गिरी, नागा बाबा राधे गिरी, पंडित दिनेश भट्ट, महंत आनंद बोरा, नपं शक्तिगढ़ अध्यक्ष सुमित मंडल, सभासद रवि रस्तोगी, प्रिंस गुप्ता, सतीश उपाध्याय आदि थे।

बेड़ीनाग में सड़क पर घूम रहा तेंदुआ, लोग भयभीत

बेड़ीनाग (पिथौरागढ़), एजेंसी। बेड़ीनाग नगर क्षेत्र में तेंदुए की चहलकदमी से लोग भयभीत हैं। दिन ढलते ही लोग घरों में दुबकने के लिए मजबूर हैं। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने गश्त शुरू कर दी है। व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश रावत ने बताया कि नगर में तेंदुआ लगातार नजर आ रहा है। सीसीटीवी फुटेज में तेंदुआ कैद होने से लोगों में दहशत है। उन्होंने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाने की मांग की है। इधर, शिकायत मिलने पर वन विभाग ने तेंदुए से बचाव के लिए त्रिपुरादेवी, क्वेराली, भट्टीगांव, ढनौली, छलोड़ी, कल्लूखान और ट्रेजरी लाइन में जागरूकता अभियान चलाया। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए माइक से लोगों को जागरूक और सतर्क किया जा रहा है। रेंजर चंदा मेहरा ने बताया कि वन विभाग के कर्मचारी क्षेत्र में पेट्रोलिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि कई स्थानों पर जंगली पशुओं को भगाने वाली मशीन लगाई गई है।

पंतनगर वालों को बंदरों के उत्पात से मिलेगी राहत

पंतनगर, एजेंसी। कंपंसेटरी एफारेस्टेशन फंड मैनेजमेंट एंड प्लानिक अथॉरिटी (कैम्पा) परियोजना के तहत विवि परिसर जल्द ही जीरो मंकी जोन हो जाएगा और लोगों को बंदरों के आतंक से छुटकारा मिल जाएगा। कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान के निर्देश पर वेटरिनरी कॉलेज में पशु औषधि विभाग के प्राध्यापक और समन्वयक डॉ. जेएल सिंह ने निदेशक प्रशासन बीएस चलाल के सहयोग से यह बीड़ा उठाया है।

अध्यक्ष पद के लिए दो प्रत्याशियों ने दाखिल कराया नामांकन पत्र

रुद्रपुर, एजेंसी। जिला बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। अध्यक्ष सहित 10 पदों के लिए 19 प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। छह अगस्त को नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख तय की गई है। नामांकन पत्र खरीदे हैं। बार भवन में सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन अध्यक्ष पद के लिए चरनजीत सिंह व धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। उपाध्यक्ष पद के लिए जयंत दास और इंद्रजीत सिंह बिट्टा, उपाध्यक्ष कलेक्ट्रेट के लिए लोकेंद्र सिंह, सचिव के लिए रघुबीर सिंह, जसवंत सिंह, सर्वजीत कुमार और उपसचिव पद पर रवि रविंद्र सिंह, दिनेश गुप्ता ने नामांकन पत्र दाखिल किए। लेखा परीक्षक पद के लिए गिरिराज कुमार, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए शाहिद हुसैन व कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए जुगल किशोर, लालु प्रसाद, अभिषेक गुप्ता, अंकित सिडाना और मुनिश गिरी ने नामांकन पत्र जमा किए।

टनकपुर में शारदा का जलस्तर 1.64 लाख पर पहुंचा, अलर्ट जारी

टनकपुर (चंपावत), एजेंसी।
पहाड़ों पर हो रही लगातार बारिश से शारदा नदी उफान पर आ गई है। सुबह नौ बजे बजे जलस्तर 1.64 लाख क्यूसेक पहुंचते ही शारदा घाट के भीतर के गेट तक पानी भर गया। मौके पर पहुंचे एसडीएम आकाश जोशी ने जल पुलिस, एसडीआरएफ, राजस्व और पालिका अधिकारियों को अलर्ट किया। सावन का सोमवार होने की वजह से सुबह जल लेने के लिए बड़ी संख्या में कांवड़िये पहुंचे थे जिन्हें रोका गया। घाट के रास्ते में पानी उतरते ही कीचड़ से लोग परेशान रहे।

बीते रविवार को ही जलस्तर एक लाख क्यूसेक के पार जाते ही शारदा घाट पर अलर्ट जारी कर दिया गया। सोमवार सुबह करीब सात बजे अचानक पानी बढ़ने लगा और घाट में अंदर तक पहुंच गया। इससे घाट में बनी अस्थायी दुकानें और आसपास के घरों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया। शारदा बैराज कंट्रोल रूम के अनुसार सुबह नौ बजे जलस्तर 1.64 लाख क्यूसेक, दोपहर 12 बजे 1.56 लाख क्यूसेक, दोपहर दो बजे घटकर 1.38 लाख दर्ज हुआ।

पालिका ईओ भूपेंद्र प्रकाश जोशी स्वयं नगर पालिका की टीम के साथ सुबह के समय घाट तक तैनात रहे। एसडीआरएफ के एसआई नरेश राणा के नेतृत्व में टीम, जल पुलिस के राकेश गिरि, रविंद्र पहलवान लोगों को सतर्क करते रहे।

बनबसा में शारदा नदी का जलस्तर एक लाख क्यूसेक से अधिक होने पर बैराज पर रेड अलर्ट जारी कर वाहनों का संचालन रोक दिया गया। सुबह 10 बजे नदी का जलस्तर 1,68,344 क्यूसेक पहुंच गया। बैराज पर से वाहनों का संचालन नहीं हो पाने से भारत-नेपाल के बीच आवागमन करने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

डाक विभाग का सर्वर डाउन, अल्मोड़ा के 52 डाकघरों में काम ठप

अल्मोड़ा, एजेंसी। डाक विभाग के सर्वर में सोमवार को आई तकनीकी खामी के चलते प्रधान डाकघर सहित जिले के 52 डाकघरों में कामकाज पूरी तरह ठप रहा। ऐसे में यहां जमा और निकासी आदि काम के लिए पहुंचे लोगों को मायूस लौटना पड़ा। प्रधान डाकघर में सुबह से काउंटरों के बाहर सर्वर डाउन का बोर्ड लगा रहा।

अल्मोड़ा में डाक विभाग का सर्वर डाउन होने से जिले के सभी डाकघरों में कामकाज पूरी तरह बंद रहा। प्रधान डाकघर में डाक कर्मचारी कार्यालय तो पहुंचे लेकिन सर्वर का साथ नहीं मिलने से उन्हें काउंटरों में बगैर काम के समय बिताना पड़ा।

हवालबाग, बाड़ेछीना, चितई समेत आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोग लेनदेन, आरडी, सुकन्या समृद्धि, स्पीड पोस्ट, बीमा सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए पहुंचे। घंटों लाइन में लगने के बाद भी राहत नहीं मिली और उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। कर्मचारी भी काउंटरों में सर्वर डाउन का बोर्ड लगाकर सर्वर ठीक होने का इंतजार करते रहे।

राखी पर्व के पांच दिन शेष रह गए हैं। ऐसे में प्रधान डाकघर में भाइयों के लिए राखी भेजने वाली बहनों की भीड़ जुटी रही। प्रधान डाकघर में स्पीड पोस्ट काउंटर के बाहर महिलाओं की कतारें लगी रहीं। काउंटर के बाहर सर्वर डाउन बोर्ड लगा होने के बाद भी महिलाएं लाइनों में खड़ी होकर सर्वर ठीक होने का इंतजार करती रही लेकिन उनके हाथ मायूसी लगी।

लेवड़ा पर दो पुल और तटबंध निर्माण के लिए 23 करोड़ का जीओ जारी

बाजपुर, एजेंसी।
डीएम नितिन सिंह भदौरिया और एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने अधिकारियों के साथ लेवड़ा की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण किया। डीएम ने बताया कि बेरिया दौलत रोड और चकरपुर में लेवड़ा नदी पर दो पुल और तटबंध निर्माण के लिए सीएम पुष्कर सिंह धामी की ओर से 23 करोड़ धनराशि का शासनादेश जारी हो गया है।

रविवार को लेवड़ा नदी में आई बाढ़ से इंदिरा कॉलोनी, चकरपुर, गुमसानी, झारखंडी क्षेत्र प्रभावित रहा। गांव खमरिया निवासी 11 वर्षीय यश सैनी की बाढ़ में डूबकर मौत हो गई थी। सोमवार को डीएम और एसएसपी अधिकारियों के साथ बेरिया दौलत रोड लेवड़ा नदी पर पहुंचे। इस दौरान डीएम भदौरिया बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले। बताया कि लेवड़ा नदी में इंदिरा कॉलोनी पुल के दोनों तरफ अस्थाई तटबंध बनाया जाएगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी की ओर से लेवड़ा नदी पर बेरिया दौलत रोड और चकरपुर पुल को ऊंचा करने और तटबंध निर्माण करने का शासनादेश जारी कर दिया है। बरसात के बाद पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को लेवड़ा नदी किनारे से अतिक्रमण चिन्हित करने के निर्देश भी दिए। डीएम ने बाढ़ में डूबकर हुई एक किशोर की मौत पर मृतक के घर पहुंचकर परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त कर सांत्वना दी। बीडीओ शेखर चंद जोशी को पीड़ित के घर की मरम्मत कराने और शौचालय बनवाने के निर्देश दिए। साथ ही नया आवास प्रस्तावित करने के भी निर्देश दिए। वहां एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा, सिंचाई ईई एके जौन, तहसीलदार अक्षय भट्ट, सीओ विभव सैनी, ईओ मनोज दास, भाजपा नैनीताल प्रभारी राजेश कुमार, गौरव सहित लोनिवि, राजस्व, सिंचाई सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूकेपीसीएस एग्जाम में महिलाओं को 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण का मामला, हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

नैनीताल, एजेंसी।
उत्तराखंड हाईकोर्ट ने यूकेपीसीएस की परीक्षा में राज्य की महिलाओं को 30 फीसदी क्षैतिज आरक्षण दिए जाने के नियम को चुनौती देती याचिका पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 18 अगस्त की तिथि नियत की है.

याचिकाकर्ता सत्य देव त्यागी ने उत्तराखंड लोक सेवा (महिलाओं के लिए क्षैतिज आरक्षण) अधिनियम, 2022 की धारा 3(1) को चुनौती दी है. उन्होंने दलील दी है कि सार्वजनिक सेवाओं और पदों में उत्तराखंड में रहने वाली महिलाओं के लिए 30त्न आरक्षण भारत के संविधान के अनुच्छेद 16 के दायरे से बाहर है.

उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने 14 मार्च 2024 पीसीएस के विभिन्न पदों जिनमें डिप्टी कलेक्टर, पुलिस उपाधीक्षक, जिला कमांडेंट होम गार्ड आदि के 189 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया है. उक्त विज्ञापन के खंड 10 (डी) में उत्तराखंड की मूल निवासी महिला उम्मीदवारों के लिए 30त्न क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया है.

इस आरक्षण को चुनौती देते हुए न्यायालय से प्रार्थना की है कि उपरोक्त भर्ती प्रक्रिया में, उत्तराखंड की महिलाओं के लिए मूल निवास आधारित क्षैतिज आरक्षण नहीं किया जाना चाहिए.

याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि उपरोक्त अधिनियम उत्तराखंड राज्य विधानमंडल द्वारा विधायी अधिकार के बिना ही अधिनियमित किया गया है, जो भारत के संविधान के भाग 3 का उल्लंघन है. इसलिए यह असंवैधानिक है. याचिका में यह भी कहा गया कि यह पोस्ट लोक सेवा आयोग की तरफ आयोजित कराई जाती है, न कि राज्य के किसी अन्य एजेंसी के द्वारा, इसलिए इसमें वे प्रतिभाग कर सकते हैं. परीक्षा के दौरान उन्हें कई चरणों से गुजरना पड़ता है. वैसे भी यह परीक्षा सेकेंड लेबल के अधिकारी पोस्ट होती है.

एसैप ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रतिकात्मक अर्थी यात्रा निकाली और पुतला फूंक कर विरोध जताया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी का छात्र विंग एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने एसएससी की परीक्षाओं में भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन कर अपना विरोध जताया। दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस में हुए प्रदर्शन के दौरान एसैप से जुड़े बड़ी तादात में छात्रों ने देश के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रतीकात्मक अर्थी यात्रा निकाली और पुतला दहन कर अपना आक्रोश प्रकट किया। प्रदर्शन के दौरान एसैप के संगठन मंत्री ओम सिंह ने कहा कि देश का छात्र आज सबसे असुरक्षित महसूस कर रहा है। ये लापरवाही नहीं, एक संगठित साजिश है। दुखद है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस पूरे मामले में पूरी तरह से मौन हैं। क्या यह मौन किसी संरक्षण का संकेत है? उन्होंने कहा कि एसैप मांग करता है कि एसएससी घोटाले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच हो, जिम्मेदार अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए और छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे इस अन्याय पर तुरंत रोक लगाई जाए। अब देश का युवा चुप नहीं बैठेगा। हर मोर्चे पर संघर्ष जारी रहेगा। उधर, एसैप के ईशना गुप्ता ने कहा कि एसएससी की भर्ती प्रक्रियाएं सालों से भ्रष्टाचार और अनियमितताओं से भरी हैं। जब छात्र सड़क पर उतरते हैं, तो उनके हक की आवाज को दमन से दबाया जाता है। ये लड़ाई सिर्फ नौकरी की नहीं, बल्कि सिस्टम को बदलने की है। हम हर उस छात्र के साथ हैं जो न्याय की मांग कर रहा है। एसैप ने साफ किया है कि यह सिर्फ शुरूआत है। यदि सरकार अब भी आंखें मूंदे बैठी रही, तो यह आंदोलन देशभर में उग्र रूप लेगा और हर छात्र आवाज उठाएगा। इस विरोध-प्रदर्शन में एसैप के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए, जिनमें प्रमुख रुप से ईशना गुप्ता, धर्मेंद्र रावत, राहुल राय, प्रदेश अध्यक्ष कुलदीप बिधूड़ी, संगठन मंत्री ओम सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष फहाद शेरवानी, सह सचिव प्रवीण चौधरी, अनुषा सिंह, अभिषेक कुमार, कमल तिवारी, सागर गौतम मौजूद रहे।

दिल्ली पुलिस का उपनिरीक्षक 40 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (सीबीआई) ने दिल्ली पुलिस के जिस सब इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था, उस पुलिसकर्मी को दिल्ली पुलिस ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से जानकारी शेयर कर पुलिसकर्मी को निलंबित किए जाने की जानकारी शेयर की है। अपनी पोस्ट में दिल्ली पुलिस ने कहा कि 5 अगस्त, 2025 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने रोहिणी जिले के एक सब-इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई के बाद अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। आगे जरूरी प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। मदद के एवज में की थी रिश्वत की डिमांड बता दें कि सीबीआई ने रोहिणी थाने के सब-इंस्पेक्टर को 40 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार किया था। इस घटना के बाद दिल्ली पुलिस की साख को एक बार फिर झटका लगा। बताया जा रहा है कि एसआई ने एक मामले में आरोपी शख्स से मदद के एवज में रिश्वत की डिमांड की थी। उस शख्स ने इसकी शिकायत सीबीआई से कर दी और जांच एजेंसी ने सब इंस्पेक्टर को रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया।

संक्षिप्त खबरें

सुषमा स्वराज की छठी पुण्य तिथि पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के साथ सांसदों, कार्यकर्ताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की छठी पुण्य तिथि पर बुधवार को पुत्री बांसुरी स्वराज, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ-साथ भाजपा सांसदों, कार्यकर्ताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने जंगपुरा स्थित सिल्वर ओक पार्क जिसे सुषमा स्वराज की पुत्री सांसद बांसुरी स्वराज द्वारा उनकी स्मृति में विकसित करने के आडोपट किया है में अन्य नेताओं के साथ वृक्षारोपण किया। वीरेंद्र सचदेवा ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि अपने स्वभाव से, अपनी वाणी से, अपने व्यवहार से और अपने राजनैतिक कौशल का लोहा मनवाने वाली दीदी सुषमा स्वराज जी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन करता हूं। इस कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में प्रमुख थे विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, मध्य प्रदेश के सह प्रभारी एवं विधायक सतीश उपाध्याय, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह एवं आशीष सूद, सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, योगेन्द्र चांदोलिया, कमलजीत सहरावत, स्थानीय विधायक नीरज बसोया, विधायक शिखा रॉय एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज का निधन 6 अगस्त 2019 को 67 वर्ष की आयु में हृदयाघात से निधन हो गया था।

वीर कुंवर सिंह संग्रहालय की मरम्मत के लिए मुख्यमंत्री को पत्र

नई दिल्ली,। वीर कुंवर सिंह फाउंडेशन के अध्यक्ष निर्मल सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर वीर कुंवर सिंह संग्रहालय की मरम्मत और रखरखाव की मांग की है। निर्मल सिंह ने पत्र में लिखा कि 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक वीर कुंवर सिंह का स्मारक जगदीशपुर स्थित संग्रहालय बदहाल स्थिति में है। संग्रहालय की छत टूट रही है, और वीर कुंवर सिंह की मूर्ति क्षतिग्रस्त हो रही है। कई बार मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने आग्रह किया कि राज्य सरकार जगदीशपुर को पर्यटन स्थल का दर्जा दे, किले और उसके परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे और क्षतिग्रस्त मूर्ति की जगह नई मूर्ति स्थापित करे। निर्मल सिंह ने कहा कि वीर कुंवर सिंह की वीरता पर पूरे देश को गर्व है, लेकिन उनकी ऐतिहासिक धरोहर असुरक्षित होना शर्मनाक है। उन्होंने मांग की कि जगदीशपुर किले की दुर्दशा दूर कर वीर कुंवर सिंह के नाम पर एक सैनिक स्कूल भी स्थापित किया जाए।

जय घोष: बगावत से सियासत की ओर, भारत मंडपम में युवा महासम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली,। राजधानी नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में ह्यजय घोषः बगावत से सियासत की ओरह्न शीर्षक से युवा महासम्मेलन का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग, दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, भाजपा वरिष्ठ नेता प्रमोद झा, तथा युवा महासम्मेलन के संस्थापक अभय शुक्ला व अभिषेक झा समेत देशभर से आए युवा प्रतिनिधि शामिल हुए। युवा महासम्मेलन का उद्देश्य आयोजन का मकसद युवाओं को राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विमर्श में शामिल करते हुए एक राष्ट्रीय संवाद मंच उपलब्ध कराना था। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण, नीति-निर्माण और नेतृत्व की चचाओं में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना और उन्हें सशक्त आवाज देना रहा। सम्मेलन के दौरान मुख्य वक्ताओं ने अपने विचारों से युवाओं को प्रेरित किया, उन्हें राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और जय घोष की भावना को सामाजिक परिवर्तन का संदेश बताया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए युवा मौजूद रहे,

दक्षिणपुरी में ऑटो की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत

नई दिल्ली,। दक्षिण पूर्व दिल्ली के दक्षिणपुरी में एक ऑटो की टक्कर से 62 वर्षीय महिला की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वाहन का चालक मौके से फरार हो गया और अब तक उसका पता नहीं चल पाया है। उसने बताया कि आंबेडकर नगर थाने में सोमवार सुबह सात बजकर 23 मिनट पर पुलिस नियंत्रण कक्ष से दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची तो उन्हें वहां एक लावारिस ऑटो-रिक्शा मिला और पता चला कि घायल महिला को उसके दामाद ने पहले ही पास के एक अस्पताल में भर्ती करा दिया है। पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान दक्षिणपुरी निवासी इस्तेयाक की पत्नी आलिया बेगम के रूप में हुई है। महिला को भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया, वह बयान देने की हालत में नहीं थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर आंबेडकर नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से ऑटो जब्त कर लिया गया है।

दिल्ली: सांसद की चेन छीनने का आरोपी गिरफ्तार, आभूषण बरामद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को चाणक्यपुरी स्थित तमिलनाडु भवन के पास प्रदेश की सांसद आर. सुधा की 30 ग्राम वजनी सोने की चेन छीनने के आरोप में 24 वर्षीय एक आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया है। सुधा तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद हैं। वह सोमवार को तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर निकली थीं, तभी एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने उनकी सोने की चेन छीन ली थी और इस दौरान उनके कपड़े भी फट गए थे। इस घटना में सांसद को मामूली चोट आई थी। पुलिस की कई टीम सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थीं। आरोपी की पहचान सोहन रावत के रूप में हुई है और उसे बुधवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, रावत पहले 26 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें से अधिकतर चोरी और झपटमारी से जुड़े हैं। अधिकारी ने बताया, शुरूआती जांच में विभिन्न मार्गों से सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए गए और उनका गहन विश्लेषण किया गया। महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर नई दिल्ली, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण जिलों की टीम, एएटीएस और आरके पुरम थाने द्वारा चलाए गए एक अभियान के दौरान आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी ने बताया कि इस साल अप्रैल में अंबेडकर नगर में दर्ज एक वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार होने के बाद रावत 27 जून को जमानत पर रिहा हुआ था। पुलिस ने बताया कि उसके द्वारा चोरी की गई सोने की चेन बरामद कर ली है और अपराध में इस्तेमाल किया गया वाहन भी जब्त कर लिया है।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ने मीडियाकर्मियों को फांसी घर का दौरा कराया

नई दिल्ली,। फांसी घर बनाम टिफिन रूम विवाद के बीच, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बुधवार को विधानसभा परिसर में मीडियाकर्मियों को फांसी घर का दौरा कराया। गुप्ता ने कहा कि फांसी घर वास्तव में एक टिफिन रूम था और यह गलत धारणा है कि इसका इस्तेमाल ब्रिटिश शासन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों को फांसी देने के लिए किया जाता था। विधानसभा अध्यक्ष ने संवाददाताओं को बताया कि ऐतिहासिक दिल्ली विधानसभा भवन का निर्माण 1911 में किंग जॉर्ज पंचम के राज्याभिषेक के बाद आठ महीने में कराया गया था। उन्होंने बताया कि वास्तव में पुली-संचालित लिफ्ट वाले दो टिफिन रूम उस इमारत का हिस्सा थे, जो ब्रिटिश शासन के दौरान इंपीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के रूप में काम करती थी। गुप्ता ने कहा कि टिफिन रूम समेत हर कमरे का विवरण उपलब्ध कराने वाला इमारत का नक्शा राष्ट्रीय अभिलेखागार में रखा हुआ है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने नौ अगस्त 2022 को तथाकथित फांसी घर का उद्घाटन किया था।

ALPEX SOLAR LIMITED

CIN: L51909DL1993PLC171352
Registered Office: B-79, Shivalik Enclave, Near Malviya Nagar, New Delhi – 110017, India
Email: info@alpex.in | **Website:** www.alpexsolar.com

alpex POWER FOREVER

NOTICE OF EXTRAORDINARY GENERAL MEETING

Notice is hereby given that the Extra Ordinary General Meeting (**"EGM"**) of the members of Alpex Solar Limited (**"the Company"**) will be held on Thursday, August 28, 2025, at 03:00 P.M. (IST) through Video Conferencing (**"VC"**)/ Other Audio-Visual Means (**"OAVM"**) to transact the business as set forth in the notice of the aforesaid meeting.

In compliance with the provisions of sections 108, and other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013 (**"the Act"**) (including any statutory modifications or re-enactment thereof for the time being in force and as amended from time to time), read with Rules 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 (**the "Rules"**), read with General Circular No. 14/2020 dated April 08, 2020, 17/2020 dated April 13, 2020, and various subsequent circulars, read with Circular No. 09/2024 dated September 19, 2024 as issued by Ministry of Corporate affairs (collectively referred to as (**"MCA Circulars"**) from time to time, permitted the companies to conduct General Meeting (**"the Meeting"**) through Video Conferencing (**"VC"**) facility or other Audio Visual means (**"OAVM"**), without the physical presence of the Members at a common venue. In compliance with the provisions of the Companies Act, 2013, SEBI (Listing Obligation and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (**"SEBI LODR Regulations"**) and MCA Circulars, EGM of the Company will be held through VC/OAVM on Thursday, August 28, 2025, at 03:00 P.M. (IST). The deemed venue for the EGM will be the Registered Office of the Company.

In terms of the aforesaid Circulars, Notice convening the EGM of the Company has been dispatched only through electronic mode (**i.e. e-mail**) to the members who have registered their E-mail IDs with the Depository Participant(s)/Company. The Company completed the dispatch of Notice of the EGM on Wednesday, August 06, 2025.

In terms of Section 108 of the Act, read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014, as amended, Regulation 44 of SEBI LODR Regulations and Secretarial Standard on General Meetings (**"SS-2"**) issued by the Institute of Company Secretaries of India, the company is pleased to provide to its Members, the facility to exercise their right to vote by remote e-voting or e-voting during the EGM. The Company has engaged the services of CDSL as the Agency to provide an e-voting platform to the Members of the Company. The details relating to e-voting in terms of the Act and the relevant Rules are as under:

1. All the Business as set out in the notice of EGM may be transacted through remote e-voting or e-voting during the EGM.
2. The remote electronic voting will commence from **Monday, August 25, 2025, at 9:00 A.M. and ends on Wednesday, August 27, 2025, at 5:00 P.M.** No remote e-voting shall be allowed beyond the said date and time.
3. The voting rights of members shall be in proportion to the equity shares held by them in the paid-up equity share capital of the Company as on Thursday 21 August, 2025 (**"cut-off date"**). Any person who acquires shares of the company and becomes a member of the company after the dispatch of the Notice of EGM and holds shares as on the cut-off date, may cast his/her vote through remote e-voting or e-voting during the EGM by obtaining the Login-ID and password by sending a request to helpdesk.evoting@cdslindia.com. However, if such a member is already registered with CDSL for e-voting, then the existing User-ID and Password shall be used for casting a vote.
4. Only those members who will be present at the EGM through VC/OAVM facility but have not already cast their vote by remote e-voting, shall be eligible to vote through the e-voting system in the EGM.
5. The Cut-off date for determining the eligibility to vote by remote e-voting or e-voting during the EGM is Thursday, August 21, 2025 (**"Cut-off date"**).
6. A Member may participate in the EGM even after exercising his/her right to vote through remote e-voting but shall not be allowed to vote again at the EGM.
7. A person whose name is recorded in the Register of Members or in the Register of Beneficial Owners maintained by the depositories as on the cut-off date only shall be entitled to avail the facility of remote e-voting or e-voting during the EGM.
8. The Notice of the EGM is displayed on the website of the Company, i.e. www.alpexsolar.com, and available on the website of CDSL, www.evotingindia.com.
9. The manner in which the members, who are holding shares in dematerialized mode or physical form or who have not registered their email addresses with their Depository/the Company, can cast their vote through remote e-voting or through the e-voting system during the EGM will be provided in the Notice of the EGM.
10. In case of any query/grievance with respect to remote e-voting, Shareholders, may refer to the Frequently Asked Questions (FAQs) for Shareholders and remote e-voting User Manual for shareholders available under the Downloads section of CDSL e-voting website helpdesk.evoting@cdslindia.com or call on toll free no. 1800 21 09911.

Manner of Registration of e-mail addresses:

In case shares are held in physical mode, please update your e-mail ID with helpdesk.evoting@cdslindia.com. In case shares are held in demat mode, please update your e-mail ID with your relevant Depository Participant.

Date: August 06, 2025
Place: Greater Noida

For **Alpex Solar Limited**
Sd/-
Sakshi Tomar
Company Secretary & Compliance Officer
Membership No.: A48936

प्रवीण मिश्रा को मिला द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा 2025 का इकोप्रिन्योर सम्मान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। प्रवीण मिश्रा को तीसरे वार्षिक इकोप्रिन्योर सम्मान 2025 के विजेताओं में शामिल किया गया है। यह द टाइम्स ऑफ इंडिया की एक पहल है जिसका उद्देश्य भारत के सबसे प्रभावशाली पर्यावरण उद्यमियों का सम्मान करना है। इकोप्रिन्योर सम्मान का आयोजन द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा, क्ढरडर के साथ साझेदारी में, भारत की स्थिरता की दिशा में सक्रिय रूप से योगदान देने वाले व्यक्तियों और संगठनों को उजागर करने के लिए किया जाता है। 4 अगस्त, 2025 को दिल्ली में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम पर्यावरण के प्रति जागरूक नवप्रवर्तकों, नीति निमार्ताओं और स्थिरता के पैरोकारों को मुख्य भाषणों, पैनल चचाओं और वातालापों के माध्यम से अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए एक साथ लाता है। प्रवीण मिश्रा को इकोप्रिन्योर सम्मान से सम्मानित किया गया। मिश्रा का कार्य रचनात्मक आउटरीच मंचों और पर्यावरणीय जागरूकता पर केंद्रित शैक्षिक सक्रियता तक फैला हुआ है—जैसे छत पर बागवानी कार्यशालाएँ, दिल्ली निवासियों को पौधे उपलब्ध कराने वाले नर्सरी संचालन, और शहरी हरियाली को बढ़ावा देने वाले जन अभियान। उनके प्रयास व्यक्ति-संचालित पर्यावरण-उद्यमी मॉडल का उदाहरण हैं: स्थानीय समुदायों में पर्यावरणीय चेतना को बढ़ावा देने के लिए प्रवीण मिश्रा निरंतर शक्रिय हैं। प्रवीण मिश्रा, एक प्रतिष्ठित रचनात्मक रणनीतिकार और शिक्षक, को द टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा इकोप्रेन्योर ऑनर्स 2025 से सम्मानित किया गया है। 4 अगस्त, 2025 को दिल्ली में एक उच्च-स्तरीय समारोह के दौरान प्रदान किया गया यह सम्मान उनकी प्रभावशाली पर्यावरणीय पहलों को उजागर करता है—जिसमें छत पर बागवानी कार्यशालाएँ, शहरी समुदायों को पौधे उपलब्ध कराने वाले नर्सरी संचालन, और रचनात्मक पर्यावरणीय अभियान शामिल हैं जो स्थायी जीवन और पर्यावरणीय गतिविधियों में नागरिक भागीदारी को बढ़ावा देते हैं। उनका कार्य जमीनी स्तर पर पारिस्थितिक उद्यमिता की परिवर्तनकारी शक्ति का उदाहरण है। इकोप्रिन्योर ऑनर्स कार्यक्रम उन परिवर्तनकताओं - व्यक्तियों, स्टार्टअप्स और कॉर्पोरेट्स - को उजागर करता है जो नवाचार और सहभागिता के माध्यम से भारत की विकास गाथा में स्थिरता को शामिल कर रहे हैं। विजेताओं का चयन टाइम्स ऑफ इंडिया की संपादकीय टीम और शोध सहयोगी आईपीएसओएस के नेतृत्व में एक कठोर प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। यह कार्यक्रम पर्यावरण नेताओं और अधिवक्ताओं के बीच स्थिरता-केंद्रित संवाद के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है।

नकली दवा बनाने वाले एक बड़े गिरोह का पदार्फाश, 6 गिरफ्तार

नई दिल्ली,। क्राइम ब्रांच की टीम ने कई राज्यों में सक्रिय एक बड़े नकली दवा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में जॉनसन एंड जॉनसन, जीएसके और एल्केम जैसे प्रसिद्ध दवा ब्रांडों की नकली जीवन रक्षक दवाओं के निर्माण, आपूर्ति और वितरण में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नकली अल्ट्रासेट, आगमेंटिन 625, पैन-40 और बेटनोवेट-एन स्किन क्रीम का एक बड़ा जखीरा जब्त किया गया है। इन नकली दवाओं का सेवन करने से जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा हो सकता है। हरियाणा के जींद और हिमाचल प्रदेश के बद्दी में इन नकली दवाओं के निर्माण और पैकेजिंग में शामिल दो फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस को ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, बीती 30 जुलाई को मिली जानकारी के आधार पर सिविल लाइंस के श्यामनाथ मार्ग पर एचपी सीएनजी पेट्रोल पंप पर जाल बिछाया गया। एक वैगनआर कार (पंजीकरण संख्या यूपी21-ईटी-3620) को रोका गया, जिसमें मुरादाबाद, यूपी के मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम नकली दवाएं ले जा रहे थे। जॉनसन एंड जॉनसन और जीएसके के प्रतिनिधियों ने मौके पर पुष्टि की कि पैकेजिंग और स्टैंपिंग कंपनी के मानकों के अनुरूप नहीं थे। लैब परीक्षणों ने दवाओं के नकली होने की पुष्टि की। आगे की जांच से पता चला कि यह सिंडिकेट एक सुसंगठित अंतरराज्यीय नेटवर्क के जरिए काम कर रहा था, जिसमें सोर्सिंग, निर्माण, वितरण और खुदरा बिक्री शामिल थी। सोशल मीडिया से तलाशते थे सप्लायर नकली व्यापार का प्रारंभिक संपर्क अक्सर फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए होता था। मोहम्मद आलम और मोहम्मद जुवैर को अरुण और प्रेम जैसे नकली दवा आपूर्तिकर्ताओं से पोस्ट और मैसेज के जरिए जोड़ा गया। दवाएं अरुण (महाराजगंज), कोमल (करनाल), सुमित (गोरखपुर) जैसे आपूर्तिकर्ताओं से ली जाती थीं। इसमें अल्ट्रासेट, ऑगमेंटिन, जीरो डोल एसपी, पैंटोप डीएसआर, कैनाकॉर्ट इंजेक्शन आदि शामिल थे। पुलिस के अनुसार, सरगना राजेश मिश्रा ने अपनी फार्मास्यूटिकल निर्माण की पूर्व अनुभव का उपयोग कर जिंद में परमानंद द्वारा संचालित ह्यमहा लक्ष्मीह्न नामक गुप्त इकाई के जरिए नकली उत्पादन शुरू किया। भुगतान मोबाइल वॉलेट, बारकोड या रिश्तेदारों (जैसे मीना, उमेश, दीपांकर शुक्ला) के खातों के जरिए किए गए। बरामद मोबाइल फोनों में कोमल जी करनाल, अमित जैन स्किनशाइन दिल्ली, पप्पी भैया जीकेपी जैसे उपनामों के साथ संपर्क सहेजे गए थे, जो जानबूझकर छिपाने का संकेत देते हैं। खुदरा वितरण भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या बिना झोला छाप डॉक्टर के जरिए होता था। रिश्तेदारों के खाते में मंगाते थे रुपया पुलिस ने बताया कि राजेश मिश्रा ने नेहा शर्मा और पंकज शर्मा की मदद से प्रसिद्ध फार्मास्यूटिकल ब्रांडों जैसे खाली पैकेजिंग बॉक्स हासिल किए। ब्लिस्टर पैकिंग के लिए फॉयल सामग्री और डाई बद्दी, हिमाचल प्रदेश से गोविंद मिश्रा के जरिए खरीदे गए। नकली टैबलेट, विशेष रूप से अल्ट्रासेट, का निर्माण हरियाणा के जिंद में परमानंद की इकाई में होता था। निर्मित दवाएं रेल के जरिए गोरखपुर पहुंचाई जाती थीं और प्रेम शंकर जैसे हैंडलरों द्वारा मोहम्मद आलम और मोहम्मद सलीम जैसे ग्राउंड-लेवल डीलरों को वितरित की जाती थीं। रुपयों के लेनदेन के लिए रिश्तेदारों के खातों का उपयोग किया जाता था। सामान्य कूरियर और निजी वाहनों का उपयोग संदेह से बचने के लिए किया जाता था। नकली दवा का कारोबार पूरे देश में गहरी जड़े जमा चुका है।

मोबाइल के दौर में किताबें पढ़ने का अपना ही चाव : सीएम रेखा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मोबाइल के इस दौर में भी किताबें पढ़ने का अपना ही चाव है। किताबों का विकल्प ई-गैजेट्स कभी नहीं हो सकते। पूर्व में दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ की अध्यक्ष भी रह चुकीं रेखा ने कहा कि प्रेमचंद सहित देशभर के नामी लेखक-साहित्यकारों को वह छात्र जीवन से पढ़ती आई हैं। मुख्यमंत्री भारत मंडपम में 29वें दिल्ली पुस्तक मेला का उदघाटन करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। कुछ देर उन्होंने स्टालों का भ्रमण भी किया। इस अवसर पर दिल्ली के कला संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा भी उपस्थित रहे। 29वां दिल्ली पुस्तक मेला भाषायी एकता के साथ साथ देशभक्ति का भी संदेश देगा। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर मेले में हर घर तिरंगा... का एक सेल्फी पाइंट भी लगाया गया है। मेला दर्शक यहां तिरंगा हाथ में लेकर अपनी फोटो खिंचवा सकते हैं। मेले में पहली बार प्रकाशकों के साथ साथ दिल्ली सरकार की विभिन्न अकादमियां भी हिस्सा ले रही हैं। भारत मंडपम के हाल नं. 12 और 12 ए लगने जा रहे इस मेले में शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा 15 लेखक साहित्यकारों को सम्मानित करेंगे। रविवार को मेले के समापन समारोह में दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद मुख्यातिथि होंगे। मेले की थीम पुस्तकें और प्रकाशन बहुभाषिये भारत का भविष्य होगी। भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आइटीपीओ) और भारतीय प्रकाशक संघ (एफआइपी) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित होने वाले इस मेले में प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क रहेगा।

डूसू चुनावों में विरूपण के प्रति बरती जाएगी जीरो टोलरेंस : चुनाव अधिकारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विश्वविद्यालय (डूसू) के मुख्य चुनाव अधिकारी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मौरिस नगर के थाना प्रभारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के सुचारू संचालन हेतु दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय में डूसू पदाधिकारियों और छात्र प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को एक बैठक बुलाई। डूसू चुनाव समिति और प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने छात्र प्रतिनिधियों को आगामी डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान चलाए जा रहे विरूपण विरोधी अभियान के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मुख्य चुनाव अधिकारी के साथ मिलकर डूसू चुनाव 2025-26 के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कॉलेजों के प्राचार्यों, विभागाध्यक्षों, छात्रावासों के प्रोवोस्ट/वार्डन, दिल्ली के डीसीपी/एसीपी/एसएचओ के साथ एक ऑनलाइन बैठक भी की। समिति ने प्रतिनिधियों को यह भी बताया कि वर्तमान डूसू चुनावों के दौरान पोस्टरों द्वारा विरूपण के प्रति जीरो टोलरेंस बरती जाएगी।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

संदर्भः टेंडर नोटिस संख्या 31/2025–2026 दिनांक 06.08.2025 क्रम सं. 03; 1. निविदा संख्या 02252171 नियत तिथि 28.08.2025.

उपरोक्त संदर्भित टेंडर के खुलने की नियत तिथि 06.08.2025 से बदल कर 28.08.2025 कर दी गई है। अन्य सभी नियमों एवं शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

2398/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

वरि. मण्डल यांत्रिक इंजीनियर/उत्तर रेलवे, ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती, भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए निम्नलिखित कार्य के लिए GeM पोर्टल (https://gem.gov.in) पर आमंत्रित की जाती है।

निविदा संख्या	GEM/2025/B/6524880, दिनांक 02.08.2025
कार्य का विवरण	ट्रेनसेट डिपो, शकूरबस्ती में स्थित 04 संख्या आईजीबीटी आधारित 1600 एचपी 3–फेज डीईएमयू डीपीसी के निवारक अनुरक्षण (Preventive Maintenance) तथा ब्रेकडाउन अनुरक्षण (Breakdown Maintenance) के लिए तीन वर्षों की अवधि हेतु समग्र वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध।
अनुमानित लागत	₹ 99,32,503.68 (GST सहित)
बयाना राशि	₹ 1,98,660.00
कार्य अवधि	03 वर्ष
निविदा खुलने की तिथि, समय	23.08.2025, 18:30 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने के इंटरनेट साइट	उपरोक्त निविदा GeM पोर्टल पर उपलब्ध है जो कि https://gem.gov.in दिनांक 02.08.2025 से प्रभावी है।

सं.: 25.8.892.DSL.SSB दिनांक: 04.08.2025 2387/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

परीक्षा कराने वाली एजेंसी की जवाबदेही, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए चर्चा जरूरी: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मंगलवार को एसएससी परीक्षा में धांधली को लेकर संसद में चर्चा की मांग को लेकर नियम 267 के तहत नोटिस दिया है। उन्होंने कहा है कि एसएससी परीक्षा में धांधली ने लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। तकनीकी विफलताओं के चलते परीक्षाएं बार-बार रद्द होने से परेशान देश भर के छात्र सड़कों पर हैं और सरकार से जवावदेही और न्याय की मांग कर रहे हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, बल्कि एसएससी-यूपीएससी से लेकर राज्य स्तरीय परीक्षाओं और सार्वजनिक चयन प्रक्रियाओं तक में पारदर्शिता के साथ बार-बार खिलवाड़ हो रहा है। लिहाजा, परीक्षा कराने वाली एजेंसी की जवाबदेही, दोषियों पर सख्त कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए चर्चा जरूरी है। संजय सिंह ने नोटिस में कहा है कि मैं आपका ध्यान 24 जुलाई से 1 अगस्त, 2025 के बीच आयोजित कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की चयन पद चरण-13 परीक्षा के संचालन में हुई गंभीर अनियमितताओं एवं प्रणालीगत विफलताओं की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। विभिन्न सरकारी पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में सॉफ्टवेयर क्रैश, बायोमेट्रिक सत्यापन में त्रुटियां और निर्धारित परीक्षाओं का अचानक रद्द होने जैसी व्यापक तकनीकी विफलताएं सामने आई हैं। इन विफलताओं के परिणाम स्वरूप अभ्यर्थियों को भारी अव्यवस्था की स्थिति का सामना करना पड़ा है, जिसके विरोध में विशेष रूप से दिल्ली सहित देशभर में हजारों छात्र सड़क पर उतरकर जवाबदेही और न्याय की मांग कर रहे हैं। यह स्थिति देश के प्रमुख भर्ती निकायों में से एक, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) पर जनता के विश्वास को गंभीर रूप से क्षति पहुंचा रही है। आगामी 13 अगस्त से आयोजित होने वाली संयुक्त स्नातक स्तरीय (सीजीएल) परीक्षा को लेकर भी अभ्यर्थियों में गहन चिंता और भय व्याप्त है। संजय सिंह ने कहा है कि यह उल्लेखनीय है कि ऐसी घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं। विगत एक दशक में परीक्षा रद्द होने, तकनीकी गड़बड़ियों और प्रश्नपत्र लीक जैसी घटनाएं बार-बार घटित हुई हैं, जिससे देश के लाखों अभ्यर्थी प्रभावित हुए हैं। एसएससी एवं यूपीएससी से लेकर राज्य स्तरीय परीक्षाओं और शिक्षक पात्रता परीक्षाओं तक, सार्वजनिक चयन प्रक्रियाओं में ईमानदारी एवं पारदर्शिता के साथ बार-बार खिलवाड़ किया गया है। संजय सिंह ने कहा है कि इन विफलताओं का प्रभाव केवल प्रशासनिक असुविधाओं तक सीमित नहीं है। जिन अभ्यर्थियों ने वर्षों की मेहनत एवं संसाधनों को इन परीक्षाओं की तैयारी में लगाया है, उनके श्रम को गहरा आघात पहुंचा है। मानसिक स्वास्थ्य पर इसके दुष्प्रभाव व्यापक हैं। निराशा, लाचारी, चिंता एवं अवसाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। परीक्षाओं के पुनर्निर्धारण अथवा पुनर्मूल्यांकन की अनिश्चितता ने उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन को भी बाधित कर दिया है। साथ ही, उन्हें आर्थिक हानि भी उठानी पड़ रही है, क्योंकि यात्रा, आवास एवं परीक्षा तैयारी पर किए गए निवेश का प्रतिफल उन्हें प्राप्त नहीं हो रहा है। संजय सिंह ने कहा कि यह प्रशासनिक अक्षमता एवं तकनीकी लापरवाही, निष्पक्षता एवं योग्यता के सिद्धांतों के साथ सीधा विश्वासघात है। जब व्यवस्था अकुशलता को सहन करती है और लापरवाही पर मौन रहती है, तो युवाओं में ईमानदारी एवं परिश्रम के प्रति आस्था डगमगाने लगती है, जिसके दूरगामी दुष्परिणाम देश के मानव संसाधन एवं संस्थागत विश्वसनीयता पर पड़ते हैं। अतः मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि नियम 267 के अंतर्गत सदन की सभी कार्यवाहियों को स्थगित कर इस अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर तत्काल चर्चा कराई जाए, ताकि परीक्षा प्रक्रिया की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष समीक्षा कराई जा सके, परीक्षा आयोजित करने के लिए नियुक्त ठेकेदार एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो सके, दोषियों पर कठोर कार्रवाई हो सके और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जा सके।

मुजफ्फरनगर की रितु देवी ने लौटाई सड़क पर गिरी 6500 की नकदी

प्रात: किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

खतौली, मुजफ्फरनगर। आज के दौर में जहां अधिकतर लोग निजी लाभ को प्राथमिकता देते हैं, वहीं सैनीनगर निवासी रितु देवी ने एक सच्ची और प्रेरणादायक मिसाल पेश कर दी। मामला बड़ाबाजार स्थित तायल मेडिकल स्टोर का है, जहां बीती रात घंटाघर निवासी तुषार गुप्ता दवाइयां लेने आए थे। दवा खरीदने के दौरान उनकी जेब से 6500 की नकदी गिर गई, जिसका उन्हें कोई आभास नहीं हुआ। कुछ ही देर बाद वहीं से गुजर रही रितु देवी की नजर सड़क पर गिरे पैसों पर पड़ी। उन्होंने तुरंत सजगता दिखाई और मेडिकल स्टोर के संचालक को इसकी जानकारी दी। रितु देवी ने स्पष्ट कहा कि अगर कोई व्यक्ति पैसे खोने की बात करे और सही जानकारी दे सके, तभी राशि उसे लौटाई जाए। यह सोच उनके नैतिक मूल्यों और समाज के प्रति जिम्मेदारी को दशार्ती है। थोड़ी ही देर बाद तुषार गुप्ता वापस लौटे और घबराए हुए अपने पैसों के बारे में पूछताछ करने लगे। उन्होंने न केवल वह स्थान बताया जहां पैसे गिरे थे, बल्कि सही राशि और स्थिति को स्पष्ट रूप से बताया। उनकी सटीक जानकारी पर विश्वास करते हुए रितु देवी ने 6500 की पूरी राशि उन्हें लौटा दी। पैसे वापस पाकर तुषार ने राहत की सांस ली और रितु देवी के प्रति आभार जताया। घटना के समय मौजूद लोगों ने रितु देवी के इस कार्य की जमकर सराहना की। उनका यह व्यवहार न केवल प्रशंसा योग्य है, बल्कि समाज में नैतिकता, ईमानदारी और भरोसे की लौ को जलाए रखने वाला उदाहरण है। ऐसे कर्म किसी समाचार से बढ़कर, समाज के लिए जीवंत पाठ होते हैं।

पूज्य गच्छाधिपति सेठ श्री प्रकाशचंद जी महाराज का देवलोकगमन

अंतिम यात्रा आजे गोहाना में उमड़ा आस्था का महासैलाब, नम आँखों से गूंजा नवकार मंत्र

प्रात: किरण: मनोज जैन

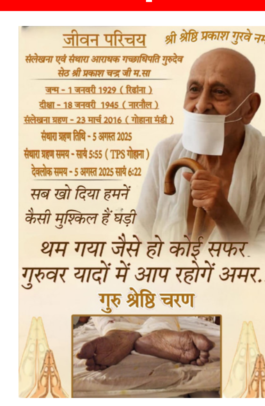

गोहाना (पानीपत) – जैन समाज की संयम परंपरा के ध्वजवाहक, जिनशासन के अद्भुत साधक, तप के मूर्तिमान स्वरूप पूज्य गच्छाधिपति सेठ श्री प्रकाशचंद जी महाराज साहब ने गोहाना के टी.पी.एस. पब्लिक स्कूल में अपने चातुर्मास स्थल पर संथारा व्रत अंगीकार कर वीतरागता की पूर्ण पराकाष्ठा को स्पर्श करते हुए आज देवलोकगमन किया। जैसे ही यह वियोगपूर्ण समाचार सामने आया, नगरभर में एक अद्भुत और अभूतपूर्व शांति छा गई – मानो समय थम गया हो, और हर श्रद्धालु की आंखों से अश्रु-गंगा बहने लगी हो। भक्तों का हुजूम टी.पी.एस. परिसर में उमड़ पड़ा, जहाँ हर कोना ह्यनमो अरिहंताणंह्न की गूंज से स्पंदित हो रहा था। पूज्य श्री का संपूर्ण जीवन संयम, विवेक और धर्मोपदेश की प्रेरणास्त्रोत ज्योति रहा। उन्होंने न केवल हजारों लोगों को जैन धर्म के सिद्धांतों से जोड़ा, बल्कि उन्हें आत्म-शुद्धि और आत्म-मूल्यांकन की राह पर चलने की प्रेरणा दी। उनके प्रवचन केवल भाषण नहीं होते थे, वे आत्मा के भीतर एक परिवर्तन का बीज बोते थे। उनका मौन भी साधकों के लिए उपदेश होता था, और उनकी दृष्टि में एक अनंत करूणा की धार होती थी। आज जब वे हमारे बीच नहीं हैं, तब भी उनका स्मरण मात्र चित्त को स्थिर, शांत और दिव्य कर देता है। गोहाना आज एक तीर्थ बन गया है – जहाँ गुरुदेव की अंतिम यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः टी.पी.एस. स्कूल पहुँचेगी। नगर के कोने-कोने से श्रद्धालु, महिला मंडल, युवक संघ, तपस्वीजन और साधर्मी भाई-बहन इस अंतिम दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं। गोहाना में धर्म की जो गूंज सुनाई दे रही है, वह केवल एक शहर की आवाज नहीं, पूरे जैन समाज की एकजुट श्रद्धांजलि है। ऐसा दृश्य विरले ही जीवन में देखने को मिलता है – जहाँ वीतरागी संत की विदाई एक युग की विदाई बन जाए। देशभर के जिन मंदिरों में आज नवकार मंत्र का उच्चारण हुआ, वे केवल क्रिया नहीं थीं – वे भावों की, श्रद्धा की, और एक दिव्य संबंध की अभिव्यक्ति थीं। पूज्य श्री के देवलोकगमन ने संपूर्ण समाज को यह स्मरण कराया कि आत्मा का पथ शरीर की सीमाओं से परे है। वे चले गए, परंतु उनके वचन, उनका जीवन और उनकी साधना – आने वाली पीढ़ियों को मार्ग दिखाते रहेंगे। यही सच्चे संत की अमर धरोहर होती है। संथारा उनका संकल्प था, अंतिम यात्रा उनकी आत्मविजय – यह देवलोकगमन एक तपस्वी जीवन की पूर्णता का पर्व बन गया।

शाहदरा जिले में बड़ी कामयाबी: डीसीपी प्रशांत गौतम की निगरानी में 72 घंटे में सुलझा स्नैचिंग का मामला – जेल से छूटे दो शातिर लुटेरे दबोचे, 80 वर्षीय महिला की सोने की बालियाँ बरामद

प्रात: किरण: मनोज जैन

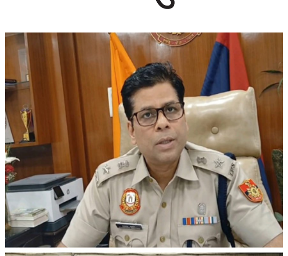

शाहदरा के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि थाना फर्श बाजार क्षेत्र में 2 अगस्त 2025 को एक वृद्धा से सोने की बालियाँ छीनने की घटना सामने आई, जब वह मंदिर में पूजा करने के बाद अपने घर लौट रही थीं। इस वारदात को दो बाइक सवार बदमाशों ने अंजाम दिया और घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी। फर्श बाजार थाने के प्रभारी एसएचओ अजय करण शर्मा की देखरेख में एएसबी सेल की एक विशेष टीम गठित की गई, जिसका नेतृत्व एसआई अजय तोमर कर रहे थे। टीम ने सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से आरोपियों की पहचान में अहम सुराग जुटाए। सीसीटीवी फुटेज में दिखा कि आरोपी सिल्वर स्प्लेंडर बाइक पर सवार थे और वारदात के बाद बिहारी कॉलोनी रेडलाइट की ओर भागे। उन्होंने बाइक की नंबर प्लेट मिट्टी से ढँक दी थी और आगे की प्लेट हटा दी थी ताकि पकड़े न जाएं। लेकिन पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता से बाइक की असली नंबर तक पहुँच बनाई और वाहन स्वामी रामाशंकर से पूछताछ की। पता चला कि बाइक उसका बेटा सूरज चला रहा था। इसके बाद टीम ने सूरज और उसके साथी नीरज उर्फ काशी को उत्तर घोंडा इलाके से धर दबोचा। पूछताछ के दौरान दोनों ने वारदात में शामिल होने की बात स्वीकार की, हालांकि शुरूआत में वे गहनों की जानकारी छुपाते रहे। कड़ी पूछताछ के बाद उन्होंने बताया कि सोने की बालियाँ सूरज के घर पर छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने मौके पर दबिश देकर बालियाँ बरामद कर लीं। साथ ही घटना में प्रयुक्त बाइक भी जब्त की गई। पूछताछ में यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी हाल ही में जेल से छूटे हैं और पुराने आदतन अपराधी हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। सूरज पांच मामलों में जबकि नीरज उर्फ काशी उन्नीस मामलों में शामिल रहा है, जिनमें लूट, झपटमारी, आर्म्स एक्ट और एक्साइज एक्ट के केस शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दोनों ने थाना न्यू उस्मानपुर क्षेत्र में भी एक स्नैचिंग की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की है, जिसकी जांच जारी है। शाहदरा जिले की एएसबी टीम की सक्रियता व तत्परता के चलते यह मामला महज 72 घंटे में सुलझा, जिससे क्षेत्रवासियों में पुलिस के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

मुजफ्फरनगर में बोर्ड परीक्षा के नाम पर साइबर ठगी का खुलासा

प्रात: किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

खतौली, मुजफ्फरनगर। बोर्ड परीक्षा जैसे संवेदनशील और प्रतिष्ठित तंत्र को अब साइबर ठगों ने ठगी का जरिया बना लिया है। खतौली कस्बे के बुढ़ाना रोड स्थित शिशु शिक्षा निकेतन स्कूल के कई छात्रों को हाल ही में ऐसे कॉल आए, जिनमें कॉल करने वालों ने खुद को प्रयागराज या बोर्ड कार्यालय का कर्मचारी बताते हुए कहा कि छात्रों के नंबर कम हैं और पास कराने के लिए 4500 या 3500 देने होंगे। इनकार करने पर परीक्षा में फेल करने की धमकी दी गई। साइबर अपराधियों ने छात्रों को क्यूआर कोड भेजने की बात कहकर तुरंत पैसे ट्रांसफर करने का दबाव भी बनाया। जब एक छात्र ने यह जानकारी साहसपूर्वक स्कूल प्रशासन को दी, तो प्रधानाचार्य कांता स्वरूप सिंगल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत अधिकारियों और पत्रकारों को अवगत कराया। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील की कि कोई भी संदिग्ध कॉल या मैसेज आए तो बिना पुष्टि किए कोई भुगतान न करें। जिस मोबाइल नंबर से छात्रों को कॉल आया था, वह बाद में बंद मिला, जिससे यह स्पष्ट है कि पूरा मामला सोची-समझी साइबर ठगी का हिस्सा है। ठग अब शैक्षिक संस्थानों के नाम का दुरुपयोग कर मासूम छात्रों और उनके माता-पिता को मानसिक दबाव में डाल रहे हैं, जिससे न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है बल्कि बच्चों का आत्मविश्वास भी प्रभावित हो रहा है। स्थानीय प्रशासन से इस पूरे मामले में शीघ्र कार्रवाई की मांग की गई है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त नेहा यादव का औचक निरीक्षण

त्योहारों से पहले कृष्णा नगर बाजार में दिखा सख्त पुलिस पहरा

प्रात: किरण: मनोज जैन

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) नेहा यादव ने मंगलवार को स्वतंत्रता दिवस और रक्षाबंधन के दृष्टिगत कृष्णा नगर की प्रसिद्ध लाल क्वार्टर मार्केट में औचक निरीक्षण किया। यह बाजार यमुना पार की सबसे बड़ी और भीड़भाड़ वाली रिटेल मार्केटों में से एक है। निरीक्षण के दौरान गांधी नगर डिवीजन के एसीपी अरविंद कुमार नेगी, थाना प्रभारी मुकेश राणा, अतिरिक्त एसएचओ सचिन वर्मा तथा कृष्णा नगर थाना स्टाफ उनके साथ मौजूद रहा। नेहा यादव ने मौके पर पहुँचकर स्वयं बाजार की गलियों में पैदल गश्त की और यह देखा कि पुलिसकर्मी त्योहारों से पूर्व तैनात हैं या नहीं। जिस समय उनका काफि ला बाजार में पहुँचा, वहां का पुलिस स्टाफ पूरी तरह सतर्क पाया गया। बाजार के कई ऐसे कोने, जहां आम तौर पर पुलिस की मौजूदगी नहीं देखी जाती, वहां भी पुलिसकर्मी तैनात मिले, जिसे देखकर अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ने संतोष जाहिर किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का गहन अवलोकन किया। कैमरों की रिकॉर्डिंग, कवरेज, साफ-सफाई और स्थिति के बारे में थाना प्रभारी से विस्तार से जानकारी ली। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कैमरों को इस प्रकार क्रियाशील रखा जाए कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि पर तुरंत नजर डाली जा सके और आवश्यक कार्रवाई की जा सके। नेहा यादव अपने निर्णयों और प्रशासनिक सख्ती के लिए जानी जाती हैं। कार्यभार संभालने के कुछ ही समय में उन्होंने ऐसे फैसले लिए हैं जिससे अपराधियों में भय और ईमानदार पुलिसकर्मियों में उत्साह दिखाई देता है। उन्हें शाहदरा ज़िले की एक कड़ी और अनुशासित अधिकारी के रूप में जाना जाता है, जो समय-समय पर फील्ड में निकलकर पुलिसिंग को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए पहचानी जाती हैं। बाजार के निरीक्षण के दौरान नेहा यादव ने सिर्फ सुरक्षा ही नहीं, बल्कि स्वच्छता पर भी गहरा ध्यान दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद व्यापारियों से बातचीत करते हुए साफ शब्दों में कहा, इतनी सुंदर और व्यस्त मार्केट को स्वच्छ बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने दुकानदारों से आग्रह किया कि सड़क पर कूड़ा न फैलाएं और सफाई व्यवस्था में सहयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन सफाई कर्मियों के माध्यम से नियमित सफाई सुनिश्चित करेगा। अंत में नेहा यादव ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आने वाले त्योहारों को शांतिपूर्वक और सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहेंगे, ताकि आमजन को विश्वास और सुरक्षा का आभास हो तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही को समय रहते सुधारा जा सके। उनका यह निरीक्षण न केवल सख्ती का संकेत था, बल्कि पुलिस विभाग की सक्रियता का प्रमाण भी बना।

ऑडी इंडिया का बड़ा ऐलान: अब मिलेगी 10 साल की वारंटी और 15 साल की रोडसाइड असिस्टेंस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुंबई, जर्मन लग्जरी कार निमार्ता ऑडी ने आज अपने ग्राहकों के लिए एक व्यापक वारंटी और रोडसाइड असिस्टेंस प्रोग्राम की घोषणा की। इस पहल के तहत कंपनी पूरे प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो पर 10 साल की एक्सटेंडेड वारंटी और 15 साल की रोडसाइड असिस्टेंस की सुविधा दे रही है। यह एक्सटेंडेड वारंटी एक वैल्यू-ऐडेड विकल्प के रूप में उपलब्ध है, जो भारत में लग्जरी कार सेगमेंट को नई दिशा देने और ग्राहकों को बेहतरीन अनुभव देने की ऑडी की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है। ऑडी इंडिया के प्रमुख श्री बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा, हम ऑडी इंडिया में मानते हैं कि ग्राहक से हमारा रिश्ता सिर्फ गाड़ी बेचने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसके बाद भी उतना ही मजबूत बना रहता है। हमारी नई वारंटी और रोडसाइड असिस्टेंस योजना इसी विश्वास को दशार्ती है। हमारा मकसद है कि हमारे ग्राहक हर सफर में निश्चिंत और सुरक्षित महसूस करें – यह आश्वासन हो कि जरूरत पड़ने पर ऑडी हमेशा उनके साथ है। क्या है खासः एक्सटेंडेड वारंटीः बिक्री की तारीख से लेकर 10 साल तक, 2 लाख किलोमीटर तक की कवर सुविधा। ग्राहक 1 या 2 साल की एक्सटेंशन चुन सकते हैं, जिसकी शर्तें स्टैंडर्ड वारंटी जैसी ही होंगी। वारंटी कवरेजः भारत में उपलब्ध सभी ऑडी मॉडलों पर लागू। लचीलापनः नई कार खरीदते समय या मौजूदा वारंटी खत्म होने से पहले लिया जा सकता है। 15 साल की रोडसाइड असिस्टेंसः ऑडी का यह प्रोग्राम देशभर के नेशनल और स्टेट हाईवे समेत अन्य प्रमुख मोटरेबल रोड्स पर 24७७ इमरजेंसी सहायता उपलब्ध कराता है। यह पहली बार है जब कंपनी इतनी लंबी अवधि की सहायता सेवा दे रही है। इस सेवा की कीमत 3,999 से 8,000 के बीच होगी, जो वाहन की उम्र और वैधता अवधि के अनुसार तय होगी। एक्सटेंडेड वारंटी कवरेजः मुख्य विशेषताएंः सभी मैन्युफैक्चरिंग डिफेक्ट्स पर 10 साल तक की सुरक्षा 2,00,000 किलोमीटर तक की व्यापक माइलेज कवरेज भारत में उपलब्ध सभी ऑडी मॉडलों पर लागू नई कार की डिलीवरी के समय या मौजूदा वारंटी समाप्त होने से पहले लिया जा सकता है ऑडी रोडसाइड असिस्टेंस प्रोग्रामः 24७७ संपूर्ण सेवाएंः भारत के प्रमुख राजमार्गों (नेशनल और स्टेट हाईवे) व मोटरेबल सड़कों पर इमरजेंसी ब्रेकडाउन सहायता ब्रेकडाउन, दुर्घटना या वाहन बंद होने की स्थिति में निकटतम अधिकृत वर्कशॉप तक टोइंग सुविधा छोटी-मोटी मैकेनिकल या इलेक्ट्रिकल खराबी के लिए तत्काल तकनीकी मदद आपातकालीन सहायता सेवाएंः अधिकतम 10 लीटर ईंधन की डिलीवरी (ईंधन का खर्च ग्राहक को वहन करना होगा) बैटरी बूस्ट सुविधा टायर की मरम्मत व बदले जाने में सहायता स्पेयर चाबी डिलीवरी और लॉकआउट की स्थिति में सहयोग प्रीमियम कस्टमर केयरः यदि मरम्मत में 72 घंटे से अधिक समय लगे और ग्राहक अपनी मूल लोकेशन से 100 किमी से ज्यादा दूर हों, तो होटल ठहराव या आगे/वापसी यात्रा की सुविधा वाहन की निगरानी, सुरक्षित परिवहन और रख-रखाव विशेष रूप से डिजाइन किए गए टोइंग प्लेटफॉर्म सभी यात्रियों के लिए निःशुल्क रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था एडवांस्ड सर्विस फीचर्सःहर ब्रेकडाउन केस की सूचना निकटतम डीलर को ईमेल के जरिए तुरंत भेजी जाती है केस क्लोज होने तक ग्राहक को हर 30 मिनट पर स्टेटस अपडेट सर्विस के दौरान वाहन की सुरक्षा के लिए 100% प्रोटेक्टिव बॉडी कवर का इस्तेमाल ग्राहक और वाहन की मूवमेंट के लिए समर्पित सहायता आसान एक्सेस के लिए व्हाट्सएप आधारित सर्विस रिक्वेस्ट सिस्टम यह प्रोग्राम सभी नए ऑडी ग्राहकों के लिए उपलब्ध रहेगा। मौजूदा ग्राहक भी अपने वाहन की उम्र और वर्तमान वारंटी स्थिति के आधार पर इस कवरेज को अपग्रेड करने का विकल्प चुन सकते हैं।

मुठभेड़ के बाद टिल्लू ताजपुरिया गिरोह का शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली,। अलीपुर में गोगी गैंग के हिस्ट्रीशीटर करण थापा की हत्या में शामिल टिल्लू ताजपुरिया गिरोह का शार्प शूटर सरोजनी नगर में मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार बदमाश की पहचान हरियाणा रोहतक के मंजीत उर्फ दादा के रूप में हुई है। उसके पास से एक पिस्टल, तीन कारतूस और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। मुठभेड़ में जवाबी कार्रवाई में एक गोली उसके पैर में लगी है, जिसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। उपायुक्त आदित्य गौतम के मुताबिक, 28 मार्च की शाम लगभग 7:30 बजे हिस्ट्रीशीटर और गोगी गैंग के सदस्य करण थापा को अलीपुर के नेहरू एन्क्लेव इलाके में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी, जिसके बाद हरिश्चंद्र अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। शुरूआती जांच में करण थापा की हत्या का संबंध दिल्ली और हरियाणा के कुख्यात आपराधिक गिरोहों, गोगी गैंग और टिल्लू ताजपुरिया गैंग के बीच चल रही हिंसक प्रतिद्वंद्विता से जुड़ा पाया गया। जिसमें टिल्लू ताजपुरिया के तीन शूटरों की पहचान रोहतक हरियाणा के मंजीत उर्फ दादा, नांगलोई के नीरज उर्फ भूरा और बहरोड़, राजस्थान के हिमांशु उर्फ मोनू के रूप में हुई। जांच के दौरान हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य शूटर मंजीत और नीरज फरार थे। उन्हें पकड़ने के लिए एसीपी उमेश बर्थवाल की देखरेख में और इंस्पेक्टर राकेश शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। मंगलवार को मुखबिर से जानकारी मिली कि आरोपित मंजीत अपने एक साथी से मिलने सरोजनी नगर इलाके में आने वाला है। सूचना पर टीम ने सरोजनी नगर इलाके के पास जाल बिछाते हुए मंजीत को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन उसने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर तीन राउंड फायरिंग की। पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक गोली उसके पैर में लगी, जिसके बाद उसे काबू कर लिया गया। आरोपित गैंगस्टर दीपक पाकस्मा उर्फ भोला के संपर्क में था, जिसने 2023 में जेल में टिल्लू ताजपुरिया की हत्या के बाद गिरोह का नेतृत्व संभाला और विदेश में बैठकर आपराधिक गतिविधियों का समन्वय कर रहा था। दीपक ने मंजीत और नीरज को करण थापा की हत्या का काम सौंपा था।

नवजात पीलिया से बचाव के लिए समय पर निदान और एनआईसीयू देखभाल जरूरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा, गौर सिटी : डॉ. अक्षय मेहता ने कहाँ, नवजात बच्चों में पीलिया बहुत आम है, लेकिन इसे बिल्कुल भी हलके मे नहीं लेना चाहिए। यह लगभग ६०% पूरे समय में पैदा हुए और ८०% समय से पहले पैदा हुए बच्चों में होता है। इसका कारण खून में बिलीरुबिन नामक पदार्थ का बढ़ जाना है। अगर समय पर इलाज न किया जाए तो यह दिमाग को नुकसान पहुँचा सकता है या बच्चे के विकास में रुकावट डाल सकता है। इसलिए जरूरी है कि इसे समय रहते पहचाना और ठीक से इलाज किया जाए। मदरहुड अस्पताल नोएडा, गौर सिटी में एक बच्ची का जन्म ३० हफ्ते में हुआ। उसका वजन सिर्फ 820 ग्राम था। माँ के पेट में उसे सही से खून और पोषण नहीं मिल रहा था, इसलिए डॉक्टरों ने आपातकालीन सिजेरियन किया। जन्म के बाद बच्ची की हालत गंभीर थी, उसे साँस लेने में दिक्कत थी। उसे तुरंत वेंटिलेटर पर रखा और फेफड़े मजबूत करने के लिए दवा दी गई। दूसरे दिन उसे पीलिया हो गया। समय से पहले जन्मे बच्चों में ऐसा अक्सर होता है क्योंकि उनका लिवर पूरी तरह से विकसित नहीं होता। उसके बिलीरुबिन का स्तर बहुत बढ़ गया था, इसलिए उसे तुरंत फोटोथेरेपी (नीली लाइट वाला इलाज) दिया गया और हर 8 घंटे में जांच की गई। बच्ची को विशेष मशीन (इनक्यूबेटर) में रखा गया, उसे लगातार हाइड्रेशन दिया गया और उसे २४ घंटे डॉक्टरों के निगरानी में रखा गया था। उसे दूध पिलाना भी एक चुनौती था। शुरू में उसे टीपीएन (टोटल पैरेंटरल न्यूट्रिशन) यानी नसों के जरिये पोषण दिया गया। धीरे-धीरे, हाई-रिस्क फीडिंग प्रोटोकॉल के तहत दूध शुरू किया गया, जिसे उसने अच्छी तरह से सहन किया और लगातार वजन भी बढ़ता गया। उसे शरीर में ज्यादा एसिड (मेटाबॉलिक एसिडोसिस) की समस्या भी थी, जिसे ठीक किया गया। दिल की एक समस्या (ढ्ऊ्र) भी थी, जो दवाइयों से ही ठीक हो गई। चौथे दिन वेंटिलेटर हटाया गया और सातवें दिन वह खुद से सांस लेने लगी। माँ को बच्चे को गोद में रखने की कंगारू केयर भी दी गई, जिससे बच्ची जल्दी ठीक हुई और माँ से जुड़ाव बढ़ा। नोएडा स्थित मदरहुड अस्पताल, गौर सिटी के सीनियर कंसल्टेंट नियोनेटोलॉजी और पीडियाट्रिक्स डॉ. अक्षय मेहता ने कहाँ, अच्छी एनआईसीयू देखभाल की वजह से बच्ची को कोई इन्फेक्शन नहीं हुआ और एंटीबायोटिक की जरूरत नहीं पड़ी। कुछ हफ्तों बाद बच्ची स्वस्थ हालत में घर गई – मजबूत, बिना पीलिया और तंदुरुस्त होकर।

भाजपा ने आप पर लगाया 650 करोड़ के घोटाले का आरोप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । कथित भ्रष्टाचार के एक मामले में सीबीआई मामलों की विशेष अदालत से राहत मिलने के एक दिन बाद ही पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन एक अन्य विवाद में सामने आ गए हैं। दिल्ली सरकार ने लोकनायक अस्पताल के 22 मंजिला नए ब्लाक के बनाए जाने में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच के लिए फाइल एलजी वी के सक्सेना के पास भेज दी है। इसमें आरोप लगाया गया है कि लोकनायक अस्पताल में जिस इमारत का अनुबंध 465 करोड़ का किया गया था, एक साजिश के तहत बार-बार बदलाव कर इसकी लागत बढ़कर 1139 करोड़ तक पहुंचा दी गई। इस मामले में एक साल पहले उपराज्यपाल द्वारा गठित की गई समिति ने सवाल उठाए हैं। समिति ने कई अन्य तरह के भी आरोप लगाए गए हैं। जिसकी रिपोर्ट आने पर दिल्ली सरकार ने अब फाइल भेज कर एलजी से इस मामले में सीबीआई से जांच की सिफारिश की है। आरोपों पर आप ने प्रतिक्रिया देते हुआ है कि भाजपा और उसके मंत्री एसीबी, सीबीआई और ईडी के चक्कर में पड़े हैं। वे हर दिन आप नेताओं के खिलाफ साजिश रचते हैं, बेबुनियाद और झूठे मामले तैयार करने में समय बर्बाद करते हैं और इन दिशाहीन जांचों पर करदाताओं का पैसा बर्बाद करते हैं। 650 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह एक बड़ा घोटाला है जो बहुत सफाई के साथ किया गया है, जांच होने पर आरोपी बच नहीं पाएंगे। वर्मा ने कहा है कि पूर्व लोक निर्माण मंत्री जैन ने नियमों को दरकिनार कर इसमें बदलाव करवाए। वह निरीक्षण करने जाते थे और किसी मंशा के तहत बदलाव सुझाते थे जिससे लागत बढ़ जाती थी। 650 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ। बता दें कि इमारत के निर्माण में अतिमयितताओं की बात सामने आने पर पिछले साल उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों की जांच के लिए एक समिति गठित की गई थी। समिति ने पाया है कि मूल अनुबंध राशि 465 करोड़ रुपये थी, जो लगभग 243 प्रतिशत बढ़कर 1,139 करोड़ रुपये हो गई है। समिति ने इन प्रमुख अनियमितताओं को किया उजागर -पसंदीदा वास्तुकार सलाहकार का चयन एक संदिग्ध प्रक्रिया के माध्यम से किया गया, जिसमें अनियमितताएं बरती गईं और सामान्य वित्तीय विनियमन (जीएफआर) के प्रविधानों का घोर उल्लंघन किया गया। -बिना किसी निविदा के नामांकन के आधार पर मेसर्स सिक्का एसोसिएट्स को 5.27 करोड़ रुपये मूल्य के 84,420 वर्ग मीटर क्षेत्र के लिए परामर्श कार्य दिया गया -6 सलाहकारों को सूचीबद्ध करते समय यह विशेष रूप से ध्यान में रखा गया था कि प्रत्येक परियोजना के लिए अलग से वित्तीय बोली आमंत्रित की जाएगी, हालांकि इस शर्त का उल्लंघन किया गया और फिर जिलावार या क्षेत्रवार सलाहकारों की नियुक्ति का मनमाना निर्णय लिया गया। -जिला केंद्रीय से संबंधित परामर्श कार्य के लिए 5.62 करोड़ रुपये मूल्य के 90,000 वर्ग मीटर क्षेत्र के लिए बोलियां आमंत्रित की गईं। परामर्शदाता को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए, क्षेत्र को गुप्त रूप से बढ़ाकर 1,62,490 वर्ग मीटर कर दिया गया, जिससे तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री के निर्णय के अनुसार देय परामर्श शुल्क 5.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 10.15 करोड़ रुपये हो गया।

शाहदरा के बाजारों में रक्षाबंधन और 15 अगस्त की तैयारी चरम पर

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा जिले के कृष्णा नगर, जगतपुरी, छोटा बाजार, फरस बाजार और शाहदरा चौक जैसे प्रमुख बाजार इन दिनों रक्षाबंधन के रंग में पूरी तरह रंगे नजर आ रहे हैं। राखियों के स्टॉलों पर सुबह से ही बहनों की भारी भीड़ जुट रही है। पारंपरिक राखियों के साथ-साथ इस बार बच्चों की पसंद को देखते हुए कार्टून और डिजाइनर राखियों की जबरदस्त मांग है। दुकानदारों ने अपनी दुकानों को रंगीन लाइटों और सजावटी सामान से आकर्षक रूप दिया है, जिससे पूरे बाजार में त्योहारी माहौल जीवंत हो उठा है। रक्षाबंधन के साथ-साथ स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर बाजारों में देशभक्ति की भी स्पष्ट झलक देखने को मिल रही है। हर चौराहे और गली में तिरंगे झंडों, देशभक्ति बैज, रिस्टबैंड, बच्चों के लिए तिरंगे टी-शर्ट और रंग-बिरंगी पतंगों की दुकानें सज चुकी हैं। ह्यहर घर तिरंगाह्न अभियान के चलते तिरंगे की बिक्री इस बार कई गुना बढ़ गई है। बाजारों में बच्चों, युवाओं और महिलाओं में जोश देखते ही बनता है। त्योहारी भीड़ के बीच मिठाइयों की दुकानों पर भी जबरदस्त रौनक देखी जा रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों द्वारा भाई के लिए मिठाई खरीदने का चलन काफी बढ़ गया है। हलवाई दुकानों पर खास तौर पर रक्षाबंधन स्पेशल पैकिंग में लड्डू, काजू कतली, रसगुल्ले और अन्य मिठाइयाँ रखी गई हैं। दुकानदारों ने बताया कि इस बार ह्यथाली सज्जा और गिफ्ट बॉक्स की काफी मांग है। कई दुकानों पर एडवांस बुकिंग भी चल रही है और ग्राहकों की सुविधा के लिए होम डिलीवरी की सेवा भी दी जा रही है। त्योहारी भीड़ के कारण बाजारों में काफी दबाव देखने को मिल रहा है। खासकर कृष्णा नगर, छोटा बाजार और फरस बाजार जैसे इलाकों में राहगीरों को चलने में परेशानी हो रही है और दिनभर रेंगते ट्रैफिक से वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क किनारे ठेले-पटरी वालों के कारण समस्या और भी विकट हो जाती है। कई जगहों पर दमकल व एंबुलेंस जैसे आपात वाहनों के लिए रास्ता तक नहीं बचता। इन हालातों को ध्यान में रखते हुए शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम स्वयं फील्ड में उतरकर लगातार पेट्रोलिंग कर रहे हैं। उनके साथ जिले के सभी थानों के पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में बाजारों में चक्रमण कर रहे हैं। सुरक्षा को लेकर पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती की गई है और हर बाजार में सादी वर्दी में भी जवान तैनात किए गए हैं। व्यापारियों को सीसीटीवी कैमरे चालू रखने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही प्रशासन की ओर से अग्नि सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और ट्रैफिक सुचारू रखने के लिए तमाम जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

मप्र के चार नेशनल हाइवे किनारे विकसित की जाएंगी आधुनिक सुविधाएं

यात्रियों के लिए फूड कोर्ट से चार्जिंग स्टेशन तक की सुविधा

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) की सहयोगी संस्था नेशनल हाइवेज लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) मध्यप्रदेश के चार हाइवे किनारे यात्रियों के लिए सुविधाएं बढ़ाने की तैयारी कर रही है। एनएचएआई की खाली पड़ी जमीन को विकसित कर फूड कोर्ट, रेस्टोरेंट, शॉपिंग स्टोर, पार्किंग, शौचालय, ईवी चार्जिंग स्टेशन और डोरमेट्री जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। यहां वाहन चालक थोड़ी देर रुककर आराम कर सकेंगे और यात्रियों के लिए बच्चों का खेलकूद एरिया भी विकसित किया जाएगा।

जिन चार स्थानों पर यह सुविधाएं विकसित की जाएंगी वे हैं– ग्वालियर–शिवपुरी हाइवे पर घाटीगांव, तेजाजीनगर–बलवारा के पास बैग्राम (एनएच 347), नेशनल हाइवे 52 पर भाटखेड़ी और इंदौर–गुजरात नेशनल हाइवे 47 पर हटोड। अभी तक राष्ट्रीय राजमार्गों पर केवल टोल प्लाजा के आसपास कुछ सुविधाएं उपलब्ध होती थीं। लेकिन नए बने एक्सप्रेसवे की तरह अब पुराने नेशनल हाइवे पर भी यात्रियों की सुविधाओं को लेकर गंभीर पहल की जा रही है। इन परियोजनाओं से सरकार को भी फायदा होगा क्योंकि विकसित की गई जमीन लीज पर दी जाएगी, जिससे राजस्व प्राप्त होगा।

क्षेत्रीय कारीगरों को बढ़ावा

इस प्रोजेक्ट की खास बात यह है कि हाईवे सुविधाओं में क्षेत्रीय कला और कारीगरों के लिए कियोस्क और स्टॉल भी उपलब्ध कराए जाएंगे। यात्री यहां से स्थानीय कलाकृतियां खरीद सकेंगे, जिससे क्षेत्रीय कारीगरों को रोजगार मिलेगा और हाइवे पर गुजरने वाले लोगों के लिए यह आकर्षण का केंद्र बनेगा।

सर्वे रिपोर्ट से सामने आई जानकारी

नेशनल हाइवे पर सुविधाओं के विस्तार के लिए सर्वे कराया गया है। सर्वे के अनुसार, तेजाजीनगर-बलवारा (एनएच 347) बैग्राम हाईवे पर 4.86 हेक्टेयर जमीन है। यहां से रोजाना 330 कारें और 1,871 ट्रक गुजरते हैं। नेशनल हाइवे 52, भाटखेड़ी पर 2.58 हेक्टेयर जमीन, यहां से औसतन 3,023 कारें और 3,134 ट्रक गुजरते हैं। ग्वालियर-शिवपुरी (एनएच 46) घाटीगांव पर 0.82 हेक्टेयर जमीन, रोजाना 1,637 कारें, 156 बसें और 2,105 ट्रक गुजरते हैं। वहीं इंदौर-गुजरात हाइवे (एनएच 47) हटोड पर 2.86 हेक्टेयर जमीन, प्रतिदिन 2,243 कारें, 359 बसें और 1,230 ट्रक गुजरते हैं।

जनसंपर्क कार्यालय में पदस्थ वीडियो एडिटर को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंदा, मौत

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। हबीबगंज इलाके में स्थित गणेश मंदिर के सामने बीती देर रात जनसंपर्क कार्यालय में पदस्थ वीडियो एडिटर को तेज रफ्तार ट्रक ने रौंद दिया। दर्दनाक हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया गया है कि मतृक अपने दफ्तर से काम पूरा कर एक्टिवा से वापस घर लौट रहे थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार श्रीराम कॉलोनी, मिसरोद निवासी संजय शर्मा पुत्र मन्नूलाल शर्मा (35) जनसंपर्क कार्यालय में वीडियो एडिटर के पद पर पदस्थ थे। बीती रात करीब 12.30 वह अपनी ड्यूटी पूरी कर एक्टिवा से घर लौट रहे थे।

निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर 5 साल की मासूम की मौत

भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता। भोपाल के बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की छत से गिरकर 5 साल की मासूम बच्ची की मौत हो जाने की दर्दनाक घटना समाने आई है। बताया गया है की जानलेवा हादसा सोमवार शाम के समय का है। घटना के समय मासूम के पिता ठेकेदार से बातचीत कर रहे थे, वहीं मां घरेलू काम में व्यस्त थी। इसी दौरान मासूम खेलते हुए पहली मंजिल पर चली गई, यहां बिना मुंडेर की छत से नीचे गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गई। दो दिन चले इलाज के बाद तीसरे दिन सुबह के समय इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। थाना पुलिस ने बताया की मूल रूप से दमोह के रहने वाले श्रवण बंसल मिस्त्री का काम करते हैं। इन दिनो वह काम के चलते परिवार सहित राजधानी परिसर कोकता में स्थित निर्माणाधीन मकान में रह रहे थे। परिवार में पत्नि सहित एक बेटा और दो बेटियां है। रक्षाबंधन को उन्हें परिवार सहित वापस दमोह जाना था, इसी कारण छुट्टी के लिए श्रवण बंसल सोमवार की शाम को घर आए ठेकेदार से बातचीत करने लगे इस दौरान उनकी पत्नि बर्तन धो रही थी। इसी बीच मासूम खेलते हुए पहली मंजिल पर चली गई, यहां बिना मुंडेर की छत से नीचे गिर गई। बताया जा रहा है कि बच्ची सिर के बल गिरी थी, इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई थीं।

किसानों को पर्याप्त मात्रा में मिले उर्वरक : सचिन यादव

भोपाल। सोमवार 4 अगस्त को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कसरावद विधायक सचिन यादव ने प्रदेश भर में खाद की किल्लत को लेकर सवाल उठाया। श्री यादव द्वारा पूछे गये सवाल के उत्तर में कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना ने प्रस्तुत जवाब में कहा कि प्रदेश में मांग के अनुरूप यूरिया एवं उर्वरकों की आपूर्ति की गई है। कही पर भी किसी प्रकार की कोई किल्लत नहीं है। विधायक सचिन यादव ने सवाल किया कि जब खाद समुचित मात्रा में उपलब्ध है तो हमारे प्रदेश के अन्नदाता परेशान क्यों हैं मेरे गृहजिले खरगोन मुख्यालय पर विगत एक माह में 4 बार किसानों द्वारा क्यों चक्काजाम किया जा रहा है? किसान अपने दैनिक खेती किसानी का काम छोड़कर सुबह 5 बजे से लाईन लगकर 2 बोरी खाद के लिए परेशान हो रहा है वह क्या मजाक है? प्रदेश के किसान खाद की भीषण कमी से जूझ रहे हैं। उन्हें अपने हक के लिए रात-रात भर कतारों में खड़े रहना पड़ रहा है फिर भी उन्हें खाद नहीं मिल पा रहा है।

निगम-मंडलों में नियुक्ति से पहले तय होंगे ऑब्जर्वर

जो क्राइटेरिया में फिट वही बैठेगा कुर्सी पर

भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश भाजपा में निगम मंडलों में नियुक्ति को लेकर नेताओं की प्रतीक्षा खत्म होने वाली है। लेकिन इस बार निगम मंडलों में नियुक्ति पद की चाह में बैठे नेताओं को पार्टी ने पहले ही चेता दिया है। अब तक भाजपा में निगम मंडल के ये पद राजनीतिक क्षतिपूर्ति के तौर पर देखे जाते हैं। इन्हीं नियुक्तियों में पार्टी अनुकंपा भी करती है। ऐसे भी कई पार्टी नेता कतार में हैं जिन्हें चुनाव के दौरान की गई मेहनत के ईनाम के तौर पर इन नियुक्तियों का इंतजार है। लेकिन पार्टी ने इस बार नियम मंडलों में नियुक्ति की बाट जोह रहे नेताओं के सामने क्राइटेरिया साफ कर दिया है। इस बार ऑब्जर्वर भी तैनात किए जाएंगे।

माना जा रहा है कि दिल्ली से लौटे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल अब जल्द ही निगम मंडल में नियुक्तियां कर सकते हैं। इस बार मध्य प्रदेश भाजपा में निगम मंडल के लिए एक अनार सौ बीमार के हालात हैं। वजह मंत्री पद से छूटे विधायक भी इसी कतार मे हैं और पूर्व विधायक भी। इनके अलावा जिन्होने संगठन में रहकर विधानसभा और लोकसभा चुनाव में अपनी परफार्मेंस दी है, उन्हें भी उम्मीद है कि उनकी मेहनत को इन नियुक्तियों में मान मिलेगा। हांलाकि पार्टी ने निगम मंडल में होने वाली नियुक्तियों के ऐलान से पहले ही सेट किए गए फिल्टर बता दिए हैं। इन नियुक्तियों को लेकर जो लोग दिल्ली–भोपाल एक किए हुए हैं उन्हें स्पष्ट हो गया है कि पार्टी का क्राइटिरिया क्या होगा और कौन सा दांव बाजी पलट भी सकता है। भाजपा की इंटरनल बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री ने ये बता दिया है कि निगम मंडल में क्राइटेरिया केवल कार्यकर्ता होना है। ना परिवारवाद का दबाव चलेगा ना ही नेताओं की सिफारिशें।

दिल्ली में हुई बैठक के बाद सूची की संभावना बढ़ी

बीते दिनों दिल्ली में मध्य प्रदेश के सांसदों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की बैठक हुई। बैठक में पार्टी प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, सह सगंठन महामंत्री सतीश उपाध्याय समेत संगठन महामंत्री अजय जामवाल मौजूद थे। इस बैठक के बाद ये माना जा रहा है कि पार्टी में निगम मंडलों की नियुक्ति वाले नेताओं की सूची जल्द जारी हो सकती है।

निगम मंडल में कार्डिनेशन के लिए ऑब्जर्वर भी

इस बार निगम मंडल में नियुक्ति के साथ-साथ को-ऑर्डिनेशन बना रहे, इसके लिए पार्टी ऑब्जर्वर भी नियुक्ति करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने निगम मंडलों में नियुक्ति से पहले ये मैसेज पार्टी की महत्वपूर्ण कही जाने वाली इकाई जिलाध्यक्षों तक पहुंचा दिया है। जिला अध्यक्षों को संबोधित करते हुए हेमंत खंडेलवाल ने यह बात साफ कर दी थी। लेकिन इशारों में पार्टी में नीचे तक संदेश पहुंचा दिया गया। उन्होने पॉलीटिक्स में पट्ठा संस्कृति पर सीधे प्रहार करते हुए कहा था कि आपको किसी नेता ने नहीं बल्कि पार्टी ने जिला अध्यक्ष बनाया है। इसलिए पार्टी और कार्यकर्ता आपकी प्रथामिकता में होना चाहिए। खंडेलवाल ने परिवारवाद को लेकर भी चेताया और स्पष्ट कर दिया कि नियुक्तियों में को-ऑर्डिनेशन के लिए संगठन स्तर पर पर्यवेक्षक भी नियुक्त होंगे।

मप्र में उलझ सकता है प्रमोशन का मामला

भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता। मध्य प्रदेश के अधिकारियों–कर्मचारियों को नौ वर्ष बाद पदोन्नति मिलने की आस नए नियमों से जागी थी, लेकिन उन्हें प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है। सामान्य वर्ग के कर्मचारियों द्वारा हाई कोर्ट में नए नियमों को चुनौती देने से मामला उलझ गया है। दरअसल, पदोन्नति का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है।

12 अगस्त को होगी सुनवाई

मध्य प्रदेश सरकार ने हाई कोर्ट के उसे आदेश को चुनौती दी है जिसमें 2002 के पदोन्नति नियमों को निरस्त किया गया था। हाई कोर्ट ने सरकार से यही पूछा है कि जब आपने नए नियम बना लिए तो फिर सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस क्यों नहीं ली। 12 अगस्त को हाई कोर्ट जबलपुर में सुनवाई प्रस्तावित है। इसमें सरकार द्वारा दिए जाने वाले जवाब से निर्धारित होगा कि पदोन्नति का रास्ता खुलेगा या नहीं।

नियम 2002 में निरस्त किया था

हाई कोर्ट ने 2016 में पदोन्नति नियम 2002 को निरस्त कर दिया था। पदोन्नत कर्मचारियों को पदावनत करने के भी निर्देश थे। चूंकि, सरकार ऐसा नहीं करना चाहती थी इसलिए हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। यहां से सरकार को इतनी राहत मिली कि जब तक अंतिम निर्णय नहीं हो जाता तब तक यथास्थिति बनाकर रखी जाए। तभी से पदोन्नतियां बंद हैं। सरकार ने जून 2025 में नए नियम बनाकर अधिसूचित कर लागू कर दिए लेकिन न तो सुप्रीम कोर्ट में दायर विशेष अनुमति याचिका वापस ली और न ही पुराने नियम से पदोन्नत हुए कर्मचारियों को पदावनत किया। हाई कोर्ट ने नए और पुराने नियम के अंतर को स्पष्ट करने के साथ इस बात पर सरकार से जवाब मांग लिया कि याचिका सुप्रीम कोर्ट से वापस क्यों नहीं ली गई। जब नियम तैयार हो रहे थे, तब भी यह विषय उठा था लेकिन इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने दिए यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश

सूत्रों का कहना है कि सरकार इस मुद्दे पर अभी चुप्पी साधे है और वरिष्ठ अधिवक्ताओं से परामर्श कर रही है। उधर, सामान्य, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था के पदाधिकारियों का कहना है कि पुराने नियम निरस्त करने के आदेश में ही आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों को पदावनत करने के भी निर्देश हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। यदि याचिका वापस ली जाती है तो उसे हाई कोर्ट के आदेश का पालन करना होगा। यही कारण है कि मामला उलझा हुआ प्रतीत हो रहा है। हालांकि, सरकार यह बात प्रमुखता से कोर्ट के सामने रखेगी कि हम सशर्त पदोन्नति दे रहे हैं, जो सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के निर्णय के अधीन रहेगी। यह बात नियम में भी स्पष्ट की गई है।

भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ पर 13 अगस्त को मांग दिवस का आह्वान

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत छोड़ो, कॉरपोरेट खेती छोड़ो

भोपाल, प्रात : किरण संवाददाता। भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ के अवसर पर देश के किसान बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत छोड़ो – कॉरपोरेट कपनियाँ खेती छोड़ो का नारा बुलंद करेंगे। रक्षा बंधन का पर्व होने के चलते 13 अगस्त 2025 को मांग दिवस मनाने का आह्वान किया गया है।

इस दिन बहुराष्ट्रीय कंपनियों की समर्थक नीतियों का पुतला दहन करने के साथ देश भर में उठायी जा रही 11 मांगों के साथ मध्यप्रदेश में अतिवृष्टि, जलभराव, खाद बीज की काला बाजारी सहित स्थानीय मांगे भी उठायी जायेंगी। मध्यपदेश संयुक्त किसान मोर्चे की कल किसान जागृति संगठन के नेता इरफ़ान जाफरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस आव्हान को प्रदेश के सभी जिलों में कामयाब बनाने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में एस के एम ने प्रदेश के जिला तथा संभागीय स्तर के सभी किसान संगठनों को इस आन्दोलन से जोड़ने का मंसूबा भी बनाया है। उक्त जानकारी अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव बादल सरोज ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में दिया हैं।

मांग दिवस की मांगों में अमरीका सहित भारत के हितों को नुक्सान पहुंचाने वाले विशेष व्यापार समझौते न करने, अमेरिका द्वारा थोपे गए 25फीसदी टैरिफ का विरोध करने, नेशनल पॉलिसी फ्रेमवर्क ऑन एग्रीकल्चरल मार्केटिंग तथा नई नेशनल कोऑपरेटिव पॉलिसी रद्द करने, सी–2 फार्मूले पर सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी और सरकारी खरीद सुनिश्चित करने, समग्र कर्ज माफी करने, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों द्वारा उत्पीड़न बंद करने, बिजली क्षेत्र के निजीकरण और स्मार्ट मीटर पर रोक लगाने, लंबित बिजली बिलों को माफ करते हुए ग्रामीण क्षेत्र को 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने और ग्रामीण इलाकों को प्रति दिन 18 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, पंजाब सहित सभी जगह लैंड पूलिंग नीति को को खारिज करते हुए 2013 का भूमि अधिग्रहण अधिनियम सख्ती से लागू करने, सभी सरकारी पेंशन 10,000 प्रति लाभार्थी देने, कानून बनाकर पेंशन (वृद्धावस्था, विधवा, विकलांग) को मौलिक अधिकार बनाने, पुराने ट्रैक्टरों पर प्रतिबंध लगाने की सरकारी नीति को वापस लेने, वन अधिकार अधिनियम 2006 को इसकी मूल भावना में लागू करते ही आदिवासी और अन्य वनवासियों का विस्थापन तथा जंगलों की कटाई रोकने और कॉरपोरेट खनन कंपनियों और रियल एस्टेट द्वारा किये जा रहे पर्यावरणीय विनाश को बंद करने। प्राथमिक स्कूलों को बंद करने की नीति पर रोक लगाने, पुलिस और प्रशासन द्वारा समर्थित साम्प्रदायिक हिंसा को रोकने, मछुआरा समुदाय से मुफ्त में नदी में मछली पकड़ने के अधिकार छीनने का आदेश वापस लेने की मांगें शामिल हैं।

इस बैठक में इरफ़ान जाफरी के अलावा अखिलेश यादव, अशोक तिवारी (मप्र किसान सभा बीटीआर भवन) प्रहलाद बैरागी, जनक राठौर (मप्र किसान सभा शाकिर सदन), मनीष श्रीवास्तव (आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन) रवि वर्मा प्रवक्ता, (भारतीय किसान यूनियन टिकैत) आराधना भार्गव (किसान संघर्ष समिति), उमेश तिवारी (टोको, रोको, ठोको संगठन), विजय कुमार (आल इंडिया किसान क्रांतिकारी सभा), बुद्धसेन सिंह गोंड, रामनारायण कुररिया (मप्र आदिवासी एकता महासभा), राम जगदीश दांगी (बीकेयू) आदि शामिल हुए। इनके अलावा नर्मदा बचाओ आन्दोलन, एन ए पी एम, क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन ने भी अपनी सहमति जताई है। इस बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा (अजय भवन) के अध्यक्ष राजेन्द्र क्षीरसागर, किसान संघर्ष समिति के डॉ सुनीलम तथा अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव बादल सरोज ने भी राय रखी।

इनामी नक्सलियों का सरेंडर, सुरक्षा एजेंसियों को मिली बड़ी कामयाबी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति तथा नियद नेल्लानार योजना से प्रभावित होकर बीजापुर जिले में 24 लाख रुपये के 6 इनामी नक्सलियों सहित कुल 9 नक्सलियों ने पुलिस के आला अफसरों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसमर्पण करने वालों में माड़ डिविजन, दक्षिण बस्तर डिविजन और डीजीएन डिविजन के सदस्य शामिल हैं। जिनमें कंपनी नंबर 01, प्लाटून 12 एवं 13 के एसीएम, तकनीकी टीम व भूमकाल मिलिशिया कमांडर जैसे नक्सली हैं। नक्सलियों ने डीआईजी कमलोचन कश्यप व पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेंद्र कुमार यादव व अन्य सुरक्षाबलों के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में बक्सू ओयाम पार्टी सदस्य, माड़ डिविजन कंपनी नं. 01 (इनाम 8 लाख), बुधराम पोटाम एसीएम प्लाटून नं. 12 (इनाम 5 लाख), हिड़मा ऊर्फ हिरिया एसीएम प्लाटून नं. 13 (इनाम 5 लाख), मंगू उईका ऊर्फ टोग्गी तकनीकी टीम सदस्य, दक्षिण बस्तर डिविजन इनाम (2 लाख), रोशन कारम ऊर्फ सोनू पार्टी सदस्य, चिन्नापल्ली एरिया कमेटी, डीजीइन डिविजन (इनाम 2 लाख), मंगलों पोड़ियाम पार्टी सदस्य, भैरमगढ़ एरिया कमेटी (इनाम 2 लाख), कमलू हेमला ऊर्फ कुम्मा डीएकेएमएस सदस्य, फुलादी आरपीसी, बुधराम हेमला डीएकेएमएस सदस्य, फुलादी आरपीसी व पण्डरू पूनेम ऊर्फ पदखूटा भूमकाल मिलिशिया कमांडर, मनकेली शामिल है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50,000–50,000 के चेक प्रदान किए गए। वहीं दूसरी ओर 1 जनवरी 2025 से अब तक जिले में 277 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं 310 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। जबकि मुठभेड़ में 131 नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने नक्सलियों से अपील की कि वे भटकी राह छोड़कर शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा में लौटें।

साइबर फ्रॉड का डबल वार, दो लोगों से ठगे करीब 6 लाख रुपये

छत्तीसगढ़, प्रातः किरण संवाददाता। बलौदाबाजार जिले में साइबर फ्रॉड के दो अलग मामले सामने आए हैं। पहले मामले में सिमगा के शीतला पारा निवासी 24 वर्षीय भावेश जगवानी से 2 लाख की ठगी की गई है, वहीं दूसरे मामले में दामाखेड़ा गांव के शिक्षक ठाकुरदास मानिकपुरी से 3.65 लाख ठग लिए गए। मिली जानकारी के मुताबिक, भावेश ने 8 मार्च की शाम करीब 5 बजे अपने मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से आए वीडियो कॉल को उठाया। उस समय वह बाथरूम में था।

कॉलर ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया और वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। डर की वजह से भावेश ने फोन पे के जरिए अलग–अलग बार में 2 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। मामले की शिकायत सिमगा थाने में की गई है। पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दूसरे मामले में शिक्षक ठाकुरदास ने बताया कि 31 जनवरी से 2 मार्च के बीच उनके खाते से गूगल पे के माध्यम से अलग–अलग किस्तों में कुल 3.65 लाख निकाले गए। उन्हें इसकी जानकारी तब हुई, जब उनके मित्र नारायण लाल यादव ने फोन कर पूछा कि क्या उन्होंने 60 हजार ट्रांसफर किए हैं। ठाकुरदास ने जब बैंक जाकर ट्रांजैक्शन हिस्ट्री चेक की, तब पूरी ठगी का पता चला। उन्होंने 4 मार्च को सिमगा के भारतीय स्टेट बैंक में शिकायत की। थाना प्रभारी ऋषेश मिश्रा ने बताया कि दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

युवा सिख रहे हैं सपनों को साकार करने की कला

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिला बेमेतरा के नवागढ़ ब्लॉक स्थित ग्राम टेमरी में 15 जुलाई से 13 अगस्त 2025 तक राजमिस्त्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण एसबीआई आरसेटी बेमेतरा (रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट) के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण के तहत प्रतिभागियों को राजमिस्त्री का व्यावसायिक कौशल सिखाने के साथ–साथ बैंकिंग ज्ञान और उद्यमिता विकास की भी जानकारी दी जा रही है, जिससे वे भविष्य में स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो सकें।

आरसेटी की जिले में शुरुआत

नए जिले के गठन के पश्चात इस वित्तीय वर्ष से ग्रामीण विकास मंत्रालय की पहल पर एसबीआई आरसेटी बेमेतरा की शुरुआत की गई है। यह संस्थान फिलहाल सिमगा रोड स्थित ग्राम चोरभट्ठी के लाइवलीहुड कॉलेज परिसर में अस्थायी रूप से संचालित किया जा रहा है। यहां 18 से 45 वर्ष के बीच के बेरोजगार युवक–युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण दिया जाता है।

आरसेटी के तहत लगभग 70 अलग–अलग विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, जिनमें ब्यूटी पार्लर संचालन, महिला एवं पुरुष सिलाई, मोबाइल व मोटरसाइकिल रिपेयरिंग, एसी–फ्रिज मरम्मत, सीसीटीवी कैमरा इंस्टॉलेशन, अगरबत्ती, मोमबत्ती, आचार, बड़ी–पापड़ निर्माण, मछली पालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन आदि प्रमुख हैं। इस संस्थान का उद्देश्य युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना तथा बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना है ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

छत्तीसगढ़ को मिला खनिजों का खजाना, महासमुंद में हुआ बड़ी खोज का खुलासा

रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता। राज्य में खनिज विकास के क्षेत्र में बड़ी कामयाबी मिली है। महासमुंद जिले में निकेल, क्रोमियम और प्लेटिनम समूह के तत्वों (पीजीई) की खोज से प्रदेश को नई पहचान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस खोज को रणनीतिक खनिजों के क्षेत्र में ऐतिहासिक छलांग माना जा रहा है। यह खोज भालुकोना–जामनीडीह ब्लॉक में की गई है, जो करीब 3000 हेक्टेयर में फैला हुआ है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) द्वारा इस क्षेत्र में पहले से संभावना जताई गई थी, जिसके बाद राज्य के खनिज संसाधन विभाग ने इस ब्लॉक की ई–नीलामी कराई। मेसर्स डेक्कन गोल्ड माइनिंग लिमिटेड (डीजीएमएल) ने 6 मार्च 2023 को हुई नीलामी में 21 प्रतिशत की सबसे ऊंची बोली लगाकर यह ब्लॉक हासिल किया। अन्वेषण की अनुमति मिलने के बाद कंपनी ने तेजी से काम शुरू किया और अब तक की रिपोर्ट्स में खनिजों की उपस्थिति की पुष्टि हुई है।

इतना खनिज मिलने के संकेत

प्रारंभिक सर्वे में करीब 700 मीटर लंबी खनिज पट्टी और 300 मीटर गहराई तक सल्फाइड खनिजों के संकेत मिले हैं। सर्वेक्षण में ड्रोन, रॉक सैंपलिंग और भूभौतिकीय तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। यह ब्लॉक मैफिक–अल्ट्रामैफिक चट्टान संरचनाओं में स्थित है, जो निकल और पीजीई जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के लिए उपयुक्त मानी जाती हैं।

भालुकोना के पास ही स्थित केलवरडबरी ब्लॉक पहले ही वेदांता लिमिटेड को नीलामी में मिला था। इन दोनों क्षेत्रों के संयुक्त विकास से महासमुंद जिले को भारत के रणनीतिक खनिजों के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरने का अवसर मिलेगा। अब तक छत्तीसगढ़ में 51 खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी की जा चुकी है। इनमें निकल, क्रोमियम, पीजीई, लिथियम, ग्रेफाइट, फास्फोराइट जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण खनिज शामिल हैं। इसके अलावा छह टिन ब्लाकों को केंद्र सरकार को नीलामी के लिए सौंपा गया है।

विशेषज्ञों की राय

विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज सिर्फ खनिज संपदा की पुष्टि नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ को हरित ऊर्जा, राष्ट्रीय सुरक्षा और हाई–टेक तकनीकों के लिए जरूरी खनिजों का प्रमुख स्रोत बनाने की दिशा में एक मजबूत नींव है।

क्रिटिकल मिनिरल सेल का गठन

राज्य सरकार की ओर से खनिज अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए क्रिटिकल मिनरल सेल का गठन किया गया है, जो शोध संस्थानों और उद्योगों के साथ मिलकर रणनीतिक खनिजों की खोज और परिशोधन पर काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस खोज पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह खोज आत्मनिर्भर भारत की दिशा में राज्य का अहम योगदान है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैज्ञानिक और सुनियोजित खनिज विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। खनिज संसाधन विभाग के सचिव पी. दयानंद ने कहा कि यह केवल एक वैज्ञानिक खोज नहीं, बल्कि रणनीतिक सफलता है। हरित ऊर्जा और हाई–टेक तकनीकों के लिए आवश्यक खनिज जैसे निकल और प्लेटिनम समूह के तत्व भविष्य की तकनीकों की रीढ़ बनेंगे।

ई20 पेट्रोल से माइलेज घटा ? - ईंधन में बदलाव और उपभोक्ताओं की चिंता

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत सरकार ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाने और पर्यावरण के प्रति ज़िम्मेदार रुख अपनाने के तहत पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की नीति को तेजी से लागू कर रही है। देशभर में अब ई10 (10% एथेनॉल मिश्रित) से बढ़कर ई20 (20% एथेनॉल मिश्रित) पेट्रोल की ओर कदम बढ़ाया जा चुका है और अगले लक्ष्य ई27 तक जाने की तैयारी है। लेकिन जैसे-जैसे सरकार एथेनॉल की मात्रा बढ़ा रही है, वैसे-वैसे गाड़ियों के मालिकों के बीच भ्रम, चिंता और विरोध की स्थिति बनती जा रही है। एक हालिया सर्वे के अनुसार, दो-तिहाई वाहन मालिक ई20 को अनिवार्य बनाए जाने का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि इससे माइलेज घटा है, इंजन को नुकसान हो सकता है और मरम्मत का खर्च भी बढ़ा है। तो क्या वाकई एथेनॉल मिला पेट्रोल वाहन मालिकों के लिए सिरदर्द बन गया है? या फिर यह परिवर्तन भविष्य के लिए जरूरी एक कदम है जिसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए? भारत सरकार के एथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम के तहत पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने की नीति लागू की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य है पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता घटाना, गन्ना किसानों को नया बाजार देना, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना। ई10 यानि पेट्रोल में 10% एथेनॉल, ई20 यानि 20% एथेनॉल, ई27 यानि 27% एथेनॉल। 2025 तक सरकार का लक्ष्य है कि देशभर में पूरी तरह से ई20 पेट्रोल लागू हो जाए। कई ऑटो कंपनियां भी ई20- कम्प्लायंट गाड़ियां लॉन्च कर चुकी हैं। लोकल सर्किल्स नामक एजेंसी द्वारा किए गए एक सर्वे में चौकाने वाले नतीजे सामने आए। प्रमुख निष्कर्ष है कि 66% वाहन मालिकों ने कहा है कि ई20 को अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। 44% वाहन मालिक चाहते हैं कि सरकार ई20 को वापस ले। 22% लोगों की राय है कि उपभोक्ताओं को ई0, ई10, और ई20 चुनने का विकल्प मिलना चाहिए। माइलेज में 1 से 5% तक की कमी की बात कई लोगों ने कही है। कई लोगों को वॉरंटी समाप्त होने का डर भी है क्योंकि उनके वाहन सिर्फ ई10 के लिए डिजाइन किया गया है। इंजीनियरिंग और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों का मानना है कि एथेनॉल मिले पेट्रोल का इंजन पर असर इस बात पर निर्भर करता है कि वह वाहन ई20 के लिए डिजाइन किया गया है या नहीं। 2023 से पहले की गाड़ियों में ई20 को लेकर बदलाव नहीं हुए हैं। ई20 का लगातार उपयोग रबर, प्लास्टिक और एलुमिनियम पार्ट्स को नुकसान पहुंचा सकता है। इंजन में जंग लगने की आशंका। गाड़ी की परफॉर्मेंस और माइलेज में गिरावट। मेंटेनेंस खर्च में इजाफा होगा। 2023 के बाद के अधिकांश नए मॉडल्स ई20 कम्प्लायंट हैं। इनमें इंजन, फ्यूल सिस्टम और गैसकेट में आवश्यक सुधार किए गए हैं। कुछ कंपनियों ने ई85 तक कम्प्लायंट वाहन भी तैयार कर लिए हैं (अमेरिका में प्रचलित)। सरकार का कहना है कि एथेनॉल की एनर्जी डेंसिटी पेट्रोल से कम होती है, इसलिए माइलेज में 1-2% की मामूली कमी आ सकती है। पुराने इंजन में यह कमी 3-6% तक हो सकती है। ई20 कम्प्लायंट इंजन में माइलेज लगभग समान रहता है। लेकिन कई लोग 5-10% तक माइलेज घटने की बात कर रहे हैं। कुछ मामलों में माइलेज में 15% तक गिरावट बताई गई है। इसका सीधा असर जेब पर पड़ता है। एथेनॉल की रासायनिक प्रकृति ऐसी है कि यह हाईड्रोस्कोपिक होता है यानि हवा से नमी खींचता है। इससे फ्यूल लाइन में पानी आ सकता है और जंग लग सकता है। ई20 पेट्रोल से कार्बोरेटर, फ्यूल पंप, गैसकेट और अन्य हिस्से जल्दी खराब हो सकते हैं। पुराने वाहनों में 30,000 किमी के बाद रिप्लेसमेंट की जरूरत हो सकती है। इन सब कारणों से वाहन मालिकों को लगता है कि मेंटेनेंस कॉस्ट बढ़ रही है। इंजन की लाइफ घट रही है। वॉरंटी पर क्लेरिटी नहीं है। वाहन निमार्ता कंपनियों के अधिकांश यूजर मैनुअल में लिखा होता है कि वाहन केवल ए10 पेट्रोल के लिए डिजाइन किया गया है। अब अगर उसमें ई20 भरवा रहे हैं तो कई सवाल खड़े होते हैं, क्या वॉरंटी वैलिड रहेगी? क्या इंजन फेल होने पर कंपनी जिम्मेदार होगी? क्या ग्राहकों को इसकी जानकारी दी गई? सरकार और कंपनियों को इस पर स्पष्ट नीति बनानी होगी जिससे ग्राहकों की चिंता दूर हो सके। सरकार का एक बड़ा तर्क यह है कि एथेनॉल मिला पेट्रोल देश की अर्थव्यवस्था के लिए फायदेमंद है और इसे सस्ता मिलना चाहिए। लेकिन वास्तविकता यह है कि फिलहाल ई10, ई20 और रेगुलर पेट्रोल की कीमतें लगभग समान हैं। ग्राहकों को कोई प्रत्यक्ष छूट या बेनिफिट नहीं मिल रहा है। माइलेज घटने के बाद प्रतिलीटर खर्च बढ़ रहा है। ऐसे में वाहन मालिक पूछ रहे हैं कि अगर माइलेज घट रहा है, इंजन को खतरा है और कीमत में कोई अंतर नहीं है तो फायदा क्या है?

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

वस्त्र राज्य मंत्री श्री पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरूआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया। हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72% महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है। एक स्थायी विरासत भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग। एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के ह्यआँगनह्व के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है। पूर्वोत्तर: अवसरों का एक करघा देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52% पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैं और 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिजाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है।

सवाल जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता का?

इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल कानूनी प्रक्रिया के चलते अ‌ळ्र द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सजा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे। इसी तरह वअढअ के तहत सजा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सजा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया।

निर्मल रानी

(लेखिका वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की कारगुजारियों पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आखिर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की जिम्मेदारी आखिर किस एजेंसी की है? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई? गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाई कोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फैसला सुनाया। इस फैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। गौर तलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोजाना लाखों यात्री सफर करते हैं। इसी तरह का दूसरा फैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एन आई ए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक जिले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाके में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फोट में फरहीन उर्फ शगुफ्ता शेख लियाकत, शेख मुश्ताक यूसुफ, शेख रफीक मुस्तफा, इरफान जियाउल्लाह खान, सैयद अजहर सैयद निसार, और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमजान के पवित्र महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था। । इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ़्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (वअढअ), भारतीय दंड संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फोटक सामग्री यानी आर डी एक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय ए टी एस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन अभिनव भारत की साजिश के तहत किया गया था। इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के खिलाफ एक मामले में सी बी आई की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फैसला सुनाते हुये कहा कि सी बी आई को लंबी जांच के बाद भी जैन के खिलाफ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ई डी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की। क्योंकि एऊने जैन के घर से नकद या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ई डी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे। उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का जिक्र यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल है प्रोफाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्खियां बटोरी थीं और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीके से ह्यमिडिया ट्रायल ह्व भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठने लाजिमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सजा नहीं होनी चाहिये। जाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है। परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सजा की दर केवल 1% होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती हैं?

पहाड़ों का सर्वनाश: उत्तराखंड की आखिरी चेतावनी

वरना वह दिन दूर नहीं जब उत्तराखंड का हर गांव एक थराली बन जाएगा-और फिर हम सिर्फ शोक सभा कर पाएंगे, समाधान नहीं। आज समय है संकल्प लेने का। समय है यह स्वीकार करने का कि हमने गलती की है-और समय है उसे सुधारने का। अगर अभी नहीं चेते, तो हम इतिहास में दर्ज हो जाएंगे-उन लोगों के रूप में, जिन्होंने देवभूमि को विनाशभूमि बना दिया। अगर अब भी हम नहीं रुके, तो अगली बार यह हादसा किसी और गांव में नहीं, आपके दरवाजे पर दस्तक देगा। दिल्ली, देहरादून, हल्द्वानी, मसूरी-कोई सुरक्षित नहीं बचेगा। उत्तराखंड सिर्फ एक राज्य नहीं, वह एक चेतना है। उसे बचाना केवल स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी नहीं, यह पूरे देश की जिम्मेदारी है। सरकारों को अब सिर्फ घोषणाएं नहीं, कठोर और साहसी निर्णय लेने होंगे।

डॉ सत्यवान सौरभ

लेखक

उत्तरकाशी के थराली में बादल फटा। चार लोग मारे गए, पचास से अधिक लापता हैं। पूरा का पूरा गांव मिट्टी में मिल गया। पहाड़ एक बार फिर चीख पड़ा है-मगर इस बार उसकी चीख में सिर्फ पीड़ा नहीं, बल्कि आक्रोश है। वर्षों से सहते-सहते अब पहाड़ों ने जवाब देना शुरू कर दिया है। और यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हमारी बनाई हुई त्रासदी है। हमने पहाड़ों को छेड़ा, उन्हें काटा, उन्हें चीर दिया-और अब वे टूटने लगे हैं, बिखरने लगे हैं। उत्तराखंड, जिसे देवभूमि कहा जाता था, अब आपदाओं की भूमि बन गया है। बारिश, भूस्खलन, बादल फटना, नदी का रुख बदल जाना-अब ये आम हो गया है। हर मानसून एक गांव बहा ले जाता है, हर बरसात किसी के घर उजाड़ जाती है, और हर बारिश एक नई लाश गिनती है। लेकिन इसके बावजूद सरकारें चुप हैं, योजनाएं गूंगी हैं और जनता बेबस। जिसे हम विकास कहते हैं, दरअसल वह विनाश का दूसरा नाम बन चुका है। पहाड़ों पर सड़कें बनाने के लिए डायनामाइट से विस्फोट किए जाते हैं। पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती है। पूरी की पूरी पर्वत श्रृंखलाएं काटी जाती हैं, ताकि टनल बने, चौड़ी सड़कें बनें, जल परियोजनाएं बनें। लेकिन ये सब किस कीमत पर? प्रकृति की शांति और संतुलन को तोड़कर हम क्या हासिल कर रहे हैं? जो सड़कें सुरक्षा लानी चाहिए थीं, वे अब मौत की राह बन गई हैं। जो टनल सुगमता का वादा करती थीं, वे अब आपदा का द्वार बन चुकी हैं। पर्यटन के नाम पर उत्तराखंड का जिस तरह से दोहन किया जा रहा है, वह अभूतपूर्व है। सैकड़ों गाड़ियाँ, हजारों पर्यटक, प्लास्टिक का पहाड़, ट्रैफिक की कतारें-यह सब मिलकर उत्तराखंड के पर्यावरण पर ऐसा बोझ डाल रहे हैं, जिसे अब पहाड़ सह नहीं पा रहे। कभी यहां गर्मियों में पंखा नहीं चलता था, अब अक्टूबर में भी लोग एसी चला रहे हैं। यह सिर्फ जलवायु परिवर्तन नहीं, यह चेतावनी है कि हमने अपनी सीमाएं पार कर दी हैं। बाहरी लोग भारी संख्या में आकर जमीनें खरीद रहे हैं, घर बना रहे हैं, कॉलोनियां उगा रहे हैं। स्थानीय लोगों की जमीनें औने-पौने दामों में छीनी जा रही हैं। संस्कृति खतरे में है, भाषा गुम हो रही है, और पहचान मिट रही है। उत्तराखंड अब उत्तर-हाउसिंग प्रोजेक्ट बन चुका है। जो भूमि कभी साधु-संतों की थी, अब रियल एस्टेट माफिया की गिरफ्त में है। और सरकारें बस तमाशबीन बनी बैठी हैं। दिल्ली से उत्तराखंड तक एक्सप्रेसवे बनने वाला है। इस पर कोई गर्व महसूस कर सकता है, लेकिन जो लोग उत्तराखंड की आत्मा को जानते हैं, उन्हें पता है कि यह सड़क उस दरवाजे की आखिरी कड़ी होगी जो शांति की ओर जाता था। यह मार्ग विकास के नाम पर उत्तराखंड की आत्महत्या की कहानी बन जाएगा। अभी तो वीकेंड में ही दिल्ली से हजारों लोग आते हैं, सोचिए जब यह सड़क पूरी होगी और हर दिन लाखों की भीड़ पहाड़ों पर चढ़ेगी-तब क्या बचेगा यहां? विनाश का यह सिलसिला नियमों की कमी से नहीं, नियत की कमी से है। पर्यावरणीय रिपोर्टें बस एक औपचारिकता बन चुकी हैं। परियोजनाओं को मंजूरी देने वाले अधिकारी जानते हैं कि उनका हर हस्ताक्षर एक पेड़ को मार रहा है, एक चट्टान को कमजोर कर रहा है, एक गांव को डुबो रहा है। लेकिन धन, पद और प्रभाव के आगे ये सारी चेतावनियां बेअसर हो जाती हैं। इसीलिए तो आज स्थिति यह है कि हिमालय जैसा अचल पर्वत भी थरथराने लगा है। यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह हमारी नैतिक विफलता भी है। हमने न सिर्फ पेड़ काटे, बल्कि भरोसे भी काट डाले। नदियों की धारा मोड़ी, तो साथ में भविष्य भी मोड़ दिया। हम भूल गए कि हिमालय सिर्फ बर्फ से नहीं बना, वह आस्था से बना है, संतुलन से बना है। और इस संतुलन को तोड़ने की हमारी कोशिश अब हर बरसात में लाशों की गिनती बढ़ाकर जवाब दे रही है। समाधान कठिन है, पर असंभव नहीं। हमें तत्काल प्रभाव से नई निर्माण परियोजनाओं पर रोक लगानी होगी। पहाड़ों की सहनशीलता को विज्ञान से नहीं, विवेक से समझना होगा। पर्यटन को सीमित करना होगा-उसके लिए ह्यउं११८ल्लॅ उंस्रंू३८ह्ल जैसी अवधारणाओं को गंभीरता से लागू करना होगा। पर्यटकों की संख्या तय हो, वाहनों की सीमा तय हो, और सबसे जरूरी-स्थानीय लोगों की भागीदारी के बिना कोई भी निर्णय न लिया जाए। जमीन की खरीद-फरोख्त पर रोक लगानी होगी। यह जरूरी है कि कोई बाहरी व्यक्ति पहाड़ में जमीन खरीदने से पहले उस भूमि की संस्कृति और पारिस्थितिकी को समझे। नहीं तो वह सिर्फ एक नया खतरा लेकर आएगा। शिक्षा के स्तर पर हमें जलवायु संकट और पर्यावरणीय जागरूकता को स्कूलों से जोड़ना होगा। बच्चों को यह सिखाना होगा कि पेड़ सिर्फ ऑक्सीजन नहीं देते, वे पहाड़ों को थामे रहते हैं। नदी सिर्फ पानी नहीं देती, वह जीवन देती है। चट्टानें सिर्फ पत्थर नहीं होतीं, वे इतिहास, भूगोल और संस्कृति की नींव होती हैं। इस समय जब थराली का गांव कीचड़ में दबा पड़ा है, और सैकड़ों परिजन अपनों को ढूंढ रहे हैं-हमें यह समझना चाहिए कि यह शुरूआत नहीं है, यह आखिरी चेतावनी है। अगर अब भी हम नहीं रुके, तो अगली बार यह हादसा किसी और गांव में नहीं, आपके दरवाजे पर दस्तक देगा। दिल्ली, देहरादून, हल्द्वानी, मसूरी-कोई सुरक्षित नहीं बचेगा। उत्तराखंड सिर्फ एक राज्य नहीं, वह एक चेतना है। उसे बचाना केवल स्थानीय लोगों की जिम्मेदारी नहीं, यह पूरे देश की जिम्मेदारी है। सरकारों को अब सिर्फ घोषणाएं नहीं, कठोर और साहसी निर्णय लेने होंगे।

बिहार में चल रहा सियासी चतुर्मास

ब्रह्मेन्द्र झा

मान्य परंपरा के अनुसार भारतीय पंचांग में इन दिनों चतुर्मास शुरू है, अर्थात श्रावण, भाद्र, आश्विन व कार्तिक मास। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जगत के पालनहार इस अवधि में शयन में चले जाते हैं। इस दौरान सभी प्रकार के मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। खैर, इन बातों को फिलहाल रहने दीजिए। हमारे बिहार में तो अभी एक अलग किस्म का चतुर्मास चल रहा है, जिसे हम सियासी चतुर्मास कह सकते हैं। सावन शुरू होते ही वर्षा से वसुधा जलमग्न होती है तो दूसरी ओर सियासी जमीन को भी सरस किया जा रहा है। शिव के प्रिय इस मास में समाजसेवी के रूप में हर सियासी पहलवान भी शिव की ही तरह अपने अनुयायी ही हर किसी के लिए सहज और सुलभ होते जा रहे हैं। सावन में रक्षाबंधन भी होगा तो सियासी महारथी भी सभी को भाई और बहन मानने में थोड़ा भी नहीं हिचकेंगे। लीलापुरुष भगवान श्रीकृष्ण के जन्ममास भादो में हर सियासी योद्धा कर्मयोगी बनकर जनता रूपी जनार्दन को गले लगाने, मनाने रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। इसी दौरान निर्माण के देवता विश्वकर्मा का स्मरण करते हुए सियासी समीकरणों का निर्माण होगा। दलों की दीवारों को तोड़ा और जोड़ा जाएगा। कई मिथक टूटेंगे, कई मुद्दों को गढ़ा जाएगा, कई सियासी सड़कों का निर्माण होगा। समय अपने हिसाब से मौसम के मिजाज के मुताबिक बीतता जाएगा तो राजनीति भी मतदाताओं के मूड के मुताबिक अपनी रफ़्तार में बढ़ती जाएगी। आश्विन में पितृपक्ष होगा तो हम अपने पूर्वजों का स्मरण करेंगे। सियासी साधक भी राजनीतिक पितरों का स्मरण करेंगे। स्थानीय स्तर पर भी पूर्व के राजनीतिक पूर्वज याद किए जाएंगे। फिर, नवरात्रि आते हीं हमारे नायक भी विभिन्न रूपों में जनकल्याण के लिए संग्राम की मुद्रा में मुद्दा और माद्दा रूपी हथियार के साथ मैदान में आ जाएंगे। फिर, कार्तिक में तो कहीं दीपावली के दीप जलेंगे तो कहीं अमावस ही हावी रहेगा। बिहार में महापर्व छठ में भगवान की सूर्य की उपासना का समय होगा। सियासी आसमान में भी 243 सूर्य उगने को बेताब रहेंगे। फिर, राजनीति के घाट पर भी तरह तरह के पकवान परोसे जाएंगे । गोवर्धन पूजा भी होगी तो पशुचारा की भी चर्चा होगी। मतलब पर्व, त्योहार एवं तिथि विशेष से भरे इस चतुर्मास में लोकतंत्र के महापर्व में कसमों और वादों रूपी मंत्रोच्चार के साथ विकास बनाम जातिवाद, सुशासन बनाम भ्रष्टाचार, राष्ट्रवाद बनाम तुष्टीकरण, मुद्दा बनाम माद्दा, वगैरह, वगैरह...। सियासी पहलवानों की व्यक्तिगत कुंडली भी खंगाली जाएगी। नेताओं के बयानों का गंभीर अध्ययन का दौर चलेगा। स्लीप आफ टंग भी रंग दिखा सकता है। नित्य नये नये नारे गढ़े जाएंगे, पढ़े जाएंगे। कहीं जनतंत्र के जयकारे लगेंगे, जनतंत्र के खतरे को लेकर घड़ियाली आंसू बहाने वाले चिल्लाते मिलेंगे। माननीय बनने के लिए होने वाली मशक्कत के बीच मतदाताओं को भी मनोरंजन का अवसर मयस्सर होगा।इस प्रकार बिहार में सियासी चतुर्मास के कारण जनता रूपी जनार्दन को जगाया जाएगा। पंचांग के चतुर्मास के बीत जाने के बाद आखिरकार सियासी चतुर्मास भी नवंबर के अंतिम दिनों में समाप्त हो जाएगा। विनर और रनर दोनों गंगा स्नान कर अगले पांच साल तक के लिए हरिबोल के नामधुन में रम जाएंगे। 243 विजेताओं को पाटलिपुत्र की पावन धरती पर सुविधा संपन्न आशियाना उपलब्ध कराए जाएंगे। फिर तो..... भारत डॉलर विरोधी नहीं है, लेकिन वैश्विक वित्तीय प्रणाली में विविधता लाने, एकल मुद्रा पर निर्भरता कम करने और एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास के तहत, वह डॉलर पर निर्भरता कम करने का समर्थन करता है। यह रुपए के मूल्य को स्थिर करने और अपने अंतरराष्ट्रीय व्यापार को अधिक संतुलित बनाने के भारत के प्रयासों से भी प्रेरित है। भारत ने डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा के बहिर्वाह को कम करने के लिए रूस, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका और मॉरीशस जैसे देशों के साथ भारतीय रुपए में द्विपक्षीय व्यापार शुरू किया है। अब तक 20 से ज्यादा देशों ने घरेलू मुद्राओं में व्यापार निपटान को सुगम बनाने के लिए वोस्ट्रो खाते खोले हैं। भारत ब्रिक्स देशों के भीतर वैकल्पिक भुगतान तंत्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करता है, जैसे स्थानीय मुद्राओं का उपयोग या ब्रिक्स मुद्रा पर चर्चा, लेकिन उनकी व्यावहारिकता को लेकर सजग है। भारत वैश्विक व्यापार और वित्त में डॉलर के प्रभुत्व को समझता है और उसने इसके पूर्ण प्रतिस्थापन (या दूसरे शब्दों में, डॉलर-विमुद्रीकरण) का आह्वान नहीं किया है। इसके बजाय, वह कई आरक्षित मुद्राओं (जैसे यूरो, युआन और संभवतः रुपया) के सह-अस्तित्व का पक्षधर है। ब्रिक्स का सदस्य होने के बावजूद, भारत इस समूह को अमेरिका-विरोधी समूह के रूप में नहीं देखता। वह ब्रिक्स समूह को वैश्विक संस्थाओं में सुधार के लिए एक मंच के रूप में देखता है।

संक्षिप्त खबरें

नाले में डूबने से 15 वर्षीय किशोर की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जालौन,। जालौन कोतवाली क्षेत्र के गांव सौंसपुरा में मवेशी चराने गए 15 वर्षीय किशोर विक्की की नाले में डूबने से मौत हो गई। इस घटना से परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर फैल गई। विक्की बीते मंगलवार को मवेशियों को चराने निकला था। इस दौरान वह नाले के पास पहुंचा, जहां सम्भवतः फिसलकर पानी में गिर गया और डूब गया। कुछ देर बाद जब वह लौटकर नहीं आया, तो परिजनों ने उसे ढूंढ़ना शुरू किया। बुधवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ ग्रामीणों ने नाले में विक्की के शव को तैरते देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नाले से निकाला और कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारम्भिक जानकारी के अनुसार, यह एक दुर्घटना प्रतीत होती है। कोतवाली प्रभारी अजीत सिंह के मुताबिक जांच की जा रही है।

युवक की पानी भरे गड्ढे में गिरने से डूबकर मौत

मीरजापुर,। उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में चुनार थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात को पानी भरे गड्ढे में गिरकर डूबने से एक युवक की मौत हो गई है। युवक पी को लेने ससुराल आया था। चुनार थाना क्षेत्र के सक्तेशगढ़ चौकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि जौगढ़ गांव निवासी तौलन (30) की ससुराल बलुआ बजाहुर गांव में है। वह मायके रह रही पत्नी को लेने के लिए मंगलवार बीती रात ससुराल आया था। ससुरालियों ने बताया कि दामाद रात आठ बजे शौच के लिए बाहर गए और अंधेरे में पैर फिसलने से वह पानी भरे एक गड्ढे जा गिरे। दामाद के देर तक न लौटने पर उनकी खोजबीन शुरू की गई। काफी तलाश के बाद आधी रात को उनका शव पानी भरे गड्ढे में मिला। ग्राम प्रधान दुखरन सिंह की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकालकर अग्रिम कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम भेज दिया।

टेबिल फैन में उतरे करंट की चपेट में आकर दादा-पौत्र की मौत

शाहजहांपुर,। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जनपद में कांट थाना क्षेत्र में बुधवार की सुबह करंट की चपेट में आने से दादा और पौत्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। कांट थाना प्रभारी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि गांव अभायन निवासी जगदीश (50) के घर पर आज सुबह टेबिल फैन में करंट उतर आया। जगदीश के पौत्र राज कुमार (8) ने जैसे ही टेबिल फैन को छुआ तो वह करंट की चपेट में आ गया। पौत्र की चीख सुनकर दादा जगदीश ने उसे बचाने का प्रयास किया तो वो भी करंट की चपेट में आ गए और दोनों अचेत होकर गिर पड़े। परिवारीजन दोनों को लेकर राजकीय मेडिकल कालेज पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

धर्मपाल सिंह ने किया भाजपा कार्यालय के अटल कल्याण सभागार का शिलान्यास

लखनऊ,। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने बुधवार को कैसरबाग स्थित भाजपा लखनऊ महानगर कार्यालय के अटल कल्याण सभागार का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री संजय राय, प्रदेश उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी व महापौर सुषमा खर्कवाल व नीरज सिंह उपस्थित रहे। भाजपा के महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि अटल कल्याण सभागार के निर्माण हो जाने से पार्टी की बैठकें व छोटे कार्यक्रम यहीं हो सकेंगे। शिलान्यास के अवसर पर विधायक नीरज बोरा, एमएलसी मुकेश शर्मा, पूर्व सांसद डॉ. अशोक वाजपेयी, पूर्व सांसद बनवारी लाल कंछल, पूर्व महापौर, लखनऊ संयुक्त भाटिया, भाजपा नेता प्रकाश मिश्रा, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, रजनीश गुप्ता व टिंकू सोनकर समेत बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी।

गंगा में डूबने से अधेड़ की मौत, गांव में शोक

मीरजापुर,। कछवां थाना क्षेत्र के बजहा गांव में बुधवार को गंगा में डूबने से 55 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। राजेंद्र यादव पुत्र दयाराम उर्फ पुल्लू यादव अपने घर के सामने गंगा में भैंस हांकने गए थे, जहां अचानक पैर फिसल जाने से वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। घटना के दौरान शोर सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत उन्हें खोजने का प्रयास शुरू किया। करीब 100 मीटर दूर झंकार के पास राजेंद्र को गंगा से बाहर निकाला गया और तत्काल कछवां क्रिश्चियन हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र यादव जग्गू यादव गांव के पूर्व प्रधान रह चुके हैं। मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं, सभी की शादी हो चुकी है। अचानक हुई इस दुर्घटना से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर व्याप्त है।

आठ साल में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में बदली उत्तर प्रदेश की छवि

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ,। वर्ष 2017 से पहले बीमारू प्रदेश कहे जाने वाला उत्तर प्रदेश पिछले आठ वर्षों में स्वस्थ और उत्तम प्रदेश बनकर उभरा है। योगी सरकार ने पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में वृद्धि, एमबीबीएस-पीजी सीटों में विस्तार, सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और रिसर्च संस्थानों की स्थापना तथा आयुष चिकित्सा को बढ़ावा देकर चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखा है। योगी सरकार की मॉनीटरिंग का ही नतीजा है कि वर्ष 2017 से पहले का उत्तर प्रदेश, आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2017 में सत्ता संभालने के बाद से, योगी सरकार ने प्रदेश के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। मेडिकल कॉलेज और एमबीबीएस संग पीजी सीटों में हुए इजाफाप्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा के अनुसार पिछले आठ वर्षों में प्रदेश में 80 मेडिकल कॉलेज संचालित किए गए हैं, जिनमें 44 राजकीय एवं 36 निजी मेडिकल कॉलेज शामिल हैं। बिजनौर, बुलंदशहर, कुशीनगर, पीलीभीत, सुल्तानपुर, कानपुर देहात, ललितपुर, औरैया, चंदौली, गोंडा, सोनभद्र, लखीमपुर खीरी और कौशांबी जैसे जिलों में स्वशासी मेडिकल कॉलेजों में पठन-पाठन प्रारंभ हो चुका है। वहीं, महाराजगंज, शामली और संभल में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत मेडिकल कॉलेजों की स्थापना कर चिकित्सा शिक्षा को और अधिक सुलभ बनाया गया है। वहीं प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा को मजबूती देने के लिए एमबीबीएस और पीजी सीटों में भी ऐतिहासिक वृद्धि की गई है। वर्तमान में सरकारी क्षेत्र में 5,250 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध हैं, जबकि निजी क्षेत्र में 6,550 सीटें हैं। आयुष शिक्षा को भी मिला बढ़ावा योगी सरकार के प्रयासों से आयुष चिकित्सा शिक्षा को भी बढ़ावा मिला है। अयोध्या में राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और वाराणसी में राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई है। प्रदेश में कुल 2,110 आयुर्वेदिक, 254 यूनानी और 1,585 होम्योपैथिक चिकित्सालय कार्यरत हैं। इसके अलावा, आठ आयुर्वेदिक कॉलेज, दो यूनानी कॉलेज और नौ होम्योपैथिक कॉलेजों के साथ उनके संबद्ध चिकित्सालय भी संचालित किए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना करते हुए महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय की स्थापना की है। सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों और संस्थानों की स्थापना चिकित्सा सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए राजधानी लखनऊ में कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट में ह्यसेंटर फॉर एडवांस मॉलिक्यूलर डायग्नोस्टिक्स एंड रिसर्च फॉर कैंसर की स्थापना की गई है। इसके अलावा संजय गांधी पीजीआई (एसजीपीजीआई) में डायबिटीज सेंटर की स्थापना के साथ-साथ 500 बेड के एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। आईआईटी कानपुर के तहत 500 शैय्या युक्त सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के साथ स्कूल ऑफ मेडिकल रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी की स्थापना भी की जा रही है, जो चिकित्सा अनुसंधान और अत्याधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देगा।

मुख्यमंत्री राहत कोष से इलाज के लिए आर्थिक सहायता 15 दिन में मिलेगी

गुरुग्राम, । उपायुक्त अजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार की ओर से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के दृष्टिगत मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत वित्तीय सहायता दी जा रही है। यह प्रक्रिया और अधिक सरल एवं आसान हो गई है। अब आर्थिक सहायता के लिए प्रार्थी आवेदक सरल पोर्टल के माध्यम से सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि योजना में किए गए बदलावों के तहत यदि कोई बीमारी आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना में कवर नहीं हो रही है तो आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को भी इस योजना के तहत लाभ मिलेगा। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री राहत कोष से आर्थिक सहायता के रूप में इलाज खर्च का 25 प्रतिशत पैसा ही मिलेगा, जिसकी अधिकतम सीमा एक लाख रुपये निर्धारित की गई है।

आगरा में भारतीय किसान यूनियन टिकैत 13 अगस्त को निकालेगी ट्रैक्टर मार्च

आगरा,। राष्ट्रीय आह्वान पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) 13 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकालेगी।किसान संगठनों ने इसकी तैयारियाँ शुरू कर दी हैं। भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष राजवीर लवानिया ने बुधवार को बताया कि राष्ट्रीय आह्वान पर 13 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च निकाला जाएगा। सभी किसान ट्रैक्टरों के साथ प्रतापपुरा चौराहे पर एकत्रित होंगे। फिर यहाँ से खेरागढ़, फतेहपुर सीकरी, किरावली, अकोला, अछनेरा और बिचपुरी के किसान मंडल कैंप कार्यालय से आगे बढ़ेंगे। फतेहाबाद, शमशाबाद, बरौली अहीर, एत्मादपुर, खंदौली और बाह के किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ होटल रमाडा फतेहाबाद रोड होते हुए आगे बढ़ेंगे। जिलाधिकारी कार्यालय सुबह 10 बजे शांतिपूर्ण तरीके से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन में भारत के खाद्य एवं डेयरी क्षेत्र में विदेशी कम्पनियों को व्यापार की अनुमति, अमेरिकी टैरिफ के विरोध के साथ–साथ किसानों की लागत से डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की सरकारी खरीद की गारंटी का कानून बनाने, कर्ज मुक्ति, ग्रामीण गरीबों को पूरे साल रोजगार, पर्याप्त मात्रा में समय पर सस्ते व असली खाद, बीज, कीटनाशक, डीजल, कृषि औजार उपलब्ध कराने और किसान आत्महत्याओं से छुटकारा दिलाना, ये प्रमुख मांगें हैं। इनके अलावा सस्ते में कृषि भूमि के अधिग्रहण पर रोक, लैंड पूलिंग, शामलात भूमि को नाजायज सरकारी हस्तक्षेप से बचाने, स्मार्ट बिजली मीटर व बिजली निजीकरण पर तत्काल रोक लगाने, 300 यूनिट तक सस्ती बिजली देने और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में 10 साल पुराने ट्रैक्टरों के चलने पर प्रतिबंध हटाने की मांग भी रहेगी।

गुरुग्राम: टेलीग्राम पर वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर ढाई लाख ठगे

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम,। यहां एक महिला से टेलीग्राफ पर वर्क फ्रॉम होम का झांसा देकर 2.46 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। ठगी की राशि को अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर लिया गया। पटौदी थाना क्षेत्र के गांव छिल्लरकी की रहने वाली पीड़िता ने साइबर थाना मानेसर में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित महिला अरुणा ने पुलिस में दी शिकायत में कहा कि 23 जुलाई 2025 को उसकी टेलीग्राम पर एक आदमी से बात हुई। महेश अनुमुला के नाम से टेलीग्राफ पर उसकी आईडी थी। उसने खुद को किसी कंपनी से संबंधित बताया और उसे वर्क फ्रॉम होम करने के लिए टास्क की बात कही। पहले तो उसने कुछ छोटे टास्क दिए। इसके बाद वह हर टास्क के लिए रुपये जमा करवाने की बात कहता रहा। अरुणा के मुताबिक 23 जुलाई से एक अगस्त 2025 तक अलग-अलग दिन में दो लाख 46 हजार रुपये की राशि अलग-अलग खातों में ट्रांसफर करवाई।

इसके बाद उसने अन्य कई टेलीग्राम आईडी के माध्यम से उससे संपर्क किया। उसे कहा कि जब तक वह और रुपये नहीं भेजेंगीं तब तक उसकी जमा की गई राशि को वापस नहीं किया जाएगा। पीड़िता को जब ठगी का अहसास हुआ तो उसने साइबर क्राइम थाना मानेसर में शिकायत दर्ज कराई। थाना साइबर मानेसर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। मुख्य सिपाही मनीष कुमार ने इस मामले में जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बलिया : बाढ़ में फंसे शहरी इलाके के लोगों को एनडीआरएफ ने किया रेस्क्यू

बलिया,। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि से शहरी इलाकों में रहने वाले लोगों की भी मुसीबतें बढ़ गई हैं। बुधवार को शहर के उमरगंज में गंगा से जुड़े कटहल नाला में बैक फ्लो होने से 50 से अधिक घरों में सैकड़ों लोग फंस गए। जिन्हें प्रशासन ने एनडीआरएफ की मदद से रेस्क़्यू किया। बलिया में गंगा, सरयू व टोंस नदी का जलस्तर अभी भी बढ़ ही रहा है। गंगा का जलस्तर बुधवार को 59.84 मीटर दर्ज किया गया, जो मंगलवार के मुकाबले एक सेंटीमीटर अधिक है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि धीमी होने के बावजूद तटवर्ती गांवों और शहरी इलाकों में बाढ़ की तबाही जारी है। बीती रात अचानक शहर से सटे उमरगंज में 52 मकानों में रहने वाले 78 परिवारों के 257 लोग फंस गए। उनके घर बाढ़ के पानी से पूरी तरह से घिर गए। इस सूचना के मिलते ही एडीएम त्रिभुवन एनडीआरएफ टीम के साथ सुबह मोटर बोट से प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। एनडीआरएफ टीम ने 110 व्यक्तियों का रेस्क्यू कर सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बाकी लोगों को भी उनके घरों से निकालने का काम जारी है। एडीएम त्रिभुवन ने बताया कि उपजिलाधिकारी तिमराज सिंह को बाढ़ शरणालय को सक्रिय करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित परिवरों को बाढ़ राहत पैकेट भी दिया जा रहा है।

PUBLIC ANNOUNCEMENT

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY, OUTSIDE INDIA. INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE "EMERGE PLATFORM OF NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE OR NSE EMERGE")" OF NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE EMERGE") IN COMPLIANCE WITH CHAPTER IX OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED ("SEBI ICDR REGULATIONS").

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

FLY WINGS SIMULATORS

FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED

(Formerly known as Flywings Simulator Training Centre Private Limited)

Our Company was initially incorporated on June 16, 2011 as a Private Limited Company in the name and style of "Flywings Simulator Training Centre Private Limited" under the provisions of the Companies Act, 1956 with the Registrar of Companies, Maharashtra Mumbai. Subsequently, the registered office of the company was shifted from Mumbai to Haryana and a fresh Certificate of Incorporation was issued on February 09, 2022. Further, pursuant to a special resolution of our Shareholders passed in the Extra Ordinary General Meeting held on March 04, 2024, our Company was converted from a Private Limited Company to Public Limited Company and the name of our Company was changed to "Flywings Simulator Training Centre Limited" and a fresh Certificate of Incorporation consequent to conversion was issued on May 28, 2024 by the Registrar of Companies, Central Processing Centre bearing Corporate Identification Number U80903HR2011PLC101229. For details in relation to the incorporation, Change in Registered Office and other details, please refer to the chapter titled ***"Our History and Certain Other Corporate Matters"*** beginning on page 170 of the Draft Red Herring Prospectus.

Registered Office: Ground Floor, Killa No. 13, Begampur Khatola, Sector 35, Sadar Bazar, Gurgaon, Haryana – 122001, India
Contact No: +91 73033 31098 | **Contact Person:** Ms. Parul Agarwal, Company Secretary and Compliance Officer
Email: info@fwstc.in | **Website:** www.fwstc.in | **CIN:** U80903HR2011PLC101229

OUR PROMOTERS : MRS. RUPAL SANJAY MANDAVIA AND MR. MITUL NATVARLAL MANDAVIA

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 32,00,000* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10.00 EACH (THE "EQUITY SHARES") OF FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED (THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") AT A OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS COMPRISING OF FRESH OFFER OF UPTO 27,00,000* EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("FRESH OFFER") AND AN OFFER FOR SALE OF UPTO 5,00,000 EQUITY SHARES BY MRS. RUPAL SANJAY MANDAVIA ("SELLING SHAREHOLDER") AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("OFFER FOR SALE") ("PUBLIC OFFER"). THE OFFER INCLUDES A RESERVATION OF UPTO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY THE MARKET MAKER TO THE OFFER (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE PUBLIC OFFER LESS MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. NET OFFER OF UPTO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹10/- EACH, AT AN OFFER PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE FOR CASH, AGGREGATING UPTO ₹ [●] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET OFFER". THE PUBLIC OFFER AND NET OFFER WILL CONSTITUTE [●] % AND [●] % RESPECTIVELY OF THE POST- OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGERS AND WILL BE ADVERTISED IN ENGLISH NATIONAL NEWSPAPER EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER), HINDI NATIONAL NEWSPAPER EDITION OF [●] (A WIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND REGIONAL NEWSPAPER GURGAON EDITION OF [●] (HINDI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF GURGAON WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED) AT LEAST TWO WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/OFFER OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE EMERGE PLATFORM OF NSE LIMITED ("NSE OR NSE EMERGE") FOR THE PURPOSES OF UPLOADING ON THEIR WEBSITE IN ACCORDANCE WITH THE SEBI ICDR REGULATIONS, AS AMENDED.

In case of any revision in the Price Band, the Bid/Offer period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/Offer period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company, for reasons to be recorded in writing extend the Bid/Offer period for a minimum of one Working Days, subject to the Bid/Offer period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/Offer period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a press release and also by indicating the change on the website of the Book Running Lead Manager and at the terminals of the Members of the Syndicate and by intimation to Self-Certified Syndicate Banks ("SCSBs"), other Designated Intermediaries and the Sponsor Banks, as applicable.

The offer is being made through the Book Building Process, in terms of Rule 19(2)(b)(i) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended ("SCRR") read with Regulation 253 of the SEBI ICDR Regulations, as amended, wherein not more than 50% of the Net offer shall be allocated on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs", the "QIB Portion"), provided that our Company may, in consultation with the Book Running Lead Manager, may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations ("Anchor Investor Portion"), of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the Anchor Investor Allocation Price. In the event of under-subscription, or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the Net QIB Portion. Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis only to Mutual Funds, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIBs, including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to QIBs. Further, not less than 15% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Bidders out of which "(a) one third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than two lots and up to such lots equivalent to not more than ₹10 lakhs; (b) two third of the portion available to non-institutional investors shall be reserved for applicants with application size of more than ₹10 lakhsProvided that the unsubscribed portion in either of the sub-categories specified in clauses (a) or (b), may be allocated to applicants in the other sub-category of non-institutional investors" and not less than 35% of the Net Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Individual Bidders and not less than 35% of the Net offer shall be available for allocation to Individual Bidders, who applies for minimum application size, in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilise the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of RIBs using the UPI Mechanism, if applicable, in which the Corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank under the UPI mechanism, as the case may be, to the extent of respective Bid Amounts, Anchor Investors are not permitted to participate in the Offer through the ASBA process. *For details, see **"Offer Procedure"** beginning on page 274 of the Draft Red Herring Prospectus*.

This public announcement is made in compliance with pursuant to regulation 247 of the SEBI ICDR Regulation, 2018 along with F. No. SEBI/LAD-NRO/GN/2025/233 Notification dated March 03, 2025 and Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) (Amendment) Regulations, 2025 and applicability of corporate governance provisions under SEBI LODR Regulations, 2015 on SME Companies for fulfilling all additional criteria, the Draft Red Herring Prospectus filed with the EMERGE Platform of NSE Limited (NSE EMERGE) shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date of such filing by hosting it on the website of the NSE at www.nseindia.com, and the website of the Company at www.fwstc.in, and at the website of BRLMs i.e Sobhagya Capital Options Private Limited at www.sobhagyacapital.com and Gretex Corporate Services Limited at www.gretexcorporate.com. Our Company hereby invites the members of the public to give their comments to NSE EMERGE, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and /or the BRLMs at their respective addresses mentioned below. All comments must be received by NSE EMERGE and/or our Company and/or BRLMs in relation to the issue on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforesaid date of filing the Draft Red Herring Prospectus with NSE EMERGE.

Investments in Equity and Equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue including the risks involved. The Equity Shares issued in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the section "Risk Factors" beginning on page 39 of the Draft Red Herring Prospectus.

Any decision to invest in the Equity Shares described in the Draft Red Herring Prospectus may only be made after the Red Herring Prospectus (**"RHP"**) has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Red Herring Prospectus as there may be material changes in the Red Herring Prospectus from the Draft Red Herring Prospectus.

The Equity Shares, when offered, through the Red Herring Prospectus, are proposed to be listed on "Emerge" Platform of National Stock Exchange of India Limited.

For details of the main objects of the Company as contained in its Memorandum of Association, see ***"Our History and Certain Other Corporate Matters"*** on page 170 of the DRHP. The liability of the members of the Company is limited. For details of the share capital and capital structure of the Company and the names of the signatories to the Memorandum of Association and the number of shares subscribed by them see ***"Capital Structure"*** on page 82 of the DRHP.

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	BOOK RUNNING CO LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PVT. LTD. A SEBI Registered Merchant Banking Company **SOBHAGYA CAPITAL OPTIONS PRIVATE LIMITED** C-7&7A, Hosiery Complex, Phase-II Extension, Noida - 201305, Uttar Pradesh **Tel. No.:** +91 9920379029 / +91 7836066001 **Email**: cs@sobhagyacap.com **Investor Grievance Email:** delhi@sobhagyacap.com **Website:** www.sobhagyacapital.com **Contact Person**: Ms. Menka Jha / Mr. Rishabh Singhvi **SEBI Regn. No:** MB/INM000008571 **CIN**: U74899DL1994PTC060089	GRETEX **GRETEX CORPORATE SERVICES LIMITED** A-401, Floor 4th, Plot FP-616, (PT), Naman Midtown, Senapati Bapat Marg, Near Indiabulls, Dadar (w), Delisle Road, Mumbai 400013, Maharashtra, India **Tel. No.:** +91 93319 26937 **Email:** info@gretexgroup.com **Investor Grievance Email:** info@gretexgroup.com **Website:** www.gretexcorporate.com **Contact Person:** Mr. Pradip Agarwal **SEBI Regn. No.:** INM000012177 **CIN:** L74999MH2008PLC288128	**BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED** 3S6-2, 6th Pinnacle Business Park, Mahakali Caves Road, next to Ahura Centre, Andheri East, Mumbai- 400093, Maharashtra, India. **Tel No.:** +91 22 6263 8200 **Fax No.:** +91 22 6263 8299 **E-mail:** ipo@bigshareonline.com **Investor Grievance E-mail:** investor@bigshareonline.com **Website:** www.bigshareonline.com **Contact Person:** Mr. Babu Rapheal C. **SEBI Registration No.:** INR000001385 **CIN**: U99999MH1994PTC076534	**MS. PARUL AGARWAL** Ground Floor, Killa No. 13, Begampur Khatola, Sector 35, Gurgaon, Sadar Bazar, Haryana, India - 122001 **Tel. No.:** 01244957945 **Email**: cs@fwstc.in **Website:** www.fwstc.in Investors can contact our Company Secretary and Compliance Officer, Book Running Lead Managers or Registrar to the Issue, in case of any pre issue or post issue related problems, such as non- receipt of letter of allotment, non- credit of allotted Equity shares in the respective beneficiary account, non-receipt of refund orders and non-receipt of funds by electronic mode etc.

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Draft Red Herring Prospectus.

For FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Parul Agarwal
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Gurgaon
Date: August 06, 2025

FLYWINGS SIMULATOR TRAINING CENTRE LIMITED is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offer of its Equity Shares and has filed the Draft Red Herring Prospectus dated August 02, 2025 with EMERGE Platform of National Stock Exchange of India Limited ("NSE EMERGE"). The Draft Red Herring Prospectus is available on the website of NSE at www.nseindia.com and on the website of the BRLMs i.e Sobhagya Capital Options Private Limited at www.sobhagyacapital.com and Gretex Corporate Services Limited at www.gretexcorporate.com and the website of our Company at www.fwstc.in. Potential investors should note that investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risk, see the section titled ***"Risk Factors"*** beginning on page 39 of the DRHP. Potential investors should not rely on the DRHP filed with NSE EMERGE for making any investment decision. The Equity Shares offered in the Issue have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act of 1933 (the **"U.S. Securities Act"**) or any state securities laws in the United States, and unless so registered, and may not be offered or sold within the States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable U.S. state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulation S and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. There will be no public offering of the Equity Shares in the United States.

AdBaaz

समाज की जागरुकता से कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की कोशिशें हुईं नाकाम : योगी आदित्यनाथ

प्रात : किरण संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि समाज की सतर्कता और प्रशासन की सक्रियता के कारण कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिशें बार-बार नाकाम हुई हैं। मुख्यमंत्री ने बरेली में 2,264 करोड़ रुपये की 545 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, कुछ असामाजिक तत्वों ने कांवड़ यात्रा की छवि खराब करने की कोशिश की लेकिन समाज की जागरुकता व प्रशासन की तत्परता ने ऐसी साजिशों को नाकाम कर दिया है। यह यात्रा अब एकता और भक्ति की प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए उन पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 2017 से पहले बरेली हर तीसरे माह सांप्रदायिक दंगों का गवाह बनता था। आज यह नाथ कॉरिडोर और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के माफिया मुक्त हो जाने का दावा करते हुए कहा, पहले हर जिले का अपना माफिया डॉन होता था। आज उत्तर प्रदेश एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज और एक जिला, एक उत्पाद के लिए जाना जाता है। हम आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण करते हुए आध्यात्मिक विरासत का संरक्षण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, 2017 से पहले सरकारी नौकरियां राजनीतिक रिश्तेदारों के लिए खुली छूट थीं। चाचा-भतीजे भर्ती को अपने निजी व्यवसाय की तरह समझते थे। पिछले आठ वर्षों में साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से नौकरी दी गई है। पुलिस बल में भर्ती का हवाला देते हुए आदित्यनाथ ने कहा, हमने 60 हजार 244 पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी कर ली है। इनमें से 12 हजार से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने दावा किया कि अब किसी भी योजना के क्रियान्वयन में जाति, धर्म या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है जो ह्यसबका साथ, सबका विकासह्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। आदित्यनाथ ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा, डबल इंजन वाली भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) सरकार विरासत को विकास से जोड़ रही है। मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित छह हजार से अधिक युवाओं को नियुक्तिपत्र भी वितरित किए और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र व टैबलेट प्रदान किये। योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का जिक्र करते हुए कहा, इस योजना के तहत चयनित युवाओं को पांच लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त और गारंटी-मुक्त ऋण प्रदान किया जाता है। समय पर भुगतान करने पर ऋण को 7.5 लाख और फिर 10 लाख रुपये तक बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा, डबल इंजन वाली सरकार लोगों के जीवन में समृद्धि और खुशी सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है।

हरनंदीपुरम योजना में जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग

गाजियाबाद,। भारतीय किसान यूनियन (सर छोटू राम) ने बुधवार को हरनंदीपुरम योजना में जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन भी दिया। किसान नेताओं ने मोदी चीनी मिल पर बकाया भुगतान कराने की मांग की। उन्होंने कि ग्रेटर गाजियाबाद बनाने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं, जीडीए हरनंदीपुरम योजना की तैयारी कर रहा। इसमें 22 गांवों की भूमि का अधिग्रहण प्रस्तावित है। भूमि अधिग्रहण कानून के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र का चार गुना और शहरी क्षेत्र का दोगुना मुआवजा मिलता है। यदि ग्रामीण क्षेत्र को निगम में लाना है तो उसका वर्तमान सर्किल रेट तत्काल बढ़ाया जाए। इसके बाद जमीन का अधिग्रहण किया जाए। किसानों को 10 फीसदी भूखंड मिलने हैं। वह प्रत्येक सेक्टर में दिए जाएं। निगम के तहत जो गांव हैं, उनकी सड़क, सीवर, बिजली और पानी आदि समस्या का समाधान कराया जाए। जमीन का भाव बाजार से निर्धारित किया जाए। मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद चौधरी, अजय, अयूब अली, सोनवीर, प्रवीण और सोनवीर खुटेल आदि लोगों की उपस्थिति रही।

ऑनलाइन प्लेटफार्म पर दवाओं की बिक्री रोकने को लेकर प्रदर्शन

गाजियाबाद,। ऑनलाइन प्लेटफार्म पर दवाओं की बिक्री को रोकने की मांग को लेकर बुधवार को गाजियाबाद केमिस्ट एसोसिएशन ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। दवा व्यापारियों को उद्योग व्यापार मंडल का भी समर्थन मिला। व्यापारियों ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के निर्देश पर गाजियाबाद केमिस्ट एसोसिएशन (जीसीए) ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष राजदेव त्यागी ने कहा कि दवाओं की अवैध ऑनलाइन बिक्री पर राज्य औषधि प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की है। इसके कारण ऑनलाइन फामेर्सी प्लेटफार्म के माध्यम से दवाओं की अवैध बिक्री के बढ़ रही है और खुदरा कारोबारी के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य भी खतरे में पड़ रहा है। उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल से जीएसआर 817 (ई) को वापस लेने की मांग की है। इसके माध्यम से ऑनलाइन दवाओं की बिक्री को अनुमति मिलती है। ई-फामेर्सी प्लेटफॉर्म से बिना डॉक्टरी पर्चे के प्रतिबंधित दवाएं भी सुगमता से बिक रही है। दवा व्यापारियों को महानगर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान एवं महामंत्री अशोक चावला ने भी समर्थन दिया। इस मौके पर जीसीए के महामंत्री जयदीप गुप्ता, संरक्षक योगेश अग्रवाल, संदीप गर्ग, अशोक चोपड़ा, राकेश पचौरी, यश्वनी कुमार, हरिमोहन गोयल, वेद गंभीर के अलावा खुदरा और थोक व्यापारी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

मारपीट से जाम लगने के मामले में केस दर्ज

नोएडा,। सेक्टर-125 में सड़क पर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट से जाम लगने के मामले में चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। रेहडी वालों में ग्राहकों को बुलाने की बात पर झगड़ा होने के बाद जाम लगा था। चारों का शांतिभंग की धारा में चालान किया गया। सेक्टर-126 थाने में तैनात उपनिरीक्षक सुभाष चंद्र ने यह केस दर्ज कराया है। उन्होंने बताया कि मंगलवार दोपहर तीन बजे के करीब जब ओखला बर्ड सेंचुरी के पास चेकिंग कर रहे थे। तभी उन्हें सड़क जाम करने की सूचना मिली। सुभाष चंद्र अन्य पुलिसकर्मियों को लेकर मौके पर पहुंचे तो देखा कि मारपीट के कारण सड़क पर जाम लगा है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानदारों के बीच ग्राहकों को बुलाने के मुद्दे पर विवाद बढ़ने पर सड़क पर मारपीट हो रही थी। स्टॉल नंबर एक और दो की मालिक अर्चना के सहयोगी संजय और मनोज का स्टॉल नंबर-तीन की मालिक रूबी देवी के बेटे बंसल कुमार और दर्शन कुमार से झगड़ा हुआ था। इस मामले में संजय, मनोज, बंसल कुमार और दर्शन के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई की गई है।

दादरी के अंदर से होकर बसें चलाने की मांग

ग्रेटर नोएडा,। दादरी आर्य प्रतिनिधि सभा ने परिवहन विभाग से रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों को बजाय बायपास के दादरी बस अड्डे से होकर चलाने की मांग की है। संगठन के जिला उपाध्यक्ष डॉ. आनंद आर्य ने बताया कि सरकार ने रक्षाबंधन पर बहनों के लिए आठ, नौ और दस अगस्त को फ्री यात्रा करने की सुविधा प्रदान की है। उनकी मांग है बसें दादरी के अंदर स्थित अड्डे से होकर चलाई जाएं।

कार की टक्कर से पिता-पुत्र घायल

नोएडा,। सेक्टर-126 थानाक्षेत्र के नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बने कट के पास तेज रफ्तार कार के चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में पिता-पुत्र दोनों घायल हो गए। घायलों का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। सेक्टर-126 थाने में दी शिकायत में दिल्ली के बदरपुर निवासी नदीम अहमद ने बताया कि तीन अगस्त को उनका भाई वसीम पिता सईद के साथ स्कूटी से महामाया होकर दिल्ली आ रहा था। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर एक कट के पास हरियाणा नंबर की कार के चालक ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी स्कूटी सवार पिता-पुत्र दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का अभी भी उपचार चल रहा है। पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छात्रों ने स्कूल में रक्षाबंधन का पर्व मनाया

ग्रेटर नोएडा,। सेक्टर स्वर्ण नगरी स्थित जीडी गोयनका स्कूल में बुधवार को छात्रों ने रक्षाबंधन का त्योहार उत्साह के साथ मनाया। कक्षा यूकेजी के छात्रों ने कहानी के जरिए पर्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान नृत्य, कविता, गायन आदि की भी प्रस्तुतियां दीं और राखियां बनाईं। प्रधानाचार्य डॉ. रेनू सहगल ने छात्रों को भाई बहन के रिश्ते का महत्त्व बताया।

किसानों के मुद्दों पर तहसील में प्रदर्शन करेंगे

दादरी,। किसानों के मुद्दों को लेकर दादरी तहसील में करप्शन फ्री इंडिया संगठन के कार्यकताओं गुरुवार को प्रदर्शन करेंगे। बुधवार को संगठन के संस्थापक प्रवीण भारतीय ने तहसील में अधिकारियों द्वारा किसानों को परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता राजा राव उमराव भाटी और भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर तहसील में विरोध जताएंगे।

मालन नदी का पानी ग्रामीणों के लिए बना मुसीबत, कई गांव जलमग्न तटबंध मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर जारी

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिले में भारी वर्षा के चलते मालन नदी उफान पर है और यूसुफपुर बखर तटबंध के ओवरटॉप होने से हालात और बिगड़ गए हैं। इसके चलते धारूवाला, खजानपुर खादर, काजीवाला, नसरूल्लापुर हफीज, मधुसूदनपुर मसीद, बाकरपुर गढ़ी और रावली सहित कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। इन गांवों में पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने बताया कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यूसुफपुर बखर तटबंध पर युद्धस्तर पर मरम्मत कार्य शुरू करवा दिया है। सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, सिंचाई खंड अफजलगढ़ के नेतृत्व में तटबंध की मरम्मत की जा रही है ताकि आगे किसी बड़े खतरे से बचा जा सके। जिलाधिकारी ने आश्वस्त किया है कि जलभराव की स्थिति पर शीघ्र ही काबू पा लिया जाएगा और प्रभावित गांवों में राहत कार्य भी प्राथमिकता के आधार पर चलाए जा रहे हैं। प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों से संयम बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है।

किसानों की हुंकार: 13 अगस्त को ट्रैक्टर मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव की तैयारी तेज

● भाकियू बिजनौर का प्रशासन को अल्टीमेटम, अनदेखी पर 15 अगस्त को खुद फहराएंगे तिरंगा

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर,। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) बिजनौर द्वारा 13 अगस्त को प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च और कलेक्ट्रेट घेराव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। भारी बारिश के बावजूद जिलेभर के किसान गांव-गांव बैठकों के माध्यम से आंदोलन की रणनीति तय कर रहे हैं। सोमवार को ग्राम फुलसन्दा में आयोजित एक किसान पंचायत में भाकियू जिला अध्यक्ष सुनील प्रधान एवं युवा जिलाध्यक्ष सरदार मनप्रीत सिंह ने किसानों को संबोधित किया। जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने किसानों से अपील की कि वे 13 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में ट्रैक्टरों के साथ बिजनौर कलेक्ट्रेट पहुंचें। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने 21 जुलाई को सौंपे गए मांगपत्र की पूरी तरह से अनदेखी की है, जिससे किसान आंदोलन के लिए विवश हुए हैं। उन्होंने कहा, प्रशासन का रवैया किसानों के प्रति पूरी तरह उपेक्षापूर्ण है। राजस्व, परिवहन, चकबंदी, कृषि, बिजली, वन और गन्ना विभागों में किसानों से खुलेआम लूट हो रही है। तहसील के अभिलेखों में जानबूझकर गड़बड़ियां की जाती हैं और फिर त्रुटि सुधार के नाम पर अवैध वसूली की जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील में समस्याओं के समाधान की आस में पहुंचने वाले सीधे-सादे किसानों के साथ कानूनगो स्तर के अधिकारी तक अभद्रता करते हैं और कभी-कभी मारपीट पर भी उतर आते हैं। सुनील प्रधान ने चेतावनी दी कि यदि 13 अगस्त के आंदोलन के बाद भी प्रशासन ने किसानों की मांगों की अनदेखी की, तो 15 अगस्त को किसान खुद बिजनौर कलेक्ट्रेट में तिरंगा फहराएंगे। सभा की अध्यक्षता मास्टर विजयपाल सिंह ने की जबकि संचालन पुनीत कुमार तुश्यार ने किया। इस दौरान जितेंद्र चौधरी, आशु चौधरी, सौरभ काकरान, आकाश चौधरी, परविंदर सिंह, शुभम चौधरी, विकास कुमार, विमल कुमार, अरविंद, धीरज सिंह, साकी, सुनील, विशाल दिवस समेत दर्जनों किसान उपस्थित रहे। भाकियू का यह आंदोलन जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरता दिख रहा है।

हरिद्वार- मोतीचूर के बीच रेल मार्ग बाधित, कई ट्रेनों का संचालन हुआ प्रभावित

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद/हरिद्वार। मौसम की हो रही मूसलाधार बारिश के कारण 5 जुलाई को शाम 7 बजे मंडल के हरिद्वार-मोतीचूर के मध्य रेल सुरंग संख्या टी-2 के नजदीक किलोमीटर संख्या 29/04-05 पर भारी लैंड स्लाइड एवं चट्टान का भारी टुकड़ा कैनोपी (रेल मार्ग को सुरक्षित रखने के लिए रेल लाइन एवं लोहे की जाली से बनाया गया कवर) पर गिर गया। चट्टान के भारी टुकड़े ने कैनोपी को क्षतिग्रस्त करते हुए रेल मार्ग को बाधित कर दिया तथा डल्एए को भी काफी क्षति पहुंचायी। कल इस घटना के घटित होने के बाद से निरंतर कर्मचारियो, खउइ इत्यादि मशीनों द्वारा मार्ग को दुरुस्त करने का कार्य तत्प्रता से निरंतर किया जा रहा था रेल मार्ग के शीघ्र संचालन हेतु मंडल रेल प्रबंधक संग्रह मौर्य एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण भी घटना स्थल पर ही घटना के समय से मार्ग के सुचारू होने तक से मौजूद रहे। रेल मार्ग बाधित होने से इस रेल मार्ग की अनेक गाड़ियां प्रभावित हुई। रेल यात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए मंडल के हरिद्वार, देहरादून स्टेशन पर यात्रियों की कल रात से हेल्प डेस्क स्थापित किए गए हैं एवं इस रेलखंड के सभी स्टेशनों पर अनाउंसमेंट सिस्टम द्वारा, टिकट चेकिंग स्टॉफ द्वारा, वाणिज्य निरीक्षक द्वारा सहयोग केंद्र द्वारा यात्रियों को गाड़ियों के आगमन प्रस्थान की जानकारी, निरस्त, शार्ट टर्मिनेट तथा शार्ट ओरिजनेट की निरंतर जानकारी प्रदान की जा रही थी। 5 जुलाई रात को देहरादून रेल मार्ग बाधित होने से बस द्वारा यात्रियों को हरिद्वार स्टेशन तक पहुँचाया गया ताकि यात्री हरिद्वार से अपने गंतव्य को जा सकें। बाधित हुए रेल मार्ग को दुरुस्त करने के बाद 6 जुलाई दोपहर 1:30 बजे ट्रैक को फिट कर दिया गया है इसके बाद दोपहर लगभग 2 बजकर 10 मिनट पर डल्एए को भी फिट कर दिया गया है जिसके उपरांत आज हरिद्वार स्टेशन से समय लगभग 2:15 बजे ट्रायल इंजन को भेजा गया जिसने समय लगभग 2:28 बजे घटना स्थल को सकुशल पास किया है। जिसके उपरांत गाड़ियों का सकुशल संचालन किया जा सका।

सपाईयों ने मनाईं छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की जयंती, उनके पदचिन्हों पर चलने का लिया संकल्प

अमरोहा। मंडी रोड स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय मे सपाईयों ने समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र की जयंती मनाई गई। उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर, उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया गया जिला अध्यक्ष मस्तराम सिंह यादव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा की समाजवादी पार्टी के प्रख्यात चिंतक एवं दार्शनिक छोटे लोहिया पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद जनेश्वर मिश्र का जन्म 5 अगस्त 1933 को बलिया के शुभनथई गांव में हुआ था। उनके पिता रणजीत मिश्रा एक किसान थे। छात्रों के मुद्दे पर आपने कई बार आंदोलन किये। 1967 से आपका राजनीतिक सफर शुरू हुआ।आप वर्ष 1992 से 2010 तक लगातार राज्यसभा में सांसद रहे। राम मनोहर लोहिया के संदर्भ में समाजवादी विचारधारा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए उन्हें छोटे लोहिया के नाम से भी जाना जाता था। उन्होंने वर्ष 1972 में कमला बहुगुणा को वर्ष 1974 में इंदिरा गांधी के वकील सतीश खरे को तथा 1978 में विश्वनाथ प्रताप सिंह को पराजित किया। सात बार केंद्रीय मंत्री रहने के बाद भी उनके पास न अपनी गाड़ी थी और न ही बांग्ला था। उनके नाम पर लखनऊ में एशिया का सबसे बड़ा जनेश्वर मिश्र पार्क समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की प्रेरणा से उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव जी द्वारा निर्माण कराया गया। विधायक चौधरी समरपाल सिंह ने छोटे लोहिया स्व0 जनेश्वर मिश्र को नमन करते हुए कहा भाजपा के शासन में भारतीय समाज का प्रत्येक गरीब व पिछड़ा परेशान है। गरीबों के बच्चों से शिक्षा का अधिकार छीना जा रहा है। अल्पसंख्यको, पिछड़ों व गरीबों पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। उनकी सुनने वाला कोई नहीं है। केवल मीडिया चैनलों व अखबारों में रामराज दिखाई दे रहा है। धरातल पर कहीं भी रामराज व विकास नहीं दिख रहा है। भाजपा के पास रोजगार, शिक्षा तथा रोटी रोजी व गरीबों की दवाई के लिए कोई योजना नहीं है। अस्पताल, थाने, सरकारी कार्यालय तथा तहसील सब लूट के अड्डे बन गए हैं। पूर्व मंत्री जगराम सिंह ने कहा आज किसान परेशान है, उसकी फसल का बाजिब मूल्य व फसल के लिए उर्वरक नही मिल रहे हैं। उच्च शिक्षित युवक व युवतियां परेशान हैं क्योंकि उन्हें रोजगार नही मिल रहा है। भाजपा सरकार केवल जुमले सुनना जानती है। पीडीए के लोगों को ऐसा महशूस होने लगा है कि भाजपा सरकार धरातल पर, संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम करने में दिलचस्पी नहीं ले रही है। पूर्व एमलसी प्रत्याशी चौधरी अजय मलिक ने कहा केवल राजनीतिक स्वतन्त्रता से देश का भला नही हो सकता। देश के कल्याण के लिए वैज्ञानिक सोच ,स्वास्थ्य सुविधा, उत्तम शिक्षा व किसानों की प्रगति आवश्यक है। स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र जी की जयंती के पुनीत अवसर पर उनके के लिए सबसे बड़ी श्रद्धाजंलि यही होगी कि हम सभी पीडीए वर्ग के समाजवादी आपस में मिलकर मिशन 2027 की कामयाबी के लिए भविष्य में जो भी प्रत्याशी हो उसकी कामयाबी के लिए अभी से मेहनत करें। इस अवसर पर योगेंद्र सिंह खरगवंशी,सन्तराम सिंह यादव, चंद्रपाल सैनी,सर्वेश सैनी,अतीक अहमद, महमूद अली ,अरविंद कसना, राधेलाल रघुवंशी ,सरदार वरूणजीत सिंह,आलोक कुमार भारती,डॉ0 कैलाश यादव, रविपाल चिकारा,मयंक अग्रवाल, सिंह खड़गवंशी ,सूरज राणा ,राधेलाल रघुवंशी, गोपाल सिंह यादव, मोहम्मद अलीमुद्दीन, धर्मपाल सिंह, प्रेम सिंह, शौकीन अहमद, मलखान सिंह यादव, रजनीश यादव, विवेक यादव, मोहम्मद यूनुस, कमल हसन, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद अकरम ,नासिर प्रधान ,रईस अहमद, रहमान, रईस प्रधान, अजहर खान , सलमान, गुलशन अहमद, करन सिंह ,फैसल, विश्वजीत सिंह, आलोक कुमार, श्रीराम सिंह यादव, अशोक यादव आदि उपस्थित रहे।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक सम्पन्न, महंगाई भत्ते के एरियर एवं पेंशन वृद्धि की उठी मांग

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन, जनपद शाखा बिजनौर की मासिक बैठक आज पुराने महिला अस्पताल सिविल लाइन स्थित कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष शिवध्यान सिंह ने की तथा संचालन जिला मंत्री श्री योगेश्वर शर्मा द्वारा किया गया। बैठक के प्रारंभ में 15 जुलाई 2025 को आयोजित एक दिवसीय धरना कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री शिवध्यान सिंह ने राशिकरण कटौती से जुड़े मुद्दे पर जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार द्वारा एक समिति का गठन कर दिया गया है, जिसकी रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत ही समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। जिला इकाई के आगामी चुनावों को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि संगठन के चुनाव में भाग लेने के लिए सदस्यों की न्यूनतम तीन माह की सक्रिय सदस्यता आवश्यक है, जबकि पदाधिकारी बनने हेतु छह माह की सक्रिय सदस्यता अनिवार्य होगी। साथ ही यह भी सूचित किया गया कि सभी सदस्यों को अपना वार्षिक शुल्क 31 अगस्त 2025 तक अनिवार्य रूप से जमा कराना होगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कोरोना काल के दौरान 18 माह तक लंबित रहे महंगाई भत्ते के एरियर को शीघ्र दिलाए जाने की मांग शासन से की। इसके अतिरिक्त, सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आयु के अनुसार पेंशन में क्रमशः 65, 70 एवं 75 वर्ष पर 5, 10 एवं 15 प्रतिशत की वृद्धि किए जाने की भी मांग रखी गई। जिला मंत्री योगेश्वर शर्मा ने बताया कि जनपद के सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को जिला कोषागार के माध्यम से पहचान पत्र जारी कराए जाने हैं। इसके लिए सभी सदस्यों से निर्धारित प्रारूप पर अपना विवरण शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया। बैठक में ओमवीर सिंह मलिक, हरवीर सिंह, प्रीतम सिंह, लीलापत, शमशेर सिंह राठी, रियाजुद्दीन, विजेंद्र सिंह राठी, शहादत हुसैन, धर्मपाल सिंह, महेंद्र सिंह, राजवीर सिंह, बी.आर. पाल, एस.के. मिश्रा सहित कई वरिष्ठ सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किए। बैठक के अंत में उत्तरकाशी जनपद के धराली ग्राम में बादल फटने की त्रासदी में मृतकों की आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त करते हुए बैठक का समापन किया गया।

बिजनौर में फर्जी अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर उठे सवाल, एकता सेवा सोसाइटी ने की जांच की मांग

हर तहसील में टीम गठित कर गोपनीय जांच कराने की अपील

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर/कोतवाली देहात जनपद बिजनौर में बिना योग्यता और नियमों के विपरीत ढंग से चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर एकता सेवा सोसाइटी रजि० उत्तर प्रदेश ने गंभीर चिंता जताई है। इस संबंध में सोसाइटी के प्रदेश अध्यक्ष आर.पी. सिंह द्वारा जिलाधिकारी को एक पत्र रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से भेजकर पूरे जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच की मांग की गई है। आर.पी. सिंह ने आरोप लगाया है कि बिजनौर शहर समेत ग्रामीण इलाकों में अनेक अल्ट्रासाउंड सेंटर ऐसे हैं, जहां एमबीबीएस रेडियोलॉजिस्ट की डिग्री तो लगी है, लेकिन कार्य टेक्नीशियन द्वारा कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी ऐसे कई मामले उजागर हो चुके हैं जिनमें फर्जी तरीके से अल्ट्रासाउंड किए जा रहे थे और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा था। उन्होंने बताया कि धामपुर में हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया था जिसमें एक व्यक्ति बिना किसी पंजीकृत केंद्र के, छोटी मशीन के जरिए घर-घर जाकर मेल-फीमेल की अल्ट्रासाउंड जांच कर रहा था, जिसे पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जेल भेजा था। इसी प्रकार, चांदपुर में फर्जी डिग्री के आधार पर संचालित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर का भी भंडाफोड़ हुआ है। एकता सेवा सोसाइटी ने मांग की है कि जनपद के हर तहसील स्तर पर जांच टीम गठित कर गोपनीय रूप से सभी अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच कराई जाए। जो भी सेंटर नियमों के विरुद्ध संचालित पाए जाएं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर उन्हें बंद किया जाए और दोषियों को जेल भेजा जाए। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह मामला न केवल कानून व्यवस्था से जुड़ा है बल्कि लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा से भी संबंधित है, जिसे किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

बड़ी उपलब्धि: डॉ. तारिक हमीद की किताब केस डिस्कशन इन सर्जरी को भारत सहित विदेशों में मिली मान्यता

● चिकित्सा जगत में डॉक्टर तारिक का बढ़ा कद, सरजमी स्योहारा का नाम हुआ रोशन

प्रात : किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

दिल्ली/स्योहारा।उत्तर प्रदेश के जिला बिजनौर तहसील धामपुर के ऐतिहासिक कस्बे स्योहारा निवासी और सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. तारिक हमीद ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनकी नई किताब ह्यकेस डिस्कशन इन सर्जरी को प्रसिद्ध प्रकाशक सीबीएस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक एम.बी.बी.एस. और एम.एस.के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पाठ्य सामग्री बन गई है जिसमें 63 केस डिस्कशन शामिल हैं और इसे राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एन.एम.सी.) के नये दिशानिर्देशों के अनुसार अध्ययन किया गया है। प्रकाशन के एक सप्ताह के अंदर ही इस किताब की सैकड़ों प्रतियाँ अमेजन ऐप पर बिक चुकी हैं जो इसकी लोकप्रियता और उपयोगिता को दशार्ता है। तारिक डॉ. हमीद की यह सफलता ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। स्योहारा के एम.क्यू. इंटर कॉलेज के शिक्षक फहीम अहमद ने कहा, डॉ. तारिक हमीद की उपलब्धि से हम सभी को गर्व है। यह हमारे छात्रों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है कि कठिन परिश्रम और समर्पण से कोई भी ऊँचाइयाँ प्राप्त की जा सकती हैं। डॉ. तारिक हमीद की यह पुस्तक न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी चिकित्सा छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन सामग्री बन रही है। जिससे सरजमी स्योहारा का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन हो रहा है। और चिकित्सा जगत में डॉक्टर तारिक हामिद का कद भी बढ़ा है। इस उपलब्धि के लिए डॉ. तारिक हमीद को उनके दोस्तो, रिश्तेदारों, शुभचिंतको ने भी दिल मुबारकबाद दी। डॉ तारिक हमीद ने अपनी पुस्तक के द्वारा मिली ख्याति को अपने मां-बाप और गुरुजनों की दुआओं का नतीजा बताया।

भारी बारिश को लेकर अलर्ट, प्रशासन सतर्क जनपद बिजनौर में जारी किए गए दिशा-निर्देश

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर, जनपद बिजनौर में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की आशंका के चलते जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतते हुए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्रीमती वान्या सिंह ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और भारत मौसम विज्ञान विभाग, लखनऊ केंद्र द्वारा जनपद के लिए अलर्ट जारी किया गया है। इसके अनुसार, आगामी समय में तेज मेघगर्जन, वज्रपात और भारी वर्षा की संभावना बनी हुई है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है। अपर जिलाधिकारी ने बताया कि इस प्रकार की गंभीर मौसमीय परिस्थितियों से निपटने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। संभावित खतरों में निचले इलाकों और सुरंगों में बाढ़, खानों में जलभराव, नदियों व जलाशयों के जलस्तर में अचानक वृद्धि, अस्थायी और कच्चे निमार्णों को क्षति, बिजली व पेयजल आपूर्ति में अस्थायी व्यवधान, तथा यातायात पर असर शामिल है। इसके अलावा पुराने व जर्जर भवनों, झोपड़ियों व कच्चे मकानों को नुकसान पहुंचने की भी संभावना व्यक्त की गई है। प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे निचले व बाढ़ संभावित क्षेत्रों से दूर रहें, सुरक्षित पक्के घरों में शरण लें और यात्रा से यथासंभव परहेज करें। वज्रपात के समय पेड़ों के नीचे आश्रय न लेने, खिड़कियाँ-दरवाजे बंद रखने, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग करने, जलस्त्रोतों से दूर रहने तथा अस्थायी ढांचों को खाली करने की सलाह दी गई है। वाहन चालकों को भी विशेष सावधानी बरतने का निर्देश दिया गया है। किसी भी आपात स्थिति में आमजन जिला कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबरों – 01342-262031, 01342-262295, 01342-262296, 01342-262297 – पर संपर्क कर सकते हैं। प्रशासन ने कहा है कि जनसामान्य की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसके लिए हर संभव उपाय सुनिश्चित किए जा रहे हैं। भारी बारिश की स्थिति में सहयोग व सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

शाहिद के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

रोमियो को लेकर आई अपडेट

शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म रोमियो को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। इस फिल्म के साथ अब तमन्ना भाटिया का नाम जुड़ गया है। अभिनेत्री इसमें अहम किरदार निभा सकती हैं।

तमन्ना निभाएंगी अहम किरदार

इंडिया टुडे के मुताबिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म में तमन्ना भाटिया अहम किरदार निभाएंगी। बताया जाता है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है। इससे पहले खबरें थीं कि फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ती डिमरी होंगी। अब इस फिल्म से तमन्ना का भी नाम जुड़ गया है। पहली बार साथ काम कर रहे शाहिद और तृप्ति यह पहला मौका है जब शाहिद कपूर तृप्ति डिमरी के साथ किसी फिल्म में काम करेंगे। दोनों एक दूसरे के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं दूसरी तरफ दावा है कि तमन्ना भाटिया ने इस फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म अपने आखिरी चरण में है।

दिशा पाटनी होंगी फिल्म का हिस्सा

बताया जाता है कि यह फिल्म विशाल भारद्वाज की अब तक की सबसे बड़ी कमर्शियल फिल्म है। फिल्म में शाहिद ऐसा किरदार निभा रहे हैं जिनके कई रंग हैं। दिशा पाटनी भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। विशाल भारद्वाज 7 खून माफ, हैदर, कमीने पटाखा और खुफिया जैसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है।

फिल्म की रिलीज डेट सामने आई

फिल्म रोमियो का नाम पहले अर्जुन उस्तरा था। बताया यह भी जाता है कि रिलीज से पहले फिल्म का जोर-शोर से प्रचार किया जाएगा। फिल्म का पोस्टर सितंबर के अंत तक आएगा। इसके बाद टीजर, फिर ट्रेलर। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

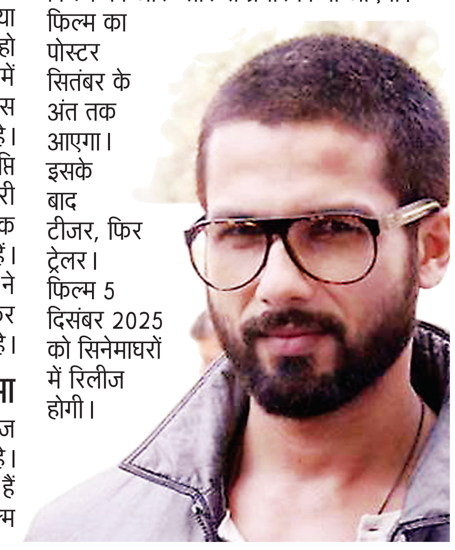

सलमान खान ने मिलाया मलयालम निर्देशक से हाथ

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आईं थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

अपने रिश्ते पर अविका गौर ने खुल कर की बात, बोलीं मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी टीवी शो पति पत्नी और पंगा में साथ नजर आएंगे, जो इस समय दर्शकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर कपल ने शो में भाग लेने के अपने अनुभव, रिश्ते के उतार-चढ़ाव, और अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उस किस्से को भी बताया, जब मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका गौर ने बताया कि इस रियलिटी शो के लिए हां कहने का फैसला उन्होंने अकेले नहीं लिया, बल्कि मिलिंद ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि मैंने खुद यह फैसला नहीं लिया था, मिलिंद भी इस फैसले में शामिल थे। उन्होंने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। मैं इसे जबरदस्ती नहीं कहूंगी, लेकिन उनका स्पष्ट मानना था कि मुझे एक रियलिटी शो करना चाहिए ताकि जो लोग मुझे प्यार करते हैं और सराहते हैं, वे मुझे असली रूप में देख सकें। मुझे लगता है कि उनका विचार सही था। अविका ने कहा, पहले मैं अपनी छवि को लेकर काफी सजग रहती थी और हर चीज को परफेक्ट और डिप्लोमैटिक रखना चाहती थी, लेकिन मिलिंद ने मेरी इस सोच को तोड़ने में मदद की। अगर शो में मेरी कोई कमी नजर आएगी, तो मैं उसे सुधारने की कोशिश करूंगी। अविका ने कहा, मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं, लेकिन बाद में जब मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सख्त हो गई हूं तो माफी भी मांग लेती हूं। अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अविका ने कहा, हमारा रिश्ता दोस्ती से शुरू हुआ था। शुरुआत में मुझे फ्रेंड-जोन में रखा गया, लेकिन छह महीने बाद मिलिंद को अपनी भावनाओं का एहसास हुआ। अब छह साल हो चुके हैं और हमारी सगाई हो चुकी है। हमने इस पूरे सफर को बेहद खूबसूरती से जिया है। बता दें कि पति-पत्नी और पंगा कलर्स चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे प्रसारित होगा।

हमारी पीढ़ी डरती नहीं है, 90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा थडानी

फिल्म आजाद से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली राशा थडानी अपनी मां रवीना टंडन की लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। फिल्म भले ही अच्छा न कर पाई हो, लेकिन राशा ने अपनी पहचान बना ली है। अब राशा ने अपनी फैशन को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपनी जेन-जी जेनेरेशन को लेकर भी बात की और बताया कि हमारी पीढ़ी की ताकत है कि हम डरते नहीं। अपनी जेनेरशन को लेकर राशा का मानना है कि जेन-जी का हिस्सा होने से उन्हें व्यक्तित्व की ताकत सीखने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी की ताकत यह है कि हम जैसे भी हैं, उससे डरते नहीं हैं। हर कोई अपन आप में कुछ न कुछ है और यह अपने आप में एक बयान बन जाता है। हमारी यह पीढ़ी कहीं न कहीं फैशन ट्रेंड के दबाव से ऊपर उठ चुकी है। हममें से कोई भी किसी चीज को सिर्फ इसलिए पहनने से नहीं डरता क्योंकि वह ट्रेंड में नहीं है। अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर डालें, तो जींस सबसे ज्यादा ट्रेंड में है और सबसे आरामदायक भी। यह बस खुद बने रहने के बारे में है और यह अपने आप में एक बयान है।

मां से प्रभावित हैं राशा

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि परफेक्ट होने का कोई लगातार दबाव नहीं है। यह सहज होने के बारे में है, क्योंकि सहजता अच्छी होती है। ट्रेंड्स का पालन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन मुझे ट्रेंडसेटर बनना पसंद है। रशा का मानना है कि उनके पहनावे पर न केवल उनकी मां रवीना का बल्कि पूरे 90 के दशक का गहरा प्रभाव है। मेरी और मेरी मां की आदतें बहुत मिलती-जुलती हैं। मैं उनकी पसंद-नापसंद को देखते हुए और उनसे प्रभावित होते हुए बड़ी हुई हूं। इसलिए मैंने अपनी 90त्न शैली उन्हीं से ली है।

90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा

आज के फैशन को लेकर राशा का कहना है कि आज का फैशन आराम पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देता है। लेकिन 90 के दशक का फैशन आइकॉनिक है। जिस तरह से वे एक्सेसरीज पहनते थे, बाल, मेकअप, लोग जो कुछ भी पहनते थे, वह सब बहुत खूबसूरत था। मैं 90 के दशक के फैशन की फैन हूं। मैं जितना हो सके 90 के दशक के स्टाइल को अपनाने की कोशिश करती हूं। चाहे वह स्मोकी आईज़ हो या हाई पोनीटेल, लाल बैंड। मैं अपनी पूरी जिंदगी 90 के दशक के फैशन के साथ बिता सकती हूं।

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में दिख सकती हैं प्रियंका

प्रि यंका चोपड़ा इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। पिछले काफी समय से बॉलीवुड में प्रियंका की वापसी को लेकर चर्चा हो रही है और अब खबर है कि वह हिंदी फिल्मों में वापसी के लिए तैयार हैं। प्रियंका को जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर में देखा जा सकता है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक... यह बॉलीवुड में उनकी वापसी का बड़ा संकेत है और काफी हद तक संभावना है कि वो भंसाली की लव एंड वॉर के स्पेशल डांस नबंर में नजर आएं।

सूत्र ने बताया कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है लेकिन अगर सचमुच बात बन जाती है तो इसके जरिए प्रियंका की बॉलीवुड में भव्य वापसी होगी। भंसाली वैसे ही अपनी फिल्म को खास बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं और अब प्रियंका को इसका हिस्सा बनाकर वो इसे और शानदार या कहें यादगार बनाने जा रहे हैं।

लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट की तिकड़ी नजर आने वाली है। रणबीर सिंह, विकी कौशल और आलिया भट्ट इसमें लीड रोल में हैं

तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं। नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है। उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 का हुआ शुभारंभ

सीता रामम और लकी भास्कर जैसी तेलुगु फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके दुलकर सलमान ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की है। उन्होंने शुभारंभ की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस लॉन्च पर साउथ नेचुरल स्टार नानी भी नजर आए। हैदराबाद में एक बड़े लॉन्च इवेंट में दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की गई। इस मौके पर साउथ स्टार नानी, जो दुलकर के अच्छे दोस्त हैं, उन्होंने शुभ मुहूर्त शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाया। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें दुलकर और नानी नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म एक दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है, जिसका पूजा समारोह भव्य रूप से हुआ। इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बहुप्रतीक्षित डीक्यू41 – एक दिल को छू लेने वाली समकालीन प्रेम कहानी – एक पूजा समारोह के साथ भव्य रूप से लॉन्च हुई। निर्देशक बुची बाबू सना ने कैमरा शुरू किया, जबकि नानी, गुन्नम संदीप और राम्या गुन्नम ने स्क्रिप्ट सौंपी। पहला शॉट रवि नेलाकुदिति ने खुद डायरेक्ट किया। इस मौके पर निर्देशक श्रीकांत ओडेला भी मौजूद थे। फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है।

व्यापार

संसेक्स
80776.94 पर बंद

निफ्टी
24661.90 पर बंद

सोना
99,120

चांदी
117,000

ट्रंप सेमीकंडक्टर और चिप्स पर लगाएंगे नए टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अगले एक सप्ताह या उसके आसपास सेमीकंडक्टर्स और चिप्स के आयात पर नए टैरिफ लागू किए जाएंगे। यह कदम उनकी सरकार की आक्रामक व्यापार नीति का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को वापस लाना है। सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स कार्यक्रम में बोलते हुए ट्रंप ने

कहा, हम सेमीकंडक्टर्स और चिप्स पर टैरिफ का ऐलान करने जा रहे हैं, जो एक अलग श्रेणी है, क्योंकि हम चाहते हैं कि ये अमेरिका में बनें। हालांकि, उन्होंने टैरिफ रेट या लागू होने के समय के बारे में कोई डीटेल नहीं दिया। यह घोषणा ऐसे समय आई है, जब अमेरिकी वाणिज्य विभाग अप्रैल से ही संभावित शुल्कों की तैयारी के लिए सेमीकंडक्टर मार्केट की जांच कर रहा है। ब्लूमबर्ग के अनुसार, इस उद्योग से वैश्विक स्तर पर लगभग 700 अरब डॉलर की बिक्री होने का अनुमान है।

किन देशों और कंपनियों पर पड़ेगा असर- दुनिया के अधिकांश एडवांस्ड सेमीकंडक्टर फिलहाल ताइवान से आते हैं, जहां प्रमुख चिप निर्माता कंपनी टीएसएमसी स्थित है। इसके ग्राहकों में एप्पल, एनवीडिया, क्वालकॉम और एएमडी जैसी तकनीकी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

अटल पेंशन पर संकट

फंड 70 प्रतिशत खाली, समिति बोली-गांवों में बैंक सहयोगी बढ़ाओ

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा की वित्त संबंधी स्थाई समिति ने अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का दायरा बढ़ाने की सिफारिश की है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2024-25 में योजना के लिए निर्धारित फंड में से सिर्फ 29.19 फीसदी का उपयोग किए जाने पर चिंता जताई है। समिति ने गांवों में बैंकों द्वारा नियुक्त किए जाने वाले व्यावसाय प्रतिनिधि आउटलेट्स की संख्या में कमी को लेकर भी गहरी चिंता व्यक्त की है। समिति का मानना है कि बीसी की संख्या कम होने की वजह से योजना के विस्तार पर असर पड़ा है। संसद में पेश की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि अनौपचारिक क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए योजना से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़े जाने की जरूरत है। योजना में निरंतर भागेदारी से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में लोगों को दीर्घकालीन लाभ होगा। योजना का लाभ बड़ी संख्या में असंगठित क्षेत्र के लोगों को दिया जा सके, इसके लिए योजना से जुड़े प्रचार-प्रसार और नामांकन प्रक्रिया को बढ़ाने से जुड़े कार्यों पर वित्तीय वर्ष 2023-24 में आवंटित धनराशि में से 92.32 फीसदी का उपयोग किया गया, लेकिन वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो फरवरी 2025 तक महज 29.19 फीसदी फंड का उपयोग किया गया। समिति ने इस भारी विसंगति को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यान्वयन की दक्षता, धन के समय पर वितरण और व्यावसाय प्रतिनिधियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में गंभीर सवाल है।

साल का सबसे बड़ा आईपीओ ला रही टाटा की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की फाइनेंस कंपनी टाटा कैपिटल अपना आईपीओ लेकर आ रही है। कंपनी ने सेबी के पास सभी जरूरी डॉक्यूमेंट फाइल कर दिए हैं। माना जा रहा है कि इस आईपीओ का साइज 2 बिलियन डॉलर (करीब 17555 करोड़ रुपये) हो सकता है। अगर ऐसा होता है तो यह साल 2025 का अब तक का सबसे बड़ा और देश का अब तक का चौथा सबसे बड़ा आईपीओ होगा। अगर आप इस आईपीओ में निवेश करने के बारे में सोच रहे हैं तो पैसा तैयार रखें।

रिजर्व बैंक ने कुछ बड़े गैर बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी को शेयर बाजार में लिस्ट होने के लिए कहा है। एनबीएफसी बैंक नहीं होती हैं, लेकिन ये लोन देने और दूसरी वित्तीय सेवाएं देती हैं। टाटा कैपिटल भी एक एनबीएफसी है, इसलिए इसे भी शेयर बाजार में आना पड़ रहा है। रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार एनबीएफसी कंपनियों को सितंबर के अंत तक लिस्ट होना जरूरी है।

- **21 करोड़ नए शेयर-** कंपनी की ओर से जमा किए गए डीआरएचपी के अनुसार, इस आईपीओ में 21 करोड़ नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 26.58 करोड़ शेयर ऑफर फोर सेल (ओएफएस) के तहत बेचे जाएंगे। ओएफएस में टाटा संस 23 करोड़ शेयर बेचेगी, जबकि इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन 3.58 करोड़ शेयर बेचेगा।
- **कंपनी क्या करेगी पैसे का-** नए शेयर जारी करने से मिलने वाले पैसे का इस्तेमाल टाटा कैपिटल अपने टीवर-1 कैपिटल बेस को मजबूत करने के लिए करेगी। इससे कंपनी को भविष्य में उधार देने जैसे कामों के लिए और पैसे मिलेंगे। टीवर-1 कैपिटल बेस का मतलब है कंपनी के पास मौजूद वह पैसा, जिसका इस्तेमाल वह नुकसान होने पर कर सकती है।

सीएमआईई का दावा: बेरोजगारी 34 माह में सबसे कम

लोगों के पास रोजगार 9 साल में सबसे ज्यादा

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रमबल भागीदारी बढ़ने से देश में बेरोजगारी दर जुलाई, 2025 में घटकर 34 महीने के निचले स्तर 6.8 फीसदी पर आ गई। 34 महीने में यह दूसरा अवसर है, जब यह दर सात फीसदी के नीचे रही। इससे पहले मई, 2025 में बेरोजगारी दर पहली बार सात फीसदी के स्तर से नीचे 6.9 फीसदी रही थी।

सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने कुल 43.3 करोड़ लोगों के पास रोजगार था। यह संख्या जनवरी, 2016 के बाद 9 साल में सबसे ज्यादा है।इससे पहले अप्रैल, 2025 में सर्वाधिक 43.2 करोड़ लोगों के पास रोजगार था।हालांकि, जून में यह संख्या घटकर 42.6 करोड़ रह गई।लेकिन, जुलाईके आंकड़े बताते हैं कि रोजगार में तेज सुधार दर्ज किया गया।

- **रोजगार 64 लाख बढ़ा, 33 लाख घटे बेरोजगार-** रिपोर्ट में दावा किया गया है कि श्रम बाजार से जुलाई में भले ही 30 लाख अतिरिक्त लोग जुड़े, लेकिन रोजगार की संख्या में 64 लाख की वृद्धि दर्ज की गई ।इसका मतलब है कि श्रम बाजार में शामिल होने वाले नए लोगों को तो रोजगार मिल गया, लेकिन जो बेरोजगारों की सूची में थे, उनमें से भी कई को काम मिला। इससे बेरोजगारों की संख्या में 33 लाख की गिरावट आई। श्रम बाजार के हाल के आंकड़े बताते हैं कि रोजगार मिलने की दर कार्यशील आयु वर्ग की संख्या बढ़ने की रफ्तार से कहीं अधिक तेजी से बढ़ रही है।

तार बनाने वाली मशहूर कंपनी के सीएफओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉलीकैब इंडिया के सीएफओ गंधर्व टोंगिया ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा 27 अक्टूबर, 2025 को कारोबारी घंटे खत्म होने तक या उससे पहले लागू हो जाएगा। उन्होंने यह फैसला निजी कारणों से लिया है। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक इंदर जैसिंघानी ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

इस खबर के बाद पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में गिरावट है। स्टॉक शुरुआती कारोबार में ही 3 फीसद से अधिक लुढ़ककर 6695 रुपये पर आ गया। गंधर्व टोंगिया के इस्तीफे की सूचना कंपनी ने शेयर मार्केट को भी दी है।

इससे पहले कहां काम किया

पॉलीकैब में आने से पहले, गंधर्व टोंगिया ने दुनिया की मशहूर ऑडिट कंपनियों अर्न्स्ट एंड यंग और डेलॉइट हस्किन्स एंड सेल्स की भारतीय शाखाओं में काम किया था। वहां उन्होंने भारत और विदेश की बड़ी कंपनियों को ऑडिट और सलाहकार सेवाएं दीं। वह इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के फेलो सदस्य हैं और इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा भी पास कर चुके हैं।

- **पॉलीकैब में कितने साल काम किया-** गंधर्व टोंगिया पॉलीकैब कंपनी में साल 2018 से जुड़े हुए थे। उन्हें 19 जनवरी, 2023 को कार्यकारी निदेशक और सीएफओ की जिम्मेदारी पांच साल के लिए मिली थी, जो 18 जनवरी, 2028 तक चलनी थी। यानी उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले ही इस्तीफा दे दिया।
- **पॉलीकैब के लिए क्या किया-** टोंगिया ने कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण काम किए। उन्होंने पॉलीकैब के साल 2019 में शेयर बाजार में लिस्ट होने (आईपीओ) में अहम भूमिका निभाई।

इसके अलावा, वह कंपनी के बड़े बदलाव के कार्यक्रम प्रोजेक्ट लीप को आगे बढ़ाने में भी मुख्य रहे। वह कंपनी के वित्तीय कामकाज और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग दोनों की देखरेख करते थे।

30 सितंबर तक दोबारा करवा सकते हैं केवाईसी

जन धन खाताधारकों के लिए गांव-गांव लगेंगे कैंप

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार, 6 अगस्त को ऐलान किया कि जन धन खातों के अपडेट के लिए 30 सितंबर तक पंचायत स्तर पर खास कैंप लगाए जाएंगे। इन कैंपों में जन धन खाताधारक अपना केवाईसी दोबारा करवा सकते हैं। री-केवाईसी (जिसे नो योर कस्टमर की समय-समय पर जानकारी अपडेट करना कहते हैं) एक साधारण प्रक्रिया है। इसमें आप अपने बैंक खाते में अपना निजी और पता विवरण (जैसे नाम, पता, मोबाइल नंबर आदि) अपडेट कर सकते हैं। यह जरूरी है ताकि बैंक के पास आपके हालिया और सही विवरण रहें। अगर आपकी केवाईसी की अवधि खत्म हो गई है या आपकी जानकारी में कोई बदलाव हुआ है (जैसे पता बदलना), तो आपको नए विवरण बैंक को देना चाहिए। ऐसा न करने पर बैंकिंग नियमों का पालन नहीं हो पाएगा।

प्रधानमंत्री जन धन योजना क्या है

प्रधानमंत्री जन धन योजना देश के हर नागरिक को सस्ती व सुलभ बैंकिंग सुविधाएं देने के लिए चलाई गई एक राष्ट्रीय योजना है। इसका मकसद गरीब और बैंक सुविधाओं से वंचित लोगों को बचत खाता, रुपया भेजने की सुविधा, कर्ज, बीमा और पेंशन जैसी सेवाएं मुहैया कराना है। इस योजना के तहत, जिस व्यक्ति के पास पहले से कोई बैंक खाता नहीं है, वह किसी भी बैंक शाखा या बैंक मित्र केंद्र पर फ्री में एक बेसिक बचत खाता खोल सकता है।

बॉलीवुड सितारों के निवेश वाला आईपीओ ने किया मालामाल

पहले ही दिन तगड़ा मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड सितारों और दिग्गज निवेशक आशीष कचोलिया द्वारा समर्थित रियल एस्टेट कंपनी श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का आईपीओ आज शेयर बाजार में लिस्ट हो गया। श्री लोटस डेवलपर्स के शेयरों ने बुधवार, 6 अगस्त को शेयर बाजार में शानदार शुरुआत की और दोनों एक्सचेंजों पर लगभग 19 प्रतिशत प्रीमियम पर लिस्ट हुए। बीएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 179.10 पर खुला, जो इसके आईपीओ प्राइस 150 से 19.40 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर, श्री लोटस डेवलपर्स का शेयर 18.67 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 178 पर लिस्ट हुआ। बता दें कि इस कंपनी में शाहरुख खान से लेकर अमिताभ बच्चन समेत दिग्गजों का दांव लगा हुआ है।

कितना हुआ था सब्सक्राइब

बता दें कि इस इश्यू को तीन दिन में जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। 30 जुलाई से 1 अगस्त तक चले इस इश्यू में 74.10 गुना बुकिंग हुई। रिटेल शेयर 21.77 गुना, एनआईआई 61.82 गुना और क्यूआईबी 175.61 गुना सब्सक्राइब हुआ। आईपीओ में कर्मचारी कोटा भी था, जिसके लिए 21.37 गुना बोलियां प्राप्त हुईं। श्री लोटस डेवलपर्स ने मंगलवार को संस्थागत निवेशकों से 237 करोड़ रुपये जुटाए थे। कंपनी ने आईपीओ के लिए 140-150 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।

टाटा मोटर्स, ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस के साथ मिलकर करेगा

100 मैग्ना ईवी इंटरसिटी बसों की आपूर्ति

पैसेंजर व्हीकल एक्सपो 2.0 में उन्नत मोबिलिटी समाधानों का प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। व्यवसायिक वाहन बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (जीईएमएस) के साथ एक समझौताअनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। जीईएमएस, यूनिवर्सल बस सर्विसेज (यूबीएस) की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई है। इस समझौते के तहत टाटा मोटर्स 100 आधुनिक मैग्ना ईवी इंटरसिटी बसों की आपूर्ति करेगा। यह एमओयू चेन्नई में पैसेंजर व्हीकल एक्सपो 2.0 में किया गया, जहां टाटा मोटर्स अपनी नए परिवहन समाधानों का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें ऑल-इलेक्ट्रिक मैग्ना ईवी और एलपीओ 1822शामिल हैं। इन बसों को शानदार प्रदर्शन, यात्रियों के लिए आराम और कम लागत के लिए बनाया गया है।

तमिलनाडु सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. टी.आर.बी. राजा ने कहा, तमिलनाडु ऑटोमोटिव और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में सबसे आगे है। टाटा मोटर्स और यूनिवर्सल बस सर्विसेज के बीच यह साझेदारी इलेक्ट्रिक बसों के जरिए हरित और सुरक्षित सार्वजनिक यात्रा को बढ़ावा देगी। यह कदम तमिलनाडु के लोगों को पर्यावरण के अनुकूल यात्रा का विकल्प देता है और भविष्य के लिए तैयार स्थायी परिवहन प्रणाली बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूनिवर्सल बस सर्विसेज के मैनेजिंग पार्टनर और ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस के डायरेक्टर श्री सुनील कुमार रविंद्रन ने एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए कहा, टाटा मोटर्स के साथ हमारा लंबे समय से चला आ रहा रिश्ता विश्वास पर टिका है। यह समझौता मैग्ना ईवी बसों के साथ इलेक्ट्रिक इंटरसिटी यात्रा की दिशा में बड़ा कदम है। ये बसें शांत, आरामदायक और लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतरीन हैं। इनमें यात्रियों को शानदार अनुभव मिलता है। इनकी कम लागत और शून्य प्रदूषण से हमारी दक्षता बढ़ेगी और ये बसें स्थायी परिवहन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत करेंगी। टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के हेड श्री आनंद एस ने साझेदारी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा, यूबीएस के साथ यह एमओयू इंटरसिटी परिवहन को बदलने की हमारी यात्रा में एक बड़ा कदम है।

ग्राहकों से मिला फीडबैक और कड़े परीक्षण के आधार पर बनाया गया मैग्ना ईवी, भारत में लंबी दूरी की यात्रा को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें भरोसा है कि यह आराम, दक्षता और पर्यावरण संरक्षण में नए मानक स्थापित करेगा।

नेटफ्लिक्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित जासूसी थ्रिलर 'सारे जहां से अच्छा' का दमदार ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई, एजेंसी। जब देश अपनी आज़ादी का जश्न मना रहे होते हैं, तब कुछ लोग चुपचाप बिना हथियारों के, सिर्फ़ अपनी तेज़ दिमाग से जंग लड़ रहे होते हैं। ये गुमनाम हीरो परछाइयों में खो जाते हैं, न उनका नाम होता है, न चेहरा, न कोई मेडल, न कोई बड़ा सम्मान, न कोई शोर। ये होते हैं खुफिया अफसर और जासूस, जो ऐसी लड़ाइयाँ लड़ते हैं जिन्हें हम कभी देख नहीं पाते, ताकि हमें कभी उसका सामना न करना पड़े। नेटफ्लिक्स की आने वाली नई वेब सीरीज़ सारे जहां से अच्छा रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के एजेंट विष्णु शंकर की कहानी है, जो दुश्मन के इलाके पाकिस्तान में एक बेहद खतरनाक मिशन पर निकलता है। सवाल ये है – क्या वह इस मुश्किल मिशन में कामयाब हो पाएगा 'सारे जहां से अच्छा' की कहानी 1970 के उस तनावपूर्ण दौर पर आधारित है, जब एक छोटी सी गलती से दुनिया में परमाणु जंग छिड़ सकता था और ताकत का संतुलन बिगड़ सकता था। इस सीरीज़ में भारत की रिसर्च एंड एनालिसिस विंग और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के बीच चालों की एक खतरनाक लड़ाई दिखाई गई है। विष्णु को आइएसआइ एजेंट मुर्तज़ा मलिक से एक कदम आगे रहकर मात देनी है, ताकि एक बड़ा संकट टाला जा सके। गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई और बॉम्बे फेबल्स द्वारा प्रोड्यूस की गई 'सारे जहां से अच्छा' में भावेश मांडलिया क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं। यह सीरीज़ 13 अगस्त को, स्वतंत्रता दिवस से पहले रिलीज़ हो रही है, यह उन सभी गुमनाम वीरों को समर्पित जो चुपचाप, बिना किसी पहचान, बिना थके और बिना पछतावे के देश की सेवा करते हैं।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के चौथे वार्षिक दीक्षांत समारोह में 956 डिग्रियां दी गई

स्नातक कर रहे 21 मेधावी विद्यार्थी स्वर्ण पदक से सम्मानित

हैदराबाद /नई दिल्ली, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने बहादुरपल्ली, हैदराबाद में अपने कैंपस में चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन प्रबंधन, इंजीनियरिंग, विधि और शिक्षा स्कूलों के 943 विद्यार्थियों और 13 पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्वानों के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन रहा जहां जिसमें उनके माता-पिता, शिक्षक और अतिथि उपस्थित थे।

इस दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ के को-चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री जीवी प्रसाद थे। महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आनन्द महिन्द्रा नेमहिन्द्रा युनिवर्सिटी केबोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य और टेक महिन्द्रा के सीईओ एवं एमडी श्री मोहित जोशी और महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर यजुलू मेदुरीकी उपस्थिति में इस समारोह की अध्यक्षता की। श्री मेदुरी ने पिछले अकादमिक वर्ष में इस युनिवर्सिटी की प्रगति को लेकर एक समग्र रिपोर्ट प्रस्तुत की।

स्नातक की पढ़ाई पूरी कर रहे विद्यार्थियों को बधाई देते हुए डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेटरीज़ के को-चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्री जीवी प्रसाद ने कहा, आज आपके सपनों और आकांक्षाओं के लिए एक नई शुरुआत है।

प्रातः किरण राष्ट्रीय दैनिक
स्पोर्ट्स
नई दिल्ली, गुरूवार, 07 अगस्त, 2025

सचिन ने कहा-

सिराज को वह श्रेय नहीं मिला जिसके वह हकदार हैं

मुंबई (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्हें मोहम्मद सिराज का रवैया बहुत पसंद है, और साथ ही कहा कि इस तेज गेंदबाज़ को वह श्रेय नहीं मिलता जिसका वह हकदार है। ओवल के पांचवें दिन सिराज ने 104 रन देकर 5 विकेट चटकाए और भारत ने इंग्लैंड को 6 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली।

इंग्लैंड के पास सिराज की सटीकता का कोई जवाब नहीं था क्योंकि उन्होंने पांचवें दिन 25 गेंदों में केवल 9 रन देकर तीन विकेट चटकाकर निचले क्रम को तहस-नहस कर दिया। सिराज ने गस एटकिंसन का ऑफ स्टंप उखाड़कर भारत की जीत पक्की कर दी और भारतीय क्रिकेट की समृद्ध परंपरा में शामिल हो गए।

तेंदुलकर ना कहा, अविश्वसनीय। शानदार दृष्टिकोण। मुझे उनका रवैया बहुत पसंद है। मुझे उनके पैरों में स्प्रिंग बहुत पसंद है। एक तेज गेंदबाज का इस तरह लगातार आपके सामने रहना, किसी भी बल्लेबाज को पसंद नहीं आएगा। और आखिरी दिन अंत तक उन्होंने जो दृष्टिकोण बनाए रखा; मैं कमेंटेटरों को यह कहते हुए भी सुन सकता था कि उन्होंने सीरीज में 1,000 से ज़्यादा गेंदें फेंकने के बाद आखिरी दिन लगभग 90 मील प्रति घंटे (145 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से गेंदबाजी की। यह उनके साहस और बड़े दिल को दर्शाता है। सिराज 32.43 की औसत से 23 विकेट लेकर सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे, उन्होंने 1113 गेंदें फेंकी। तेंदुलकर ने आगे कहा, आखिरी दिन उन्होंने जिस तरह से शुरुआत की, वह काबिले तारीफ थी और उन्होंने हमेशा अहम भूमिका निभाई है।

मैकुलम ने कहा-

'हम जानते हैं कि हमारी टीम में सुधार की गुंजाइश है'

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम का कहना है कि उन्होंने उन क्षेत्रों की पहचान कर ली है जहां इंग्लैंड को एशेज से पहले सुधार करना होगा, जब भारत के खिलाफ एक रोमांचक सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई और मुख्य कोच का मानना है कि पांचवें टेस्ट में भारतीय टीम जीत की हकदार थी।

भारत ने इस एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के 25वें और आखिरी दिन 56 मिनट के शानदार खेल में 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 6 रन की जीत हासिल की, जो रनों के लिहाज से उनकी सबसे कम अंतर की जीत थी। इसका मतलब यह था कि इंग्लैंड 2018 के बाद से भारत के खिलाफ पहली सीरीज जीत से चूक गया। मैकुलम और बेन स्टोक्स के नेतृत्व में उन्होंने अभी तक भारत या ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोई सीरीज जीत दर्ज नहीं की है। चूंकि इंग्लैंड अब सितंबर में दक्षिण अफ्रीका और आयरलैंड के खिलाफ सफ़ेद गेंद की सीरीज में उतरेगा, इसलिए खिलाड़ियों के पास आराम करने का समय है। साल की शुरुआत से ही कोच के रूप में मैकुलम दोनों चुनौतियों में शामिल रहेंगे। लेकिन उनका तात्कालिक ध्यान, एक बार सब कुछ शांत हो जाने के बाद, पिछले सात हफ्तों पर रहेगा कि क्या काम आया और क्या नहीं। नवंबर में पर्थ में पहले एशेज टेस्ट से पहले तैयारी करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा। मैकुलम ने कहा, 'हम पहले सब कुछ शांत होने देंगे और हम यह पता लगाएंगे कि क्या अच्छा रहा है और फिर यह तय करना शुरू करेंगे कि हम कैसे सुधार कर सकते हैं, ताकि जब हम ऑस्ट्रेलिया पहुंचें, तो हमारे पास एक बड़ा मौक़ा हो।

अश्विन ने कहा-

स्टोक्स बोलने से पहले सोचें, कर्म सबके तुरंत सामने आते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर बेन स्टोक्स की टिप्पणी की आलोचना करते हुए कहा कि इंग्लैंड के कप्तान को बोलने से पहले सोचना चाहिए था, क्योंकि तब उनके कर्म तुरंत ही सामने आ गए थे जब पांचवें टेस्ट में क्रिस वोक्स के कंधे में चोट लगने के बाद उन्हें एक बल्लेबाज की कमी खल रही थी।

भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत मैनचेस्टर में ड्रॉ हुए चौथे टेस्ट के पहले दिन रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। स्कैन में उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि होने के बावजूद वह अगले दिन बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरे थे। इसके बाद भारतीय कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में चोटिल खिलाड़ियों के स्थान पर अन्य खिलाड़ियों को शामिल करने की बात कही थी, जिसे स्टोक्स ने खारिज करते हुए 'बेहद हास्यास्पद' बताया था। ओवल में पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड को इसी तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा जब वोक्स के कंधे में फ्रैक्चर हो गया लेकिन फिर भी वह अंतिम दिन बल्लेबाजी करने उतरे। उस समय इंग्लैंड के 9 विकेट गिर चुके थे और उसे जीत के लिए 20 से भी कम रन की जरूरत थी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल 'ऐश की बात' पर कहा, 'एक तमिल कहावत है जिसका मोटे तौर पर अनुवाद है आपके कर्म आपको लगभग तुरंत प्रभावित करेंगे। आप जो बोते हैं, वही काटते हैं।उन्होंने कहा, 'आखिरी टेस्ट से पहले पंत की चोट के बारे में सवाल पूछे गए थे। गौतम गंभीर ने कहा था कि ऐसी चोटों के लिए नए खिलाड़ी को टीम में शामिल करना चाहिए।

करियर की बेस्ट रैंकिंग पर पहुंचे सिराज और कृष्णा

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के आखिरी मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा अपने-अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए हैं। इस टेस्ट में सिराज ने 9 और कृष्णा ने 8 विकेट लिए थे।सिराज 12 स्थान की छलांग लगाकर 15वें स्थान पर पहुंच गए। उनकी रेटिंग 674 अंक हो गई। वहीं, प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 स्थान की उछाल के साथ 59वां स्थान हासिल किया, उनकी रेटिंग 368 अंक है। जसप्रीत बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज बने हुए हैं। उनके 889 रेटिंग अंक हैं।वहीं, टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में यशस्वी जायसवाल टॉप-5 में पहुंच गए हैं।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी रोकने से हाईकोर्ट का इनकार

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर में जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने कहा- पीड़ित नाबालिग है, इसलिए गिरफ्तारी और पुलिस कार्रवाई पर रोक नहीं लगा सकते। अदालत ने केस डायरी तलब की है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। बहस के दौरान क्रिकेटर के वकील कुणाल जैमन ने कहा- हमारे खिलाफ गाजियाबाद में भी एक लड़की ने रेप केस किया था। जिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी।उसके 7 दिन बाद ही जयपुर में दूसरी लड़की ने केस दर्ज करवा दिया। इस मामले में पूरा गिरोह सक्रिय है। जो इस तरह के मुकदमे दर्ज करवाकर ब्लैकमेल करना चाहता है।सांगानेर थाना के इंचार्ज अनिल जैमन ने बताया- जयपुर की लड़की क्रिकेट खेलने के दौरान यश दयाल के संपर्क में आई थी। आरोप है कि करीब 2 साल पहले जब वह नाबालिग थी, तब यश ने क्रिकेट में करियर बनवाने का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। जैमन ने बताया कि- आईपीएल-2025 मैच के दौरान भी जयपुर आए यश दयाल ने सीतापुरा स्थित एक होटल में बुलाकर लड़की के साथ फिर रेप किया।लड़की जब 17 साल की थी, तब पहली बार उससे रेप हुआ।

स्मिथ के बाद अब ओ-रूर्क भी जिम्बाब्वे सीरीज से बाहर

हरारे (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज विल ओ-रूर्क पीठ की चोट के कारण जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ओ-रूर्क को पहले टेस्ट के तीसरे दिन चोट लगी थी, जिसके बाद उन्हें आगे की मेडिकल जांच के लिए न्यूजीलैंड भेजा गया है।न्यूजीलैंड की टीम जिम्बाब्वे दौरे पर है, जहां दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। कीवी टीम ने पहला टेस्ट 9 विकेट से जीता था। दूसरा टेस्ट 7 अगस्त से शुरू होगा।विल ओ-रूर्क से पहले तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नाथन स्मिथ भी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। उनकी जगह जकारी फॉल्क्स को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया गया था।अब ओ-रूर्क की चोट के कारण ऑकलैंड एसेस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर को टीम में बुलाया गया है। लिस्टर को पहले बैकअप के तौर पर शामिल किया गया था। अब वह टीम के साथ बने रहेंगे। स्मिथ भी पेट की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो चुके हैं। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी कोच जैकब ओरम ने कहा,हमें उम्मीद है कि यह चोट ज्यादा गंभीर नहीं है।विल हमारे लिए अगले छह से आठ महीनों और अगले साल के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि कई बड़े टेस्ट दौरे आने वाले हैं।

रेसलर हल्क होगन के सामने कुछ भी नहीं जॉन सीना और रोमन रेंस

द ग्रेट खली का चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। डब्ल्यूडब्ल्यूई के महान रेसलर हल्क होगन अब इस दुनिया में नहीं हैं। 71 साल की उम्र में उनकी मौत हो गई। हल्क होगन डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में काफी नाम कमाया है। यही कारण है कि डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैंस से लेकर रेसलर्स तक उनके काफी ज्यादा मिस कर रहे हैं और उनकी मौत की खबर हर किसी के लिए दुखद है। इसी बीच भारतीय रेसलर और डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर रह चुके ग्रेट खली ने हल्क होगन को लेकर अपनी राय रखी है।

मीडिया से बातचीत के दौरान द ग्रेट खली ने कई बड़ी बातें कही है। उन्होंने हल्क होगन की मौत को लेकर भी दुख जताया। उन्होंने कहा कि हल्क होगन की मौत की खबर सुनकर उन्हें काफी ज्यादा दुख हुआ। खली ने कहा कि हल्क होगन एक अच्छे इंसान थे। जॉन सीना ने कहा कि हल्क होगन को देखकर उन्होंने रेसलिंग शुरू किया था। उन्होंने यह भी बताया कि जब भी वह डब्ल्यूडब्ल्यूई जाते थे तो हल्क होगन से उनकी मुलाकात जरूर होती थी। हल्क होगन के साथ उनकी कई तस्वीरें भी है।

जॉन सीना और रोमन रेंस डब्ल्यूडब्ल्यूई के मौजूदा दौर के सबसे बड़े रेसलर्स में से एक हैं, लेकिन द ग्रेट खली का मनना है कि ये दोनों रेसलर्स हो या कोई भी मौजूदा दौर का रेसलर हल्क होगन के सामने कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि हल्क होगन एक अलग लेवल के रेसलर थे। जॉन सीना और रोमन रेंस उनके लेवल पर भी नहीं हैं। वह रेसलिंग में सबसे बड़ा नाम थे।

हल्क होगन की लाइफ में आई कई परेशानियां

द ग्रेट खली ने हल्क होगन को लेकर कहा कि उनका जीवन काफी स्ट्रगल से गुजरा है। खली ने बताया कि हल्क होगन की लाइफ में सबसे बड़ा झटका तब आया जब उनके बेटे का एक्सीडेंट हो गया, फिर उनकी वाइफ ने उन्हें तलाक दे दिया, लेकिन फिर भी उन्होंने रेसलिंग में इतना बड़ा नाम कमाया।

इंग्लैंड में सीरीज बराबर करने के बाद टीम-इंडिया घर लौटी

वॉशिंगटन सुंदर इम्पैक्ट प्लेयर बने, गंभीर बोले- बहुत खुश हूं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-2 से बराबर की, लेकिन जीत के बाद टीम इंडिया ने कोई बड़ा जश्न नहीं मनाया। खिलाड़ियों ने सोमवार को मैच खत्म होने के बाद अपने परिवारों के साथ समय बिताया और मंगलवार सुबह अलग-अलग बैचों में भारत के लिए रवाना हो गए।

मोहम्मद सिराज समेत कई खिलाड़ी मंगलवार को फ्लाइट से दुबई पहुंचे, जहां से वे अपने-अपने शहरों के लिए रवाना होंगे। कुछ खिलाड़ी इंग्लैंड में कुछ दिनों के लिए रुक गए हैं।

ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को भारतीय मैनेजमेंट ने सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर मेडल दिया। वहीं हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मैं टीम परफॉर्मेंस से बहुत खुश हूं।

मैच खत्म होने के करीब चार घंटे बाद अर्शदीप और प्रसिद्ध कृष्णा को लंदन की सड़कों पर अपने परिवारों के साथ घूमते हुए देखा गया। कुलदीप यादव, जिन्हें सीरीज में मौका नहीं मिला, पूर्व खिलाड़ी पीयूष चावला के साथ नजर आए। बुमराह को पहले ही आराम के कारण टीम से रिलीज कर दिया गया था।

बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, कोई खास सेलिब्रेशन नहीं हुआ। सीरीज काफी लंबी और थकाऊ रही। खिलाड़ी अपने परिवारों के साथ या अकेले समय बिता रहे थे। ज्यादातर खिलाड़ी भारत लौट चुके हैं, कुछ छुट्टियां मना रहे हैं। अब टीम इंडिया की अगली चुनौती अगले महीने यूएई में एशिया कप होगी।

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल को प्लेयर ऑफ द सीरीज और मोहम्मद सिराज को ओवल टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

पांचवें टेस्ट में भारत की 6 रन से रोमांचक जीत के बाद वॉशिंगटन सुंदर को सीरीज का इम्पैक्ट प्लेयर चुना गया। इस दौड़ में मोहम्मद सिराज, शुभमन गिल और रवींद्र जडेजा भी थे, लेकिन सुंदर के प्रदर्शन ने उन्हें सबसे आगे रखा।

सीरीज में सुंदर ने लगातार चार टेस्ट खेले। उन्होंने कुल 284 रन बनाए, जिसमें एक अर्धशतक और एक शानदार शतक शामिल था। गेंदबाजी में भी उन्होंने 7 विकेट लिए।

तीसरे टेस्ट में लॉर्ड्स पर उन्होंने बेन स्टोक्स, जो रूट और जेमी स्मिथ जैसे बड़े बल्लेबाजों को आउट किया और 4 विकेट झटके। मैनचेस्टर टेस्ट में उन्होंने जडेजा के साथ पांच सेशन तक बल्लेबाजी की और मैच ड्रॉ कराया। वहां उन्होंने नाबाद 101 रन बनाए।

लंदन में आखिरी टेस्ट में सुंदर ने टी-20 जैसी बल्लेबाजी करते हुए 53 रन (46 गेंद पर बनाए। उनकी पारी में 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे, जिससे भारत को दूसरी पारी में 396 रन तक पहुंचने में मदद मिली और इंग्लैंड के सामने 374 रन का बड़ा लक्ष्य खड़ा हुआ। ड्रेसिंग रूम में हुई मेडल सेरेमनी के दौरान रवींद्र जडेजा ने खुद सुंदर का नाम लिया और गले लगाकर उन्हें मेडल दिया।

टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। मुझे लगता है लड़कों ने यह जीत पूरी तरह से डिजर्व की। पूरी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। किसी एक का नाम लेना मुश्किल है, शुभमन, सिराज, सभी ने शानदार क्रिकेट खेला है।

पंत ने कर्नाटक की गरीब छात्रा की फीस भरी

12वीं में 83 प्रतिशत मार्क्स लाई थी, बीसीए में एडमिशन लिया; पिता चाय की दुकान चलाते हैं

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत ने कर्नाटक की एक मेधावी छात्रा ज्योति कनाबूर मठ की कॉलेज फीस भरी।ज्योति कर्नाटक के बिलगी तालुक के रबकवी गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने हाल ही में 12वीं की परीक्षा में 83 फीसदी अंक हासिल किए थे।

ज्योति का सपना था कि वह आगे चलकर बीसीए (बैचलर ऑफ कंप्यूटर एप्लिकेशन) की पढ़ाई करें, लेकिन आर्थिक तंगी के चलते यह सपना अधूरा रह जाता। जब पंत को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने कॉलेज के अकाउंट में फीस जमा करवाई।

ज्योति के पिता तीर्थय्या मठ गांव में एक छोटी सी चाय की दुकान चलाते हैं। परिवार की खराब माली हालत के कारण वे बेटी की कॉलेज फीस नहीं भर सके। ऐसे में पढ़ाई का सपना टूटता नजर आ रहा था। ज्योति ने गांव के ठेकेदार अनिल हुनाशिकट्टी से मदद मांगी। अनिल ने न केवल ज्योति का जमखंडी के बीएलडीई कॉलेज में बीसीए कोर्स में दाखिला कराने का वादा किया, बल्कि आर्थिक मदद के लिए भी प्रयास शुरू किए।उन्होंने बेंगलुरु में अपने दोस्तों के जरिए ज्योति की स्थिति ऋषभ पंत तक पहुंचाई। उनकी कहानी सुनकर पंत ने तुरंत मदद का फैसला किया और 17 जुलाई को कॉलेज के खाते में 40,000 रुपए ट्रांसफर कर ज्योति की पहली सेमेस्टर की फीस भरी।

ज्योति ने भावुक होकर कहा, मैंने गलगली में 12वीं पूरा किया और बीसीए करने का सपना देखा था, लेकिन घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। मैंने अनिल हुनाशिकट्टी भैया से मदद मांगी। उन्होंने बेंगलुरु में अपने दोस्तों के जरिए मेरी बात ऋषभ पंत तक पहुंचाई। उनकी मदद से मेरा सपना सच हुआ।

अब कैफ ने कर दी ये बड़ी मांग: युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से रोहित-कोहली की वनडे में राह मुश्किल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर जिस तरह कुछ युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उसके बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वनडे में भी रोहित-कोहली के लिए टीम में जगह बनाने की राह कठिन हो गई है? कोहली 36 और रोहित 38 साल के हैं और ये दोनों संभवतः ऑस्ट्रेलिया में तीन मैच की वनडे सीरीज और उसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैच की सीरीज में खेलेंगे।शुभमन गिल की अगुआई में भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर अच्छा प्रदर्शन किया। भारतीय टीम इस दौरे पर रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दो दिग्गज खिलाड़ियों के बिना गई थी जिन्होंने लाल गेंद के प्रारूप को अलविदा कह दिया था। रोहित और कोहली अब भारत के लिए बस वनडे प्रारूप में ही खेलते नजर आएंगे। भले ही इन दोनों खिलाड़ियों ने अभी 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है, लेकिन यह स्पष्ट है कि आर.के की जोड़ी इस वैश्विक टूर्नामेंट में खेलना चाहती है।

इंग्लैंड दौरे पर जिस तरह कुछ युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है उसके बाद यह सवाल उठने लगे हैं कि क्या वनडे में भी रोहित-कोहली के लिए टीम में जगह बनाने की राह कठिन हो गई है? इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज ने लगभग 200 ओवर गेंदबाजी की और अपने थके हुए शरीर को पांच टेस्ट मैच के दौरान अच्छी तरह संभाला। वाशिंगटन सुंदर कभी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हटे। यशस्वी जायसवाल ने जरूरत पड़ने पर योगदान दिया, आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा प्रभावी नजर आए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली पुलिस के एसआई पर महिला हेड कॉन्स्टेबल की बेटी से डिजिटल रेप का आरोप

गाजियाबाद, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) द्वारा दिल्ली पुलिस की ही महिला हेड कॉन्स्टेबल की मासूम बेटी से कथित तौर पर डिजिटल रेप करने का मामला सामने आया है। बच्ची की मां की शिकायत पर गाजियाबाद पुलिस ने आरोपी एसआई के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी और शिकायतकर्ता महिला हेड कॉन्स्टेबल दोनों ही गाजियाबाद में रहते हैं। पुलिस के मुताबिक, गाजियाबाद के नंदग्राम थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला दिल्ली पुलिस में हेड कॉन्स्टेबल है। वह पति से अलग तीन साल की बेटी के साथ रहती है। हेड कॉन्स्टेबल का आरोप है कि गोविंदपुरम में रहने वाले एसआई से उसकी पुरानी जान-पहचान है। इसी के चलते उसका घर पर भी आना-जाना है। आरोप है कि तीन दिन पहले एसआई घर आया। उसने तीन साल की बेटी को अकेला पाकर न सिर्फ अश्लील हरकत की, बल्कि उसके साथ डिजिटल रेप भी किया। हेड कॉन्स्टेबल के मुताबिक, आरोपी के हरकतों से उसकी बेटी असहज हो गई और उससे दूर हटने की जिद करने लगी। अजीब बर्ताव देखकर उन्होंने बेटी से पूछा। इसके बाद उसने सारी घटना बताई। हेड कॉन्स्टेबल का आरोप है कि उसने आरोपी से उसकी हरकत का विरोध जताया तो उसने धमकी देनी शुरू कर दी।

आध्यात्मिक वक्ता जया किशोरी बनीं लेखिका

मुंबई। आध्यात्मिक और मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी ने हाल ही में अपनी किताब इट्स ओके लॉन्च की है। यह किताब लोगों को मुश्किल समय में रास्ता दिखाने के लिए लिखी गई है। जया कहती हैं कि इस किताब का नाम उनके अपने अनुभव से लिया गया है। वह बताती हैं, यह किताब मैंने कॉलेज के बच्चों से बात करके लिखी। जब मैं उनसे मिलती हूं, तो वे अपनी परेशानियों के बारे में बताते हैं। कई बार वे परेशान होते हैं, लेकिन फिर भी कहते हैं जस्ट चिल या इट्स ओके। यह बात मुझे सोचने पर मजबूर कर गई। जया बताती हैं कि वह पिछले पांच सालों से एक किताब लिखना चाहती थीं और इस किताब का संदेश उनके दिल के बहुत करीब है। वह कहती हैं, इस किताब का मकसद यह है कि चाहे आपकी जिंदगी में कोई भी हालात हों - अच्छे या बुरे - आपको समझना होगा कि कब कहना है 'इट्स ओके' और कब नहीं। आपको उस स्थिति को समझना है, उसका सामना करना है और फिर उसका हल ढूंढना है। यह किताब यही बताती है कि आप जिस तरह से किसी परेशानी को समझते हैं, उसी तरह आप उसे सुलझा सकते हैं। इट्स ओके में जया के अपने अनुभव, आध्यात्मिक बातें और बचपन में सुनी कहानियाँ भी शामिल हैं। वह कहती हैं, मैंने जो कहानियाँ अपने माता-पिता और दादा-दादी से सुनीं, वे भी इसमें शामिल हैं। वही कहानियाँ मुझे आज तक प्रेरणा देती हैं। जया बताती हैं कि लिखना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि उन्हें कई बार शुरुआत से लिखना पड़ा। यह उनके लिए भावनात्मक और मानसिक रूप से थोड़ा मुश्किल था। लेकिन उन्होंने अपनी ही किताब की बातों को अपनाकर शांति पाई। जब उनसे पूछा गया कि यह किताब किसके लिए है, तो वह कहती हैं, जो भी अंदर से परेशान है, या भावनाओं से जूझ रहा है, उसके लिए यह किताब है।

मुंबई में क्रिकेट कोच ने छात्रा का यौन उत्पीड़न किया, गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के पूर्वी उपनगर में एक क्रिकेट कोच को 13 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के आरोप में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी देवनार थाने के अंतर्गत आने वाले नगर निकाय के मैदान में बच्चों को क्रिकेट खेलना सिखाता है और घाटकोपर निवासी लड़की उसके पास प्रशिक्षण के लिए आती थी। उन्होंने बताया कि 40 वर्षीय आरोपी ने कुछ दिन पहले लड़की का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया और उसने सोमवार को भी यह हरकत दोबारा की। अधिकारी ने बताया कि लड़की ने अपने माता-पिता को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद शिकायत दर्ज कराई गई और घाटकोपर में पंतनगर पुलिस ने शून्य प्राथमिकी दर्ज की।

रीलबाजी में द्वारका एक्सप्रेसवे किया था जाम; 3 अरेस्ट, थार-फॉर्च्यूनर जब्त

गुरुग्राम , एजेंसी।
गुरुग्राम के सेक्टर 108 के पास सोमवार को द्वारका एक्सप्रेसवे पर कुछ युवकों ने सोशल मीडिया पर रील बनाने के लिए अपनी कारें बीच सड़क पर रोक दीं। इस वजह से हाईवे पर दोनों तरफ लंबा ट्रैफिक जाम लग गया और आम लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। इस मामले में आज पुलिस ने तीन युवकों को गुड़गांव काबू कर लिया है। आरोपियों की पहचान सोहना के रहने वाले हिमांशू, सागर तथा दिल्ली के रहने वाले कौशल के रूप में हुई है। राजेंद्रा पार्क थाना पुलिस केस दर्ज आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की और फिर पकड़ा। इस मामले में शामिल अन्य अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने दो थार व एक फॉर्च्यूनर गाड़ी को भी बरामद कर लिया है। द्वारका एक्सप्रेसवे पर कल कुछ युवकों ने रील बनाने के लिए कारों

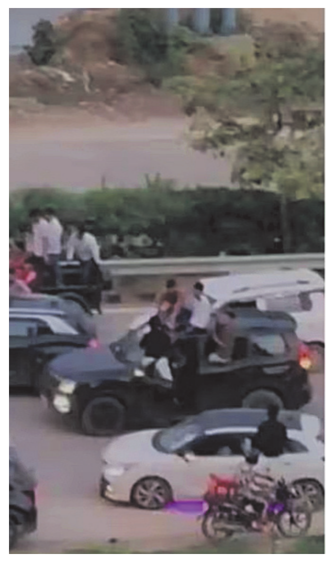

का काफिला रोक दिया, जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया था। युवकों ने करीब 10 मिनट तक गाड़ियां बीच सड़क पर रोककर वीडियो शूट किया। इस दौरान कुछ युवक कारों की खिड़कियों पर बैठे नजर आए, तो कुछ सनरूफ से बाहर निकलकर खड़े थे।

इस हरकत से एक्सप्रेसवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं, जिससे लोगों को भारी परेशानी हुई। युवकों के इस काफिले में मर्सिडीज बेंज, टोयोटा फॉर्च्यूनर, महिंद्रा थार, स्कॉर्पियो और कई हैचबैक कारें शामिल थीं। कुछ युवक अवैध रूप से लगाए गए सायरन बजाते हुए और डिपर जलाते हुए रील शूट कर रहे थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक युवक वहां से जा चुके थे। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद उनका पता लगाया। आए दिन देश के कई राज्यों से स्टंटबाजी के नए मामले सुनने और देखने को मिल रहे हैं। आजकल के युवा अपनी और साथ ही दूसरों की जान को जोखिम में डालकर स्टंट करते हैं और रील बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हैं। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत 10 हजार रुपये तक जुर्माना देना होता है। यह अधिनियम तब लागू होता है जब कोई सड़क पर लापरवाही से ड्राइविंग करता है। सड़क पर तेज रफ्तार से गाड़ी चलाने वालों पर और स्टंटबाजी करने वालों पर अलग-अलग धाराओं में 25,000 रुपए से लेकर 36,000 रुपए तक चालान काटा जा सकता है। वहीं, लापरवाही से वाहन चलाने पर बीएनएस की 125 धारा के तहत कार्रवाई होती है।

9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान की सड़कों पर इस रक्षाबंधन कुछ अलग ही मंजर देखने को मिलेगा। बसें भरेंगी, महिलाएं सफर करेंगी, ड्राइवर-परिचालक अपनी सीटों पर मुस्तैद होंगे... लेकिन टिकट काउंटर पूरी तरह खाली। कोई पूछने वाला नहीं होगा कि टिकट कहां है, कोई जेब से किराया नहीं निकालेगा। क्योंकि 9 और 10 अगस्त को पूरे राजस्थान में रोडवेज की साधारण बसों में महिलाएं और बालिकाएं फ्री यात्रा करेंगी। अनुमान है कि इस अनोखी योजना से करीब 8.5 लाख महिलाएं लाभान्वित होंगी। यह कोई अफवाह नहीं, कोई शरारती मैसेज भी नहीं। खुद राज्य सरकार ने इसकी घोषणा की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन - आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' के मंच से इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा - सावन का महीना बहनों के मन में उल्लास भरता है। हर बहन चाहती है कि वो अपने भाई के घर जाए, रक्षाबंधन मनाए। सरकार इस भाव को और मजबूत करने के लिए रोडवेज बसों में महिलाओं को दो दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा दे रही है। अब सोचिए - 8.5 लाख महिलाएं, दो दिन, और एक ही व्यवस्था। क्या होगा जब पूरे प्रदेश की महिलाएं बस स्टैंड की तरफ रुख करेंगी? सीट पाने की जद्दोजहद होगी, बसों में भीड़ होगी, लेकिन काउंटर पर न कोई लाइन होगी न किराया। रोडवेज प्रबंधन भी इस भीड़ को लेकर पूरी तरह अलर्ट मोड में है। राजस्थान रोडवेज के प्रबंध निदेशक पुरुषोत्तम शर्मा के मुताबिक - हर साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन पर महिलाओं को फ्री यात्रा का प्रस्ताव सरकार को भेजा गया था, जिसे मंजूरी मिल गई है। योजना का अनुमानित वित्तीय भार करीब 14 करोड़ रुपए है, जो राज्य सरकार उठाएगी।ध्यान रखने वाली बात ये है कि ये सुविधा केवल राजस्थान की सीमा में चलने वाली साधारण (नॉन-एसी) बसों में ही लागू होगी। वॉल्वो, एसी और ऑल इंडिया परमिट वाली बसों में फ्री यात्रा का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को यात्रा के दौरान अपना कोई भी पहचान पत्र साथ रखना होगा, ताकि जरूरत पड़ने पर दिखा सकें।

यूपी के कानपुर में सपा में छिड़ी अंदरुनी डिजिटल वार, विधायक और नगर अध्यक्ष आमने-सामने

कानपुर, एजेंसी। यूपी के कानपुर शहर में सपा नगर संगठन और विधायकों के बीच चल रही गुटबाजी ने डिजिटल वार का रूप ले लिया है। सोशल मीडिया पर इन दिनों नगर अध्यक्ष फजल महमूद और कैंट विधायक मोहम्मद हसन रूमी के समर्थकों के बीच जमकर कहासुनी हो रही है। दोनों आमने-सामने आ गए हैं। दरअसल रविवार को मोहम्मद हसन रूमी ने बाबूपुरवा में कूड़ेघर की जगह पर प्रस्तावित सेल्फी प्वाइंट का शिलान्यास किया था। इसके लिए लगे बैनर-होर्डिंग में रूमी की फोटो थी।

फजल महमूद के करीबी मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के नगर अध्यक्ष शादाब आलम ने सोशल मीडिया पर बैनर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की फोटो न होने की सोशल मीडिया पर आपत्ति जताते हुए पार्टी में निष्ठा पर सवाल खड़े किए। इस पर रूमी समर्थक फजल महमूद द्वारा कांग्रेस में रहते हुए सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव की अर्थी निकालने की पोस्ट करने लगे। इसके बाद दोनों तरफ से सोशल मीडिया पर वार-पलटवार शुरू हो गया।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं करूंगा अपमान बर्दाश्त : फजल

नगर अध्यक्ष फजल महमूद ने कहा कि मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं रहता हूं। कार्यकर्ता ने कैंट विधायक की होर्डिंग में फोटो के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष की फोटो न होने का जायज सवाल उठाया था। मैं स्वयं भी राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का अपमान बर्दाश्त नहीं करूंगा। नगर अध्यक्ष होते हुए मैं अपना अपमान झेल सकता हूं लेकिन राष्ट्रीय अध्यक्ष का नहीं। क्या सपा के सिंबल के बिना कोई जीत सकता है। व्हाट्सएप ग्रुप पर मेरे नाम से लिखित सामग्री के वायरल स्क्रीन शॉट फर्जी हैं, जिन पर एफआईआर दर्ज कराने की तैयारी चल रही है। पूरे मामले को सपा प्रदेश अध्यक्ष और नेतृत्व से अवगत करा दिया है।

हिमाचल में सरकारी जमीन से कब्जा होगा खत्म, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों को तगड़ा झटका लगा है। मंगलवार को हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में हिमाचल प्रदेश लैंड रेवेन्यू एक्ट, 1954 की धारा 163-ए को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया। इस धारा के तहत सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों को नियमित करने का प्रावधान था। अब सरकार को इन कब्जों को हटाने के लिए तेजी से कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच, जिसमें जस्टिस विवेक ठाकुर और जस्टिस बिपिन चंदर नेगी शामिल थे, ने साफ कहा, धारा 163-ए पूरी तरह से मनमानी और असंवैधानिक है। इसके साथ ही इस धारा के तहत बनाए गए नियमों को भी रद्द कर दिया गया। कोर्ट ने इस प्रावधान को संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन माना, जो कानून के समक्ष समानता की गारंटी देता है। कोर्ट ने टिप्पणी की, यह प्रावधान बेईमान लोगों के लिए बनाया गया कानून है और अवैधता में समानता का दावा नहीं किया जा सकता। सरकार ने इसे लेकर अपने जवाब में चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। हिमाचल में सरकारी जमीनों पर लगभग 57,549 कब्जे हैं, जो करीब 1,23,835

बीघा यानी 10,320 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। 15 अगस्त 2002 तक कब्जों को नियमित करने के लिए 1,67,339 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस विशाल स्तर के अतिक्रमण को देखते हुए कोर्ट ने सरकार को आपराधिक अतिक्रमण से संबंधित कानून में संशोधन करने का सुझाव दिया। हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया कि वह धारा 163-ए के तहत आने वाले सभी अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई जल्द से जल्द शुरू करे। इसकी डेडलाइट 28 फरवरी 2026 तय की गई है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अतिक्रमण हटाने के खिलाफ दिए गए सभी स्थगन आदेश स्वतः रद्द माने जाएंगे। कोर्ट ने सरकार को नगर पंचायत, नगर परिषद और नगर निगम के अधिकारियों, साथ ही संबंधित कार्यकारी अधिकारियों/आयुक्तों पर अतिक्रमण की सूचना देने और उसे हटाने की कार्रवाई शुरू करने की जिम्मेदारी सौंपने का निर्देश दिया। इसके लिए संबंधित कानून और नियमों में उचित संशोधन करने को कहा गया है।

मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान उत्तरी एरिजोना में क्रैश हुआ

एरिजोना, एजेंसी।
अमेरिका के एरिजोना राज्य में नावा जो नेशन क्षेत्र में मंगलवार को एक छोटा मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नावा जो जनजाति के अधिकारियों ने दी। इस दुर्घटना में शामिल विमान बीचक्राफ्ट किंग एयर 300 था, जो सीएसआई एविएशन कंपनी का था। यह विमान न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर से उड़ा था और उसमें दो पायलट व दो स्वास्थ्यकर्मी सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, विमान की योजना चिनले के पास स्थित एयरपोर्ट पर उतरने की थी, जहां से एक गंभीर हालत वाले मरीज को लेकर वापस अल्बुकर्क लौटना था। लेकिन उतरते समय कोई तकनीकी गड़बड़ी हो गई और विमान क्रैश हो गया। नावा जो पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी एमेट

याजी ने बताया कि, वे चिनले एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अफसोस, कुछ गलत हो गया। हादसे की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 12:44 बजे मिली, जब एयरपोर्ट के पास काले धुएं के बादल उठते देखे गए। नावा जो इमरजेंसी विभाग की निदेशक शेरेन सैंडोवल ने बताया कि विमान एक मरीज को लेने आया था, जिसे विशेष इलाज की जरूरत थी। हालांकि, मरीज कहां था और उसकी हालत क्या है, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। विमान हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) मामले की जांच कर रहे हैं। हादसे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। सीएसआई एविएशन कंपनी ने एक ईमेल बयान में हादसे की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया और पीड़ितों के परिवारों व दोस्तों के प्रति संवेदना प्रकट की। अभी मृतकों के नाम सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नावा जो नेशन के राष्ट्रपति, बू नाइगरेन ने इस दुर्घटना पर सोशल मीडिया के जरिए शोक व्यक्त करते हुए कहा, ये लोग अपनी जान दूसरों की जान बचाने के लिए जोखिम में डालते थे। इनकी मौत पूरे नावा जो नेशन के लिए बहुत बड़ी क्षति है।

नावा जो क्षेत्र के अस्पताल छोटे होते हैं और वहां अत्याधुनिक या ट्रॉमा केयर की सुविधाएं नहीं होतीं, इसलिए मरीजों को हवाई जहाज से बड़े अस्पतालों में ले जाया जाता है। चिनले एयरपोर्ट उन गिने-चुने एयरपोर्ट्स में है जिन्हें यह जनजाति खुद संचालित करती है। नावा जो रिजर्वेशन अमेरिका का सबसे बड़ा आदिवासी क्षेत्र है, जो लगभग 27,000 वर्ग मील (करीब 70,000 वर्ग किलोमीटर) में फैला हुआ है और इसमें एरिजोना, न्यू मैक्सिको और यूटाह शामिल हैं।

टैरिफ विवाद, ट्रम्प बोले- ब्राजीली राष्ट्रपति जब चाहें, बात करें

ब्रासीलिया, एजेंसी।
ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बातचीत के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था, लूला जब चाहें, मुझसे बात कर सकते हैं। लूला ने इस प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा, मैं टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रम्प को कॉल नहीं करूंगा। इसके बदले पीएम नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग जैसे नेताओं से बातचीत करना चाहूंगा। अमेरिका ने ब्राजील पर 50प्रतिशत टैरिफ लगा रखा है। ब्राजील इससे निपटने के लिए विश्व व्यापार संगठन में जाने पर विचार कर रहा है। लूला ने यह भी कहा कि भले ही ट्रम्प से उनकी बातचीत न हो, लेकिन वे नवंबर में होने वाले सीओपी-30 क्लाइमेट समिट में ट्रम्प को न्योता जरूर भेजेंगे। अमेरिका ने हाल ही में ब्राजील पर 50प्रतिशत टैरिफ लगाया है। ट्रम्प प्रशासन के मुताबिक यह टैरिफ पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के खिलाफ की जा रही कार्रवाई के चलते लगाया गया है।ट्रम्प ने बोल्सोनारो के खिलाफ कार्रवाई को विचहंट यानी बदले की कार्रवाई बताया है। बोल्सोनारो पर 2022 के चुनाव हारने के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप है। इसके चलते अमेरिका और ब्राजील के बीच रिश्ते और बिगड़ गए हैं। बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है।

यूएन में हमास के कब्जे से बंधक छुड़ाने की मांग, कई देशों ने गाजा में भुखमरी पर इस्राइल को घेरा

न्यूयॉर्क, एजेंसी।
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आपात बैठक में मंगलवार को इस्राइल ने अपने कमजोर हो चुके बंधकों की रिहाई की मांग की, वहीं अधिकतर सदस्य देशों ने गाजा में दो करोड़ फलस्तीनियों को भूखा रखने के लिए इस्राइल को ही जिम्मेदार ठहराया।

इस्राइल का आरोप- हमारे बंधकों को भूखा रख रही है हमास

इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार खुद न्यूयॉर्क पहुंचे और दावा किया कि हमास और इस्लामिक जिहाद ने पिछले 2 महीनों से बंधकों को खाना-पानी से वंचित रखा है। उन्होंने एक बंधक का उदाहरण दिया, जिसे जिंदा कब्र खुदवाने को मजबूर किया गया।

यूएन के सदस्यों का आरोप- गाजा को भुखमरी की ओर धकेल रहा है इस्राइल

लेकिन परिषद के ज्यादातर सदस्य देशों ने उल्टा इस्राइल पर ही गाजा में भुखमरी फैलाने का आरोप लगाया। दो महीने की नाकेबंदी के चलते वहां खाने-पीने की चीजें लगभग बंद हैं। गाजा की स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत भूख से हो चुकी है, जिनमें कई बच्चे शामिल हैं।

इस्राइल का दावा- हमने बहुत मदद भेजी, हमास लूट लेता है

गिदोन सार ने कहा कि इस्राइल ने गाजा में बड़ी मात्रा में राहत सामग्री भेजी है, लेकिन हमास उन्हें जब्त कर के बेचता है और इससे पैसा कमाता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता ने कहा है कि ऐसी किसी लूट का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

बंधक इव्यातार डेविड के बड़े भाई इताय डेविड ने सुरक्षा परिषद को वीडियो संदेश भेजा। उन्होंने कहा, मेरा भाई एक हड्डियों का ढांचा बन चुका है। कृपया उन्हें और बाकी बंधकों को अंधेरे में मरने मत दीजिए।

ब्रिटेन की यूएन प्रतिनिधि बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि बंधकों को प्रोपेगंडा के लिए दिखाना बेहद घिनौना है और हमास को गाजा के शासन से बाहर रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले संघर्षविराम के दौरान हालात

बेहतर हुए थे लेकिन अब फिर भुखमरी चरम पर है। वुडवर्ड ने आरोप लगाया कि इस्राइली सेना ने बेबी फॉर्मूला तक ज़ब्त किया है और गाजा के बच्चे इतने कुपोषित हो चुके हैं कि उनके घाव महीनों तक नहीं भर रहे। अमेरिका की कार्यवाहक राजदूत डोरोथी शीया ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप गाजा में वास्तविक भुखमरी को मानते हैं और अमेरिका मदद पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने बताया कि गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन नाम की संस्था ने रविवार को 15 लाख भोजन पैकेट बांटे हैं, लेकिन वहां पहुंचने की कोशिश में सैकड़ों फलस्तीनी मारे भी गए।

संयुक्त राष्ट्र में फलस्तीन के प्रतिनिधि रियाद मंसूर ने कहा कि हम भी उस वीडियो से दुखी हैं जिसमें इव्यातार डेविड कब्र खुदते दिखे, लेकिन यह दोहरा मापदंड नहीं चलेगा। उन्होंने कहा, इस्राइल चाहता है कि दुनिया उसकी बात माने, जबकि वही एक पूरी आबादी को भूखा मार रहा है और जब लोग खाना लेने जाते हैं तो उन पर गोली चलाता है। सिएरा लियोन के राजदूत माइकल इमरान कानु ने कहा कि हमास की तरफ से बंधक बनाना युद्ध अपराध है, लेकिन इसके बदले गाजा में आम नागरिकों पर भूख और पीड़ा थोपना भी उतना ही अमानवीय है। हम बंधकों के लिए चिंतित हैं, लेकिन साथ ही गाजा में मानवीय तबाही को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129